दैनिक सिटी दर्पण

आईना सच का

आज का विचार

सदैव प्रथम स्थान पर रहिये मुस्कुराने में, प्रशंसा करने में, क्षमा करने में, दान करने में रिश्ते निभाने में और अपनी गलती मानने में।

6

सिटी दर्पण-राष्ट्रीय दैनिक हिंदी समाचार पत्र की अधिकारिक वेबसाइट पर जाने के लिए स्कैन करें।

चंडीगढ़ । सोमवार, 16 जून, 2025 वर्ष 23, अंक 147, मूल्य: 3 रुपए, पृष्ठ 8 RNI Regn No.: CHAHIN/2003/09265 Established 2003 www.citydarpan.com

अहमदाबाद विमान दुर्घटना: अब तक 32 मृतकों के डीएनए सैंपल का मिलान, 14 शव परिजनों को सौंपे गए

एजेंसी (हि.स.)
अहमदाबाद

अहमदाबाद विमान दुर्घटना में अब तक 32 मृतकों के डीएनए सैंपल मेल खा चुके हैं। 32 परिवारों से संपर्क किया गया है। अब तक कुल 14 शव परिजनों को सौंपे गए हैं। अहमदाबाद में 12 जून को लंदन जा रही एयर इंडिया की फ्लाइट अका 71 मेघाणीनगर में क्रैश हो गई थी। इस हादसे में मृतकों के शव इतने क्षत-विक्षत थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल था। इसलिए मृतकों और उनके परिजनों के डीएनए सैंपल के जरिये शवों की पहचान करने का फैसला लिया गया था। पहचान प्रक्रिया की जानकारी अहमदाबाद सिविल हॉस्पिटल के एडिशनल सुपरिंटेंडेंट डॉ. रजनीश पटेल ने मीडिया ब्रीफिंग के दौरान दी। उन्होंने बताया कि अब तक 32 मृतकों के शव उनके परिजनों से मेल खा चुके हैं। इनमें अहमदाबाद के 4, वडोदरा के 2, खेड़ा के 1, अरावली के 1, बोटाद के 1, महेसाणा के 4 और उदयपुर के 1 मृतक शामिल हैं। हर मृतक के परिवार के लिए एक अलग टीम नियुक्त की गई है। इस टीम में एक वरिष्ठ अधिकारी, एक पुलिसकर्मी और एक पेशेवर काउंसलर शामिल हैं। उन्होंने बताया कि जिन मृतकों के डीएनए सैंपल मैच हो गए हैं, उनके पार्थिव शरीर को परिजनों को सम्मानपूर्वक सौंपा जा रहा है। अब तक कुल 14 शव परिजनों को सौंपे गए हैं।

पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का डीएनए मैच राजकोट में आज को होगा अंतिम संस्कार

अहमदाबाद। एयर इंडिया विमान हादसे में जान गंवाने वाले गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री जय रूपाणी के शव की पहचान हो गई है। रविवार को उनका डीएनए मैच हो गया। राजकोट में सोमवार दोपहर 3 बजे पार्थिव शरीर का अंतिम संस्कार किया जाएगा। इस हादसे में मृतकों के शव इतने क्षत-विक्षत थे कि उन्हें पहचानना मुश्किल था। इसलिए मृतकों और उनके परिजनों के डीएनए सैंपल के जरिये शवों की पहचान करने का फैसला लिया गया था। इसी क्रम में विजय रूपाणी के बेटे ने कल अस्पताल आकर डीएनए सैंपल दिया था। अब पूर्व सीएम के शव की पहचान होने के बाद पार्थिव शरीर उनके परिवार को सौंपा जाएगा, जिसके बाद राजकोट में राजकीय सम्मान के साथ विजय रूपाणी का अंतिम संस्कार किया जाएगा। भाजपा विधायक रीता पटेल ने कहा कि हमारे पूर्व सीएम का डीएनए टेस्ट हो चुका है और अब सकारात्मक परिणाम सामने आया है। अब उनके पार्थिव शरीर को राजकोट में उनके परिवार के पास ले जाया जाएगा। इसके बाद उत्तर गुजरात और मध्य गुजरात के निवासियों को उनके प्रति सम्मान प्रकट करने के लिए एक कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। अहमदाबाद सिविल अस्पताल से पार्थिव शरीर परिवार को सौंप दिया जाएगा। वहां से उन्हें हेलीकॉप्टर के जरिए राजकोट ले जाया जाएगा। अहमदाबाद से लंदन जाने वाला एयर इंडिया का विमान गुरुवार को मेघानीनगर में दुर्घटनाग्रस्त हो गया था। उस दौरान पायलट और क्रू मेंबर्स के साथ फ्लाइट में कुल 242 लोग मौजूद थे, जिनमें से एक विजय रुपाणी भी थे। वह अपनी बेटी से मिलने लंदन जा रहे थे। प्लेन क्रैश में मरने वालों का आंकड़ा 275 पहुंच गया है। आज सुबह तक 248 शवों के डीएनए सैंपल लिए गए। इनमें से 31 की शिनाख्त हो गई है और 20 शव परिजन को सौंपे गए हैं। उनके डेथ सर्टिफिकेट भी उपलब्ध कराए गए। एम्बुलेंस के जरिए सिक्योरिटी के साथ शवों को उनके गृहनगर पहुंचाया जा रहा है। इसके लिए 230 टीमें बनाई गई हैं, जो मृतकों के परिजनों के सीधे संपर्क में हैं। 192 एम्बुलेंस और वाहन स्टैंडबाय पर हैं। हादसे में जान गंवाने वाले विदेशी नागरिकों में से 11 के परिजन आज अहमदाबाद पहुंच सकते हैं। शवों को रखने के लिए 170 ताबूत बनाने का ऑर्डर दिया गया है। इनमें से करीब 100 ताबूत वडोदरा से अहमदाबाद लाए गए हैं। बाकी के ताबूत बनाने का काम जारी है।

हरियाणा के संतुलित विकास के संकल्प को लेकर प्रदेश सरकार प्रतिबद्धता के साथ कर रही काम: नायब सैनी

रेवाड़ी को मिला विकास का बड़ा तोहफा, मुख्यमंत्री ने खोला घोषणाओं का पिटारा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने रेवाड़ीवासियों को विकास परियोजनाओं की सौगात देते हुए घोषणाओं का पिटारा खोला। उन्होंने रेवाड़ी की पानी की आपूर्ति के लिए भगवानपुर में 9 एकड़ 7 कनाल भूमि में अतिरिक्त वाटर स्टोरेज टैंक के निर्माण के लिए 50 करोड़ 58 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, गांव डूंगरवास में पीने के पानी के लिए बूस्टिंग स्टेशन और नई पाइन लाइन बिछाने के लिए 7 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। साथ ही, गांव गोकुलपुर में वॉटर वर्क्स के निर्माण और नई पाइप लाइन बिछाने के लिए 5 करोड़ 6 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री रेवाड़ी में आयोजित धन्यवाद रैली को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे। इससे पहले, मुख्यमंत्री ने रेवाड़ी में 288 करोड़ 31 लाख रुपये लागत की 15 परियोजनाओं का उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इनमें 193 करोड़ 94 लाख रुपये की लागत की 8 परियोजनाओं का उद्घाटन तथा 94 करोड़ 37 लाख रुपये लागत की 7 परियोजनाओं का शिलान्यास शामिल हैं।

मुख्यमंत्री ने घोषणा करते हुए कहा कि रेवाड़ी में भूमि उपलब्ध होने पर एक बड़ी लाइब्रेरी बनाई जाएगी। साथ ही, रेवाड़ी में मार्केट कमेटी के भवन के लिए भी 4 करोड़ 39 लाख रुपये की घोषणा की। इसके अलावा, हरियाणा राज्य कृषि विपणन बोर्ड की पांच सड़कों के नवीनीकरण के लिए मुख्यमंत्री ने 4 करोड़ 20 लाख रुपये की घोषणा की। इसी विभाग की 37.32 किलोमीटर की 18 सड़कों को संबंधित एजेंसी के माध्यम से ठीक करवाया जाएगा। इसके अलावा, रेवाड़ी में 18.48 किलोमीटर की 12 अन्य सड़कों की स्पेशल रिपेयर के लिए 3 करोड़ 36 लाख रुपये, 37.59 किलोमीटर की 25 सड़कों के नवीनीकरण के लिए 26 करोड़ 84 लाख रुपये की घोषणा की। मुख्यमंत्री ने कहा कि रेवाड़ी विधानसभा में पीडबल्यूडी की 90.99 किलोमीटर की 51 सड़कों की संबंधित एजेंसी के माध्यम से मरम्मत करवाई जाएगी। रेवाड़ी में 10.95 किलोमीटर की पांच सड़कों का निर्माण कार्य जल्द आरंभ हो जाएगा। इसके अलावा, रेवाड़ी शहर में सीवरेज की नई लाइन बिछाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि कर्नल राम सिंह चौक के पास फ्लाई ओवर की फिजिबिलिटी चेक करवाकर इसका निर्माण करवाया जाएगा। इसके अलावा, भूमि उपलब्ध होने पर जिला नागरिक अस्पताल से ट्रामा सेंटर को नई जगह शिफ्ट किया जाएगा। धारूहेड़ा के अर्बन हेल्थ सेंटर को अपग्रेड कर पीएचसी बनाया जाएगा। नगर परिषद रेवाड़ी के नए भवन कार्यालय का निर्माण करवाया जाएगा। उन्होंने कहा कि राजकीय मॉडल संस्कृत वरिष्ठ माध्यमिक काकोडिया के भवन का निर्माण भूमि की उपलब्धता होने पर किया जाएगा। रेवाड़ी में जमीन उपलब्ध होने पर उपमंडल कृषि अधिकारी के कार्यालय भवन का निर्माण किया जाएगा। राजकीय महाविद्यालय बॉयज के भवन का भी निर्माण कार्य जल्द शुरू हो जाएगा।

हरियाणा में सुशासन से सेवा का मॉडल, भ्रष्टाचार पर लगी लगाम

नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। हमने जो कहा है, वो करेंगे। हमारी नीति, नीयत और नेतृत्व तीनों स्पष्ट हैं। सरकार ने अपने संकल्प-पत्र में रेवाड़ी के लिए भी 2 संकल्प लिये हैं कि हम यहां पर देश की सबसे बड़ी सरसों तेल सहकारी मिल और एक सैन्य संग्रहालय स्थापित करेंगे। उन्होंने कहा कि हमने पिछले 10 वर्षों में हरियाणा में सुशासन से सेवा का खास मॉडल तैयार किया है। इससे भ्रष्टाचार पर लगाम लगी है और सरकारी योजनाओं व सेवाओं का लाभ पात्र लोगों को मिलने लगा है। उन्होंने कहा कि हमारा लक्ष्य है कि पूरे हरियाणा का संतुलित विकास हो। इसी संकल्प को लेकर हरियाणा सरकार पूरी प्रतिबद्धता के साथ आगे बढ़ रही है। राव इंद्रजीत सिंह ने कहा कि पिछले वर्षों में हरियाणा सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य, महिला सशक्तिकरण और ग्रामीण विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति की है। सरकार द्वारा डिजिटलीकरण, ई-गवर्नेंस और पारदर्शिता की दिशा में किए गए कार्य, पूरे देश में मिसाल बन चुके हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया कि रेवाड़ी और आस-पास के क्षेत्रों की प्राथमिकता पर विकास कार्यों में गति लाई जाए।

मोदी के नेतृत्व में 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ : संजय सेठ

रांची को भी मोदी सरकार ने अनेक उपलब्धियां दीं

एजेंसी (हि.स.)
रांची

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने रविवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण हुए हैं। उन्होंने कहा प्रधानमंत्री के नेतृत्व में इन 11 वर्षों में देश के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास हुआ है। गरीब, किसान, महिला, नौजवान, विद्यार्थी सहित संपूर्ण परिवार के कल्याण और उत्थान के लिए मोदी सरकार ने कार्य किया है।

केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री सेठ रांची महानगर कार्यालय में सेवा सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष पूर्ण होने पर रविवार को प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि परिवार के साथ राष्ट्र की भी उत्तरोत्तर प्रगति हो, इस दिशा में प्रधानमंत्री के नेतृत्व में लंबी लकीर खींची गई है। इंफ्रास्ट्रक्चर के क्षेत्र में कई बड़े कार्य हुए हैं। रांची को भी मोदी सरकार ने अनेक उपलब्धियां दीं। चाहे रातू रोड का एलिवेटेड कॉरिडोर हो।

चाहे रांची के आधा दर्जन रेलवे स्टेशनों का अमृत स्टेशन के तहत विकास, दर्जनों रेलवे अंडरपास और ओवर ब्रिज, वंदे भारत सहित कई नई ट्रेन, पूर्वी भारत का सबसे बड़ा पुस्तकालय की सौगात, भारतमाला परियोजना, रांची बोकारो एक्सप्रेस वे ऐसे कई कार्य हुए, जिससे झारखंड के विकास को नई गति प्रदान हुई है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि झारखंड भी देश के विकास के साथ कदम से कदम मिलाकर चल रहा है। कल्पना से परे झारखंड के कई गांव मुख्य सड़कों से जुड़े। कई परिवारों को बिजली मिली। निःशुल्क इलाज मिला। मुफ्त अनाज मिला। गरीबों को पक्के छत मिले। मोदी सरकार का कार्यकाल विकसित भारत की मजबूत नींव रखने वाला कार्यकाल है। साथ ही मोदी के 11 साल के उपलब्धियां की प्रदर्शनी भी लगाई गई, जिसका उद्घाटन केंद्रीय रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ और विधायक सी पी सिंह ने संयुक्त रूप से किया।

इस अवसर पर रांची महानगर के महामंत्री बलराम सिंह, जितेंद्र वर्मा प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

सेना ने राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ नाकाम की

एजेंसी (हि.स.)
राजौरी

सेना के सतर्क जवानों ने रविवार को जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ को नाकाम कर दिया है, जबकि पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर संदिग्ध गतिविधि का पता चलने के बाद तलाशी अभियान जारी है।

सतर्क जवानों ने राजौरी जिले के केरी सेक्टर के बरातगाला इलाके में नियंत्रण रेखा पर कुछ संदिग्ध गतिविधि देखी। सतर्क जवानों ने घुसपैठियों को आगे न बढ़ने की चेतावनी दी, लेकिन संदिग्ध घुसपैठियों को लगातार आगे बढ़ते देख जवानों ने तुरंत गोलीबारी की। सेना ने घुसपैठियों को नियंत्रण रेखा के पाकिस्तानी हिस्से में वापस जाने के लिए जवानों ने मजबूर कर दिया। इसके बाद नियंत्रण रेखा पर इलाके की तलाशी शुरू कर दी गई।

अधिकारियों ने बताया कि एक अन्य आतंकवाद विरोधी अभियान में सुरक्षाबलों ने पुंछ जिले में नियंत्रण रेखा पर तब तलाशी अभियान शुरू किया, जब स्थानीय लोगों ने इलाके में कुछ संदिग्ध गतिविधि देखने की सूचना दी। तलाशी अभियान फिलहाल जारी है और अभी तक किसी संदिग्ध के देखे या पकड़े जाने की कोई सूचना नहीं है। उन्होंने बताया कि सुरक्षाबल आतंकवादियों, उनके ओवरग्राउंड वर्कर्स (ओजीडब्ल्यू) और उनके समर्थकों के खिलाफ आक्रामक तरीके से अभियान चला रहे हैं।

यूपी में माफिया पर पुलिस का डर दिखना चाहिए: अमित शाह

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि देश के सबसे बड़े पुलिस बल के आप सभी पुलिस आरक्षी अब सदस्य बनने जा रहे है। यहां कई लोगों ने देश के लिए जीवन समर्पित किया है। यूपी पुलिस का अभिन्न हिस्सा बने, आप का डर माफिया पर सख्त से सख्त दिखना चाहिए। वहीं आपको दलित, पिछड़े, कमजोर, गरीब लोगों में मसीहा दिखना चाहिए। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह रविवार को यहां वृंदावन योजना स्थित डिफेंस एक्सपो मैदान पर नवचयनित पुलिस आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित करने के बाद संबोधित कर रहे थे। केन्द्रीय गृह मंत्री शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 11 साल में नक्सलबाद अब केवल तीन जिलों में बचा है। एक तिथि तय कर दी गयी है, जब नक्सलवाद से देश मुक्त हो जाएगा। शाह ने कहा कि कांग्रेस की सरकारों में आयेदिन आतंकवादी हमले होते थे। कांग्रेस के वक्त जो आतंकवाद चरम पर था, उसे प्रधानमंत्री मोदी ने जड़ से मिटाने का कदम उठाया है। आपरेशन सिंदूर के माध्यम से एक संदेश पूरी दुनिया को दिया गया है। आतंकवाद को लेकर भारत ने अपना संदेश स्पष्ट कर दिया। प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व को आतंकवाद के विरूद्ध लड़ाई लड़ने का बड़ा संदेश दिया है। गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि हमारा देश विकास की ओर बढ़ता जा रहा है। हमने इकानमी क्षेत्र में चौथे पायदान पर कदम रख दिया है। आने वाले वक्त में हम दुनिया की सबसे बड़ी इकानमी भी बनेंगे। कभी समय ऐसा था, अंतरिक्ष के क्षेत्र में हम सोच नहीं सकते थे। प्रधानमंत्री मोदी के समय में हमने चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर अपना विमान उतारा है। मोदी ने मातृशक्ति का सम्मान बढ़ाने का काम किया है। प्रधानमंत्री ने धर्म के क्षेत्र में केदार धाम व बद्री धाम कों संवारा है तो काशी विश्वनाथ का कारिडोर बन चुका है और अयोध्या में भव्य राम मंदिर बन चुका है। केन्द्रीय गृह मंत्री ने कहा कि देश के भीतर आज कॉमन सिविल कोड वाला राज्य भी बन चुका है। नया वक्फ कानून सख्त बनाने का काम प्रधानमंत्री मोदी ने किया है। देश को आगे बढ़ाने में युवाओं की भूमिका तय हुई है।

यूपी पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस को नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने योगी की उपस्थिति में नवचयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये

संवाददाता
लखनऊ

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्रीअमित शाह ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश पुलिस के लिए एक ऐतिहासिक दिन है। 60 हजार से अधिक युवा जो प्रदेश के हर समाज, जाति, हर जनपद व तहसील का प्रतिनिधित्व करते हैं, वह सभी आज से भारत के सबसे बड़े पुलिस बल का अभिन्न हिस्सा बनने जा रहे हैं। वर्ष 2017 में उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में हमारी सरकार बनने पर उत्तर प्रदेश पुलिस नई बुलन्दियों को हासिल करने की ओर अग्रसर है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री आज उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उपस्थिति में यहां डिफेंस एक्सपो ग्राउण्ड में उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा निष्पक्ष एवं पारदर्शी प्रक्रिया के अन्तर्गत चयनित 60,244 आरक्षी नागरिक पुलिस को नियुक्ति पत्र वितरण के लिए आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे। उन्होंने नवचयनित आरक्षियों को नियुक्ति पत्र वितरित किये।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि आजादी के समय उत्तर प्रदेश पुलिस की तुलना देश के अन्य पुलिस बलों के साथ होती थी। बीच के कुछ वर्षों में प्रदेश की कानून व्यवस्था बिगड़ गयी थी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश भर के पुलिस बलों में आधुनिकीकरण की शुरूआत हुई। उत्तर प्रदेश में इसकी शुरूआत तीन वर्ष देर से हुई। वर्ष 2014 से वर्ष 2017 तक भारत सरकार की कोई भी सुधारात्मक प्रक्रिया उत्तर प्रदेश में दिखाई नहीं पड़ती थी। वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार बनने पर इसकी शुरूआत हुई।

प्रदेश पुलिस बल में पहले भी कई भर्तियां हुई हैं, लेकिन इस बार यह संख्या सबसे अधिक है। संख्या से ज्यादा यह महत्वपूर्ण है कि 60,244 युवाओं में से किसी को भी कोई भी रिश्वत नहीं देनी पड़ी। यह भर्ती पूरी पारदर्शिता के साथ सम्पन्न हुई है। भर्ती में किसी भी प्रकार की सिफारिश, जातिवाद या भ्रष्टाचार नहीं हुआ है। 48 लाख आवेदनों में से 60,244 युवा अपनी योग्यता के आधार पर चयनित होकर आये हैं। किसी भी शासन के लिए इससे बड़ी उपलब्धि नहीं हो सकती है। पहले भर्तियां जातियों के आधार पर होती थीं। इसमें तकनीक की कोई भूमिका नहीं थी। आज तकनीक से पारदर्शिता बढ़ी है और पारदर्शिता से आपकी नियुक्ति हुई है।

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि इस भर्ती में 12 हजार से अधिक बेटियां हैं। उनका हौसला, आत्मविश्वास तथा आनन्द देखकर प्रसन्नता की अनुभूति हो रही है। हमने महिलाओं के लिए आरक्षण की जो व्यवस्था लागू की, उसका शत-प्रतिशत अनुपालन उत्तर प्रदेश में हुआ है। आप सभी ऐसे समय में उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन रहे हैं, जब राज्य नवनिर्माण की ओर आगे बढ़ रहा है। कभी दंगों का गढ़ माना जाने वाला उत्तर प्रदेश आज दंगा मुक्त हो चुका है। यहां न्याय का शासन स्थापित हुआ है। अब यहां गुण्डों का शासन नहीं है और अपराधियों को वी0आई0पी0 ट्रीटमेन्ट नहीं मिलता है। इन सभी व्यवस्थाओं को आप सभी युवाओं को और आगे ले जाना है। केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में वर्ष 2017 से 2025 तक की प्रदेश की यात्रा और वर्ष 2014 से 2025 तक देश की यात्रा भारत में परिवर्तन का काल है। आप अमृतकाल में उत्तर प्रदेश पुलिस बल में जुड़ रहे हैं। मंच पर बैठे लोगों में से बहुत कम लोग वर्ष 2047 में देश को देख रहे होंगे, परन्तु आप सभी नवचयनित आरक्षी उस समय होंगे। वर्ष 2047 में हमारा देश दुनिया में सर्वप्रथम स्थान पर होगा। इसमें उत्तर प्रदेश का योगदान सर्वाधिक होगा। प्रधानमंत्री ने 11 वर्षों में देश को आगे बढ़ाने का काम किया है। अब वर्ष 2047 के भारत की नींव डालने का काम आप युवाओं को करना है।

-संबंधित खबर पेज 6 पर

हिमाचल में अगले हफ्ते प्री-मानसून की सक्रियता, लू से मिलेगी राहत

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

हिमाचल प्रदेश के मैदानी जिलों ऊना, हमीरपुर और बिलासपुर में तापमान लगातार 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर रिकॉर्ड हो रहा है। भीषण गर्मी और लू ने आम जनजीवन को खासा प्रभावित किया है। खासकर दोपहर के समय धूप तीव्र हो जाने से जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। हालांकि राहत की बात यह है कि मौसम विभाग ने आगामी सप्ताह में प्री-मानसून गतिविधियों की संभावना जताई है जिससे प्रदेश को लू से राहत मिलने की उम्मीद है।

मौसम विज्ञान केंद्र शिमला द्वारा जारी ताजा पूवार्नुमान के अनुसार 15 से 19 जून तक आंशिक रूप से बादल छाए रहेंगे और इस दौरान कुछ स्थानों पर बिजली गिरने के साथ गरज-चमक व 40-50 किमी प्रति घंटा की रफ्तार से झोंकेदार हवाएं चलने की संभावना है। हालांकि इन चार दिनों में कहीं भी भारी वर्षा की संभावना नहीं जताई गई है।

20 और 21 जून को मौसम का मिजाज बदलने के संकेत मिले हैं। इन दो दिनों के लिए मौसम विभाग ने कुछ स्थानों पर मौसम में व्यापक बदलाव की चेतावनी जारी की है। इन दोनों दिनों में भारी बारिश की संभावना जताई गई है। इसे लेकर येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। इस दौरान बादलों का बरसना प्री-मानसून सक्रियता की शुरूआत मानी जाएगी। इसके साथ ही विभाग ने संकेत दिए हैं कि लगभग 25 जून के आसपास प्रदेश में दक्षिण-पश्चिम मानसून प्रवेश कर सकता है। मानसून के आगमन से तापमान में गिरावट आने और भीषण गर्मी से राहत मिलने की पूरी संभावना है। इस बीच राजधानी शिमला व आसपास के इलाकों में आज बादल छाए हैं, वहीं सिरमौर जिला के कुछ स्थानों पर सुबह से बारिश हो रही है।

गौरतलब है कि लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए राज्य सरकार ने कई मैदानी जिलों के स्कूलों में समय परिवर्तन कर दिया है। अब ग्रीष्मकालीन स्कूलों में प्रातः 10 बजे की बजाय सुबह 7:30 बजे से कक्षाएं लग रही हैं ताकि बच्चे दोपहर की भीषण गर्मी से बच सकें।

मौसम विभाग ने आगामी दिनों में अंधड़ चलने व बिजली गिरने की आशंका के मद्देजर लोगों को सलाह दी गई है कि वे सतर्क रहें और सुरक्षित स्थानों पर ही रहें। किसानों को भी सलाह दी गई है कि वे मौसम की ताजा जानकारी के आधार पर कृषि गतिविधियों की योजना बनाएं।

जम्मू-कश्मीर के 24,015 उम्मीदवारों ने नीट (यूजी) 2025 में की सफलता प्राप्त

एजेंसी (हि.स.)
श्रीनगर

राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (नीट) द्वारा शनिवार को घोषित परिणामों के अनुसार केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर के कुल 24,015 उम्मीदवारों ने राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट-यूजी) 2025 में सफलता प्राप्त की है।

इस वर्ष जम्मू-कश्मीर के 50,957 उम्मीदवारों ने मेडिकल प्रवेश परीक्षा के लिए पंजीकरण कराया था जिनमें से 49,326 उम्मीदवार 4 मई, 2025 (रविवार) को आयोजित परीक्षा में शामिल हुए। नीट-यूजी 2025 भारत के 552 शहरों और अबू धाबी, दुबई, बैंकॉक, कोलंबो, दोहा और सिंगापुर सहित 14 अंतरराष्ट्रीय शहरों में 5,468 केंद्रों पर आयोजित किया गया था।

इसकी तुलना में जम्मू-कश्मीर से 48,545 उम्मीदवारों ने नीट(यूजी)-2024 के लिए पंजीकरण कराया था जिसमें 47,227 उपस्थित हुए और 24,545 उत्तीर्ण हुए। इस वर्ष उत्तीर्ण उम्मीदवारों की संख्या में मामूली गिरावट के बावजूद भागीदारी दर लगातार उच्च बनी हुई है।

परीक्षा 13 विभिन्न भाषाओं में आयोजित की गई थी जिससे विभिन्न भाषाई पृष्ठभूमि के उम्मीदवारों के लिए सुलभता सुनिश्चित हुई। इनमें असमिया, बंगाली, अंग्रेजी, गुजराती, हिंदी, कन्नड़, मलयालम, मराठी, ओडिया, पंजाबी, तमिल, तेलुगु और उर्दू शामिल हैं। राष्ट्रीय स्तर पर राजस्थान के महेश कुमार ने 99.9999547 प्रतिशत अंक के साथ शीर्ष रैंक हासिल की। उनके बाद मध्य प्रदेश के उत्कर्ष अवधिया (99.9990095 प्रतिशत) और महाराष्ट्र के कृषांग जोशी (99.9998289 प्रतिशत) ने क्रमशः दूसरा और तीसरा स्थान हासिल किया। जम्मू-कश्मीर से आफताब इकबाल राज्य के टॉपर के रूप में उभरे जिन्होंने 99.9808085 के प्रतिशत स्कोर के साथ राष्ट्रीय स्तर पर 423वीं रैंक हासिल की।

नीट(यूजी)-2025 के परिणामों का उपयोग विभिन्न कोटा के तहत एमबीबीएस, बीडीएस, बीएससी (एच) नर्सिंग और बीवीएससी एंड एएच पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए किया जाएगा जिसमें 15 प्रतिशत अखिल भारतीय कोटा (एआईक्यू) और राज्य कोटा शामिल हैं। अखिल भारतीय आयुष केंद्रीय परामर्श समिति भी बीएमएस, बीयूएमएस, बीएसएमएस और बीएचएमएस पाठ्यक्रमों में प्रवेश के लिए नीट स्कोर का उपयोग करेगी।

एनटीए ने स्पष्ट किया कि उसकी जिम्मेदारी परीक्षा आयोजित करने और परिणाम घोषित करने तक ही सीमित है जबकि संबंधित प्रवेश अधिकारी सीट आवंटन के लिए राज्य के मानदंडों के अनुसार अखिल भारतीय रैंक (एआईआर) और श्रेणी के आधार पर मेरिट सूची तैयार करेंगे।

शिमला आर्ट फेस्टिवल : चित्रों में संवर रही हिमाचल की संस्कृति और प्रकृति

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

राजधानी शिमला के ऐतिहासिक बैंटनी कैसल में आयोजित तीन दिवसीय आर्ट फेस्टिवल कला प्रेमियों और प्रतिभागियों के लिए यादगार बन गया है। हिमाचल प्रदेश राज्य संग्रहालय की ओर से आयोजित इस तीन दिवसीय महोत्सव में देशभर से आए जाने-माने चित्रकारों के साथ-साथ स्थानीय स्कूली छात्र भी भाग ले रहे हैं। इस फेस्टिवल में चित्रकार हिमाचल की सांस्कृतिक विरासत, प्राकृतिक सौंदर्य और ऐतिहासिक धरोहरों को रंगों के माध्यम से जीवंत कर रहे हैं।

फेस्टिवल का मुख्य विषय हिमाचल की सांस्कृतिक समृद्धि और नैसर्गिक आकर्षण रखा गया है। प्रतिभागी कलाकार बैंटनी कैसल परिसर में बैठकर लाइव पेंटिंग कर रहे हैं, जिससे दर्शक भी कला प्रक्रिया का प्रत्यक्ष अनुभव कर पा रहे हैं। इन चित्रों में शिमला की वादियों, पारंपरिक लोक जीवन, ऐतिहासिक स्मारकों और जनजातीय संस्कृति को बेहतरीन तरीके से उकेरा गया है।

राज्य संग्रहालय शिमला के अध्यक्ष डॉ. हरी चौहान ने बताया कि इस प्रकार के आयोजनों से न केवल कला को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि युवाओं को नशे और अन्य सामाजिक बुराइयों से दूर रखने में भी मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि यह फेस्टिवल बच्चों को रचनात्मकता के साथ तनावमुक्त करने का मंच दे रहा है।

उन्होंने बताया कि फेस्टिवल में लगभग 400 प्रतिभागी भाग ले रहे हैं, जिनमें स्कूली बच्चों से लेकर वरिष्ठ कलाकार शामिल हैं। हर दिन स्कूलों से छात्र पेंटिंग वर्कशॉप में हिस्सा ले रहे हैं। इसके साथ ही जवाहरलाल नेहरू फाइन आर्ट कॉलेज, हिमाचल विश्वविद्यालय के विजुअल आर्ट्स और पहाड़ी चित्रकला विभाग के छात्र भी इसमें सक्रिय रूप से भाग ले रहे हैं।

महोत्सव में भाग ले रहे देशभर के चित्रकारों ने शिमला के शांत और सुरम्य वातावरण की सराहना की। उन्होंने कहा कि यहां की पहाड़ियां, स्वच्छता और सांस्कृतिक सौंदर्य उनकी कला को और निखार देते हैं। एक वरिष्ठ चित्रकार ने कहा आज भले ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस का दौर हो, लेकिन चित्रकार की कल्पना और सोच को कोई तकनीक नहीं छू सकती।

फेस्टिवल के दौरान दर्शकों की अच्छी खासी भीड़ भी देखी जा रही है। बच्चे, युवा और बुजुर्ग सभी कलाकारों की पेंटिंग प्रक्रिया को देखकर प्रभावित हुए। तीन दिवसीय महोत्सव का आगाज बीते शनिवार को हुआ और सोमवार को इसका समापन होगा।

प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक सुनिश्चित करें कल्याणकारी योजनाओं का लाभः मोहन लाल ब्राक्टा

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

मंडी जिला के अध्ययन प्रवास पर पहुंची हिमाचल प्रदेश विधानसभा की कल्याण समिति की जिला स्तरीय बैठकबरा सभापति मोहन लाल ब्राक्टा की अध्यक्षता में आयोजित की गई। समिति के सदस्य एवं विधायक विनोद कुमार, रणधीर शर्मा, रीना कश्यप, चंद्रशेखर, लोकेंदर कुमार, दीप राज व अनुराधा राणा विशेष रूप से इसमें उपस्थित रहे। समिति ने जिला मंडी के अपने प्रवास के दौरान समाज के कमजोर वर्गों के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं एवं अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम के अंतर्गत किए जा रहे विकासात्मक कार्यों का अध्ययन किया। साथ ही समिति ने इस संबंध में जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श भी किया और उपयोगी सुझाव एवं दिशा-निर्देश दिए। अपने संबोधन में सभापति मोहन लाल ब्राक्टा ने कहा कि कल्याणकारी योजनाओं का लाभ प्रत्येक पात्र व्यक्ति तक पहुंचे, यह सुनिश्चित करना सभी विभागों का दायित्व है। विशेषतौर पर कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए चलाई जा रही योजनाओं का समयबद्ध व त्वरित लाभ सुनिश्चित किया जाना चाहिए। उन्होंने मंडी जिला में विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर संतोष जताया और अधिकारियों से अपने कार्यों में और सुधार लाते हुए निरंतर बेहतर कार्य करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि अनुसूचित जाति विकास कार्यक्रम के तहत विभिन्न विभागों के माध्यम से विकास कार्यों के लिए निधि का आवंटन किया जाता है। सभी विभाग यह सुनिश्चित करें कि इस विकास निधि का समुचित व सही ढंग से उपयोग हो। उन्होंने कहा कि विकास कार्यों के लिए प्रदत्त निधि को अनावश्यक रूप से बैंक खातों में जमा रखने की प्रवृत्ति पर कड़ाई से रोक सुनिश्चित की जानी चाहिए। इससे कार्यों को अनुमानित लागत में पूरा करने के साथ ही पात्र लोगों को भी समय पर इसका भरपूर लाभ मिलता है। समिति के सभी सदस्यों ने भी इस अवसर पर अपने विचार रखे व बहुमूल्य सुझाव दिए।

संक्षिप्त-समाचार

खोर नार पर्यटन का बड़ा केंद्र बन सकता है, बुनियादी ढांचे और सहयोग की जरूरतः मुस्तफा

जम्मू। सामाजिक कार्यकर्ता ताहिर मुस्तफा ने कहा कि खोर नार सिर्फ एक झरना नहीं बल्कि यह उस संभावनाओं का प्रतीक है जो हमारा क्षेत्र सही दिशा और ध्यान मिलने पर हासिल कर सकता है। उन्होंने कहा कि यहां के युवा योगदान देने को तैयार हैं लेकिन हमें ढांचे, जागरूकता और निवेश के रूप में सहयोग की जरूरत है। थोड़े से विकास के साथ यह स्थान पर्यटकों को आकर्षित कर सकता है, साथ ही हमारी सांस्कृतिक और पारिस्थितिक विरासत को भी सुरक्षित रख सकता है। उन्होंने सरकार और प्रशासन से अपील की कि खोर नार जैसे प्राकृतिक स्थलों को विकसित कर स्थानीय युवाओं को रोजगार और क्षेत्र को नई पहचान दी जाए।

कठुआ ट्रक यूनियन के प्रधान पद के लिए चार उम्मीदवारों ने भरे नामांकन पत्र

जम्मू। बहुचर्चित कठुआ ट्रक यूनियन के प्रधान पद के चुनाव को लेकर एक बार फिर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। ट्रक यूनियन कार्यालय गोविंदसर में चुनाव को लेकर शनिवार पूरा दिन गहमागहमी का माहौल रहा जिसमें 18 जून को होने वाले प्रधान पत्र के चुनाव को लेकर आज नामांकन पत्र भरे गए हालांकि इस चुनाव में लंबे समय तक प्रधान पद रहे कुलदीप सिंह किंगू ग्रुप के समर्थकों ने प्रत्यक्ष रूप से सक्रिय होकर चुनावी प्रक्रिया में भाग नहीं लिया है लेकिन माना जा रहा कि जिन चार उम्मीदवारों ने आज प्रधान पद के लिए नामांकन पत्र भरे हैं मैं एक उनका भी पीछे से समर्थक रहा है। भूपेंद्र सिंह, ग्रुप के सभी सदस्यों ने चुनाव में सक्रिय रूप से भाग लेने के लिए अपने नामांकन पत्र भरे हैं। भूपेंद्र सिंह के अलावा नामांकन पत्र भरने वालों में अन्य तीन उम्मीदवारों में महेंद्र सिंह, सुशील कुमार और गुरविंदर सिंह शामिल हैं। भूपेंद्र सिंह के अनुसार अब जिला चुनाव अधिकारी डीसी राकेश मिन्हास की देखरेख में मजिस्ट्रेट की उपस्थिति में 18 जून को चुनाव होंगे

अवतार सिंह की मौत बनी रहस्य, धर्मकुंड (रामबन) में पत्नी पर हत्या का आरोप

जम्मू। जिला रामबन के धर्मकुंड क्षेत्र में 9 तारीख को अवतार सिंह की संदिग्ध मौत ने पूरे इलाके में सनसनी फैला दी है। मृतक के परिवार ने अवतार सिंह की पत्नी पर हत्या का गंभीर आरोप लगाया है। परिजनों का कहना है कि अवतार की मौत सामान्य नहीं है और इसके पीछे गहरा षड्यंत्र हो सकता है। उन्होंने पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है। वहीं पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और जांच जारी है।

हंदवाड़ा में नशे के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, 30 कनाल भूमि से जंगली भांग नष्ट

जम्मू। हंदवाड़ा पुलिस ने नशे के खिलाफ एक अहम अभियान चलाते हुए लैंगेट सब-डिविजन के गुलूरा इलाके में करीब 30 कनाल में फैली जंगली भांग की खेती को नष्ट कर दिया। यह कार्रवाई राजस्व विभाग और स्थानीय लोगों के सहयोग से की गई। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि यह अभियान पुलिस पोस्ट लैंगेट के नेतृत्व में चलाया गया, जिसमें मस्जिद कमेटी के चेयरमैन और सिविल सोसाइटी कश्मीर के सदस्यों ने भी सक्रिय भागीदारी निभाई। इस मुहिम का उद्देश्य इलाके को नशे के प्रभाव से मुक्त कर एक सुरक्षित और स्वस्थ समाज की ओर कदम बढ़ाना है। स्थानीय लोगों ने एसएसपी हंदवाड़ा और पुलिस टीम की त्वरित कार्रवाई की सराहना करते हुए इसे एक सराहनीय पहल बताया।

राष्ट्रीय राजमार्ग फ्रूट मंडी के पास एक टवेरा वाहन हुआ दुर्घटनाग्रस्त, दस लोग घायल

अनंतनाग। अनंतनाग जिले में बिजबिहाडा के जलबलीपोरा इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग फ्रूट मंडी के पास रविवार को एक टवेरा वाहन के दुर्घटनाग्रस्त होने से दस लोग घायल हो गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पंजीकरण संख्या जेके14बी-9328 वाली एक टवेरा राष्ट्रीय राजमार्ग फ्रूट मंडी के पास एक डिवाइडर से टकरा गई जिससे दस यात्री घायल हो गए। सभी दस लोगों को तुरंत एसडीएच बिजबिहाडा ले जाया गया जहां से उनमें से सात को इलाज के लिए जीएमसी अनंतनाग ले जाया गया है और बाकी तीन को प्राथमिक उपचार के बाद छुट्टी दे दी गई। घायलों की पहचान संजय कुमार पुत्र बीरी सिंह निवासी नई दिल्ली , बेनू पत्नी संजय कुमार निवासी आगरा यूपी , अजय पुत्र दरमिंदर निवासी फरीदाबाद , इफत पत्नी अजय कुमार निवासी फरीदाबाद, दरमिंदर पुत्र रामदास निवासी फरीदाबाद , अंजली पुत्री दरमिंदर निवासी फरीदाबाद तथा दुर्गाश देवी पत्नी धर्मेंद्र कुमार निवासी फरीदाबाद हरियाणा के रूप में हुई है। पुलिस ने इस घटना के संबंध में मामला दर्ज कर लिया है और आगे की जांच शुरू कर दी है।

हजरत सैयद शाह मोहम्मद फरीद उद दीन बगदादी 347वां उर्स 21 को किश्तवाड़ में मनाया जाएगा

जम्मू। हजरत सैयद शाह मोहम्मद फरीद उद दीन वली बगदादी (रह.) का 347वां सालाना उर्स मुबारक 21 जून 2025 को बड़ी श्रद्धा और धार्मिक उत्साह के साथ किश्तवाड़ स्थित उनकी दरगाह पर मनाया जाएगा। कार्यक्रम की शुरूआत सुबह 11 बजे कुरआन ख्वानी, विशेष दुआओं और आध्यात्मिक महफिलों के साथ की जाएगी। इस मौके पर कई धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। वक्फ यूनिट किश्तवाड़ के कार्यकारी अधिकारी फिरदौस बावानी ने बताया कि जायरीन की सुविधा के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई हैं। उन्होंने कहा कि बैतुल जायरीन किश्तवाड़ में जायरीन के लिए भोजन, रात्रि विश्राम और अन्य जरूरी इंतजाम किए गए हैं।

सफलता की कहानी : चंडयाल की सावणी देवी गुंध रही परिवार के सपने, दिखाई आत्मनिर्भरता की राह

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

किसी को अपने हुनर की पहचान हो और मन में कुछ करने का जज्बा, तो कोई भी राह मुश्किल नहीं होती। यही कुछ साबित किया है मंडी जिला की बल्हघाटी के चंडयाल गांव की सावणी देवी ने। कोरोना काल में एक दिन के भोजन के लिए मोहताज सावणी देवी ने अपनी कड़ी मेहनत से न केवल परिवार की आर्थिक मदद की, अपितु कई अन्य महिलाओं को स्वावलंबन की राह भी दिखाई। जरिया बना स्वयं सहायता समूह। बकौल सावणी देवी वह काफी अरसे से दुर्गा स्वयं सहायता समूह से जुड़ी हैं। यह समूह सीरा-बड़ियां, आचार, दलिया, बुरांश जूस से लेकर सोया मटर, आंवला कैंडी व नमकीन जैसे खाद्य उत्पाद घरेलू स्तर पर तैयार करता है। समूह से सात-आठ महिलाएं जुड़ी हैं।

उन्होंने बताया कि पति व दो बेटे निजी क्षेत्र में कार्य करते हैं। कोरोना काल में पति बीमार हो गए और काम के अवसर भी घट गए। ऐसे में सिलाई का कार्य काम आया और उधारी पर कपड़ा लेकर मास्क बनाकर किसी तरह रोजी-रोटी का इंतजाम किया। सावणी कहती हैं कि स्वयं सहायता समूहों को प्रोत्साहन देकर प्रदेश सरकार उन जैसी हजारों महिलाओं के आर्थिक स्वावलंबन की राह प्रशस्त कर रही है। उन्हें गेहूं पीसने की मशीन व सामग्री के लिए सरकार की ओर से 50 हजार रुपए की सहायता मिली। सूक्ष्म खाद्य प्रसंस्करण उद्यम पीएमएफएमई योजना के तहत भी 57 हजार रुपए की वित्तीय मदद मिली। उनका समूह गेहूं खरीद कर सीरा बनाने का कार्य करता है। प्रतिमाह लगभग 60 कि.ग्रा. तक सीरा बना लेती हैं जिसका बाजार में मूल्य 180 से 260 रुपए प्रति किलो तक मिल जाता है। इससे उन्हें महीने में 15 से 20 हजार रुपए की आय हो रही है। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन से जुड़ने के बाद उनके कार्य में निखार आया। उत्पादों की बिक्री के लिए सरकार की ओर से आयोजित सरस मेले बेहतरीन मंच साबित हुए हैं। मंडी जिला मुख्यालय पर भी सेरी मंच में सप्ताह के अंतिम दो दिन इन समूहों के उत्पादों के लिए बिक्री स्थल चिह्नित किए गए हैं। हिम इरा के माध्यम से भी उनके उत्पाद अच्छे दामों पर बिक रहे हैं।

गत दिनों सुंदरनगर में महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने भेलपुरी-नींबू पानी का स्टॉल लगाया जिससे उन्हें लगभग 12 हजार रुपए की आमदनी हुई। रक्षाबंधन पर सेवईयां व अन्य त्यौहारों पर भी विशेष उत्पाद तैयार करती हैं।

रामपुर में चरस के साथ राहगीर गिरफ्तार

एजेंसी (हि.स.)
शिमला

जिला शिमला के रामपुर उपमंडल के तहत पुलिस चौकी ज्यूरी की टीम ने गश्त के दौरान एक राहगीर से 20 ग्राम चरस बरामद की है। आरोपी के खिलाफ झाकड़ी थाने में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है।

आरोपी से पुलिस ने बरामद की 20 ग्राम चरस, एनडीपीसी एक्ट के तहत मामला दर्ज

हैड कांस्टेबल मनोज कुमार अपनी टीम के साथ शनिवार की देर शाम क्षेत्र में नियमित गश्त पर थे। जब वह भेडू फार्म ज्यूरी के पास पहुंचे तो उन्हें एक राहगीर की गतिविधियां संदिग्ध लगीं। तलाशी लेने पर उसके कब्जे से 20 ग्राम चरस बरामद की गई।

आरोपी की पहचान सागर सिंह पुत्र शकर्मचंद निवासी गांव ननण, तहसील रामपुर, जिला शिमला के रूप में हुई है। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि मौके पर ही आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और केस दर्ज कर कार्रवाई अमल में लाई जा रही है।

उपचार

डॉ. तारा सेन ठाकुर ने बताया दर्द का देसी तरीके से उपचार

जोड़ों के दर्द के लिए घर पर बनाएं जड़ी-बूटियों से बना दर्द निवारक तेल

एजेंसी (हि.स.)
मंडी

राजकीय वल्लभ कालेज मंडी की वनस्पति विज्ञान की प्राध्यापक डा. तारा सेन का कहना है कि बढ़ती उम्र, जीवनशैली की अनियमितताएं और शरीर की उचित देखभाल न करने से आजकल युवा वर्ग से लेकर वृद्धजनों तक जोड़ों के दर्द और आर्थराइटिस की समस्याएं आम होती जा रही है। ऐसे में यदि हम आयुर्वेदिक ज्ञान और परंपरागत घरेलू उपायों की ओर लौटें, तो हम न केवल राहत पा सकते हैं, बल्कि स्वास्थ्य की रक्षा भी कर सकते हैं।

उनका कहना है कि उत्तर भारत में रहने वाले लोगों को प्रायः विटामिन की कमी विशेषकर विटामिन डी की कमी का सामना करना पड़ता है, जिससे कैल्शियम का अवशोषण बाधित होता है और यह जोड़ों के दर्द का एक प्रमुख कारण बन जाता है। ऐसे में सुबह की हल्की धूप में बैठकर जड़ी-बूटियों से युक्त तेल की नियमित मालिश न केवल विटामिन डी की कमी को दूर करने में सहायक होती है, बल्कि धीरे-धीरे जोड़ों के दर्द में भी राहत देती है।

उनका कहना है कि उनके द्वारा एक प्रभावशाली जड़ी-बूटी आधारित तेल बनाने की विधि, जो तिल और सरसों के तेल को आधार बनाकर तैयार किया गया है। इसमें प्रयोग की गई सभी सामग्री प्राकृतिक, घरेलू और दर्द निवारक गुणों से भरपूर है। जड़ी-बूटी आधारित तेल बनाने की विधि, जो तिल और सरसों के तेल को आधार बनाकर तैयार किया गया है। इसमें प्रयोग की गई सभी सामग्री प्राकृतिक, घरेलू और दर्द निवारक गुणों से भरपूर है। एक किलो हर्बल तेल के लिए पांच सौ ग्राम तिल का तेल लें इसकी गर्म प्रकृति, त्वचा में गहराई तक प्रवेश कर सूजन कम करता है, पांच सौ ग्राम सरसों का तेल लें यह वातशामक, सूजनरोधी, नसों को आराम देता है। इसके अलावा पचास ग्राम कुचली हुई

निर्गुंडी की पत्तियां लें, यह संधियों की सूजन, दर्द, जकड़न में उपयोगी है, 30 ग्राम अश्वगंधा की पत्तियां लें, यह नसों को मजबूती देता है, तनाव कम करता है, 30 ग्राम करी पत्ता, यह रक्त संचार में सुधार और हड्डियों को मजबूत करता है। इसके अलावा 30 ग्राम अरंडी के पत्ते जो सूजन में लाभकारी, वात विकार को शांत करता है, 19-12 लहसुन की कलियां, लहसुन वात और जकड़न दूर करता है, दो चम्मच अजवायन, सूजन और दर्द निवारक, त्वचा को गर्मी देता है, दो चम्मच सौंठ, संधियों में गर्माहट लाकर दर्द कम करता है, पचास ग्राम कछदूकस की हुई कच्ची हल्दी, सूजन व दर्द निवारण में रामबाण, दो चम्मच मेथी के बीज, ये सूजन कम करता है, वातनाशक, हड्डियों को मजबूती देता है। तेल ठंडा होने पर 10-12 ग्राम कपूर मिलाएं, कपूर स्नायुओं को ठंडक देकर तात्कालिक राहत, सूजन व जलन में उपयोगी।

बनाने की विधिः सभी हर्बल सामग्री को साफ करके अच्छी तरह कूट लें या दरदरा पीस लें। तिल और सरसों के तेल को मिलाकर किसी कांच या स्टील के बर्तन में रखें। इसमें उपरोक्त सभी पिसी हुई हर्बल सामग्री डालें और अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को एक साफ और चौड़े मुंह वाले बर्तन में भरकर मलमल के कपड़े से ढंक दें। तेल को दो दिनों तक पूरी धूप में रखें, ताकि सूरज की ऊर्जा से तेल में जड़ी-बूटियों के गुण अच्छी तरह उतर जाएं। तीसरे दिन, इस तेल को धीमी आंच पर 45 मिनट तक उबालें, जब तक सारा जलवाष्प निकल न जाए और तेल से तेज सुगंध आने लगे। जब तेल हल्का गुनगुना रह जाए, पूरी तरह ठंडा नहीं, उसमें 10-12 ग्राम कपूर मिला दें और अच्छे से घोलें। कपूर से तेल में ठंडक, सूजनरोधी और दर्दनिवारक गुण और बढ़ जाते हैं। ठंडा होने पर छानकर कांच की बोतलों में भर लें।

प्रयोग की विधिः जोड़ों के दर्द, आर्थराइटिस या पीठ दर्द से परेशान व्यक्ति इस तेल को सुबह के समय धूप में बैठकर हल्के हाथों से जोड़ों, घुटनों, पीठ और पैरों पर लगाएं। हर दिन नियमित रूप से मालिश करने से लाभ मिलेगा। सामान्य या युवा व्यक्ति रविवार को सप्ताह में एक बार इसे लगाकर रोगों से बचाव कर सकते हैं। मालिश के बाद 20-30 मिनट धूप में बैठना फायदेमंद होता है।

क्यों है यह तेल विशेषः यह तेल वातशामक, सूजनरोधी और दर्दनिवारक गुणों से भरपूर है। यह रक्त संचार बढ़ाता है, सूजे हुए हिस्सों को शांत करता है और जोड़ों की गतिशीलता को बेहतर बनाता है। रसायनों से मुक्त और 100 प्रतिशत प्राकृतिक होने के कारण इसे बिना किसी डर के प्रयोग में लाया जा सकता है।

उपचार से बेहतर है बचावः यदि हम समय रहते शरीर की देखभाल करें तो आर्थराइटिस और जोड़ों के दर्द जैसी समस्याओं से बचा जा सकता है। यह तेल घर पर भी आसानी से बनाया जा सकता है और महिलाओं द्वारा स्वयं सहायता समूह के माध्यम से स्थानीय बाजारों में भी बेचा जा सकता है, जिससे आय का स्रोत भी बन सकता है।

दैनिक सिटी दर्पण आईना सच का

नवोन्मेषकः स्व. कृष्णा शर्मा
स्व. गीता शर्मा
संस्थापकः सतपॉल शर्मा

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक भूपेंद्र शर्मा द्वारा इंप्रेशन्ज प्रिंटिंग एंड पैकेजिंग लिमिटेड, प्लॉट नं. 22, ग्राउंड फ्लोर, फेस-2, इंडस्ट्रियल एरिया, पंचकूला-134113 (हरियाणा) पर मुद्रित एवं 801/1 सेक्टर-40ए, चंडीगढ़ से प्रकाशित- 160036

सभी विवादों का केंद्र न्यायालय चंडीगढ़ होगा।

स्थानीय कार्यालय
801/1, सेक्टर-40ए, चंडीगढ़।
संपर्कः 7888450261
Email: citydarpan1@gmail.com

प्रदेश को योग युक्त, नशा मुक्त बनाने के लिए योग मैराथन बनी एक संकल्प यात्रा: नायब सैनी

मुख्यमंत्री ने राज्य स्तरीय योग मैराथन को दिखाई हरी झंडी, मुख्यमंत्री ने खुद धावकों पर की पुष्प वर्षा

संवाददाता
चंडीगढ़

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि प्रदेश को योग युक्त, नशा मुक्त बनाने के लिए गीता स्थली कुरुक्षेत्र की पावन धरा पर योग मैराथन एक संकल्प यात्रा बनी है। इस संकल्प यात्रा में हजारों युवाओं, बुजुर्गों और महिलाओं ने जोश और खरोस के साथ दौड़ लगाकर एक नए आयाम को स्थापित किया है। इस सरकार ने भी संकल्प लेकर राष्ट्र की संपत्ति युवा वर्ग को नशे से बचाने के लिए योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा बनाने रूपी कर्म को ठाना है। अहम पहलू यह है कि कुरुक्षेत्र में 21 जून को होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम से पहले चलाए गए अभियान में अब तक प्रदेश के 19.27 लाख से अधिक लोग जुड़ चुके हैं, जो हमारे लिए गर्व की बात है।

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी रविवार को ब्रह्मसरोवर के दक्षिण गेट पर हरियाणा खेल विभाग, आयुष विभाग, हरियाणा योग आयोग व जिला प्रशासन के तत्वावधान में आयोजित राज्य स्तरीय योग मैराथन को सम्बोधित कर रहे थे। इससे पहले मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी, पूर्व राज्यमंत्री श्री सुभाष सुधा और महानिदेशक श्री संजीव वर्मा ने राज्य स्तरीय योग मैराथन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया तथा इस दौरान मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने स्वयं योग मैराथन के धावकों पर पुष्प वर्षा भी की। उन्होंने इस मैराथन में महिलाओं और पुरुष वर्ग के विजेता 20 धावकों को पुरस्कार के रूप में 3 लाख 46 हजार रुपये के नकद पुरस्कार भी वितरित किये। इस योग मैराथन में प्रथम आने वाले गौरव और सोनीपत की मोनिका को 51 हजार रुपये देकर सम्मानित किया। इस योग मैराथन में हजारों युवाओं ने हिस्सा लेकर नशे के खिलाफ चल रहे यज्ञ में आहुति डालने का काम किया। इस मैराथन ने योग, खेल, संस्कृति और पर्यावरण चेतना को एक नई उंचाई दी है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि 21 जून को पवित्र स्थल ब्रह्मसरोवर के तट पर योग गुरु स्वामी रामदेव के साथ योग करने का सौभाग्य मिलेगा जिसके लिए ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन भी करवाए जा रहे हैं। अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के कार्यक्रम से 6 दिन पहले आज योग मैराथन का आयोजन किया गया है, जिसमें करीब 20 हजार से भी अधिक युवाओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने कहा कि हमें प्रतिदिन एक घंटा अपने शरीर के लिए अवश्य निकालना चाहिए, जो व्यक्ति हृष्ट पुष्ट होगा वह नई ऊर्जा के साथ काम करेगा। इससे काम की गति बढ़ेगी। योग को हमें अपने जीवन में उतारने की जरूरत है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस वर्ष अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस की वन अर्थ वन हेल्थ थीम निर्धारित की गई है, जिसको आगे बढ़ते हुए हमने प्रदेश में योग युक्त नशा मुक्त हरियाणा जोड़कर इसे और प्रभावी बनाने का काम किया है। इस थीम पर चलते हुए सभी नागरिक अपने आप को नशे से बचाएं। साथ ही प्रदेश के युवाओं को नशे से बचाना है। नशा एक कुरीति है, जो किसी भी राष्ट्र के विकास में बाधा उत्पन्न करती हैं। उन्होंने कहा कि हमने यह अभियान चलाया है, ताकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक विकसित भारत के संकल्प को पूरा किया जा सके। उन्होंने कहा कि योग हमारे ऋषि मुनियों द्वारा दी गई प्राचीन पद्धति है। इस उपहार को हमें सहेज कर रखने की जरूरत है। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने फिट इंडिया विजन के लिए बेहतर स्वास्थ्य पर बहुत बल दिया है।

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि योग जागरण यात्रा 19 जून तक प्रदेश के 5 हजार गांवों तक पहुंचकर लोगों को योग के प्रति जागरूक करेगी। पतंजलि योग पीठ, भारतीय योग संस्थान, ब्रह्मकुमारी और आर्ट ऑफ लिविंग जैसी संस्थाएं 21 जून को प्रदेश में 2500 स्थानों पर योग शिविर आयोजित कर रही हैं। हरित योग अभियान के तहत 21 जून तक 10 लाख औषधीय पौधे बांटे और लगाए जाएंगे। उन्होंने कहा कि अब कार्यालय में 5 मिनट का वाई-ब्रेक भी शुरू किया गया है ताकि कर्मचारी तनाव मुक्त रहें।

महानिदेशक श्री संजीव वर्मा ने मेहमानों का स्वागत करते हुए राज्य स्तरीय योग मैराथन के साथ-साथ खेल विभाग की तमाम उपलब्धियों और सरकार की तरफ से खिलाड़ियों के लिए तैयार की जा रही योजनाओं पर प्रकाश डाला। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य, जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर, नगर परिषद चेयरपर्सन माफी ढांडा, केडीबी के मानद सचिव उपेन्द्र सिंह सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

इंग्लैंड के साथ मिलकर मनाया जाएगा अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव: नायब सिंह सैनी

मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस बार इंग्लैंड के साथ मिलकर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव मनाया जाएगा। हर वर्ष अलग-अलग देश में अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती के कार्यक्रम आयोजित किए जाते हैं। हर बार अंतर्राष्ट्रीय गीता जयंती महोत्सव में अलग देश को शामिल किया जाता है। अहम पहलू यह है कि कुरुक्षेत्र के ब्रह्मसरोवर पर अंतरराष्ट्रीय गीता जयंती कार्यक्रम में लाखों की संख्या में लोग पहुंचते हैं। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी रविवार को हरियाणा खेल विभाग, आयुष विभाग व जिला प्रशासन के तत्वावधान में ब्रह्म सरोवर पर आयोजित राज्य स्तरीय योग मैराथन के सफल आयोजन के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब की जनता पहले कांग्रेस से तंग थी और अब आम आदमी पार्टी से महातंग हो चुकी है। इन दोनों सरकारों से तंग होने के बाद जनता ने अब पंजाब में भी कमल खिलाने का मन बना लिया है, क्योंकि दोनों पार्टियों ने पंजाब की जनता को सिर्फ सब्जबाग दिखाए हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पार्टियों ने केवल खुद के विकास के लिए काम किया है। उन्होंने जनता के बारे में कुछ करना तो दूर उनके बारे में अच्छा सोचा तक नहीं है। मुख्यमंत्री ने एक सवाल के जवाब में कहा कि प्रदेश की जनता कांग्रेस के राज की कानून व्यवस्था को भलीभांति जानती है। अब प्रदेश में कानून व्यवस्था लगातार मजबूत हो रही है। जहां भी कानून व्यवस्था का उल्लंघन होता है, वहां पर पुलिस जांच करके आरोपी के खिलाफ सख्त एक्शन लेती है। मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने अहमदाबाद में हुई विमान दुर्घटना पर शोक प्रकट करते हुए प्रार्थना की कि भगवान दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में जगह दे। उन्होंने कहा कि घटना कब घट जाए, यह इंसान के बस की बात नहीं है। इस दुर्घटना में हमारे जिला की बेटी की भी जान गई है, जोकि बहुत ही दुखद समाचार है। ऐसे समय में पीड़ित परिवारों के हर तरह के सहयोग के लिए सरकार साथ खड़ी है। इस मौके पर पूर्व राज्यमंत्री सुभाष सुधा, हरियाणा खेल विभाग के महानिदेशक एवं अंबाला मंडल आयुक्त संजीव वर्मा, चेयरमैन धर्मवीर मिजार्पुर, हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डॉ. जयदीप आर्य, जिला परिषद चेयरमैन कंवलजीत कौर सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

विज केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा चण्डीगढ में आयोजित की जा रही दो दिवसीय कार्यशाला में होंगे मुख्य अतिथि

संवाददाता
चंडीगढ

- कार्यशाला में केन्द्रीय मंत्रालय सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चण्डीगढ के प्रतिनिधि भी लेंगें हिस्सा

हरियाणा के परिवहन मंत्री श्री अनिल विज केन्द्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा 16 जून से 17 जून के बीच चण्डीगढ में आयोजित की जा रही दो दिवसीय कार्यशाला में मुख्य अतिथि के तौर शिरकत करेंगें।

इस संबंध में अधिक जानकारी देते हुए परिवहन विभाग के एक प्रवक्ता ने बताया कि इस कार्यशाला में केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय सहित हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, पंजाब, राजस्थान, गुजरात, मध्य प्रदेश, जम्मू एवं कश्मीर, लदाख, दिल्ली तथा चण्डीगढ के प्रतिनिधि भी हिस्सा लेंगें।

उन्होंने बताया कि केन्द्रीय सडक परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय द्वारा आयोजित की जा रही कार्यशाला में नागरिकों को मुहैया करवाई जा रही ऑनलाईन सेवाओं को अधिक प्रभावी बनाने के लिए राज्य के प्रतिनिधियों के बीच विचार-मंथन किया जाएगा।

हरियाणा में पंचायतों को मिलेगा अब स्टाम्प ड्यूटी का सीधा लाभ: कृष्ण लाल पंवार

संवाददाता
चंडीगढ़

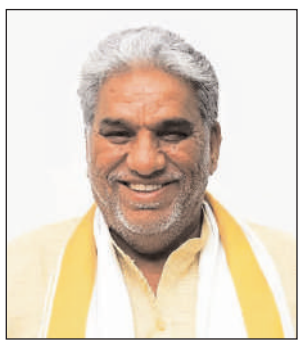

- 572 करोड़ रुपये सीधे होंगे ट्रांसफर, सशक्त पंचायतें बनेंगी आत्मनिर्भर

हरियाणा के विकास एवं पंचायत मंत्री श्री कृष्ण लाल पंवार ने कहा कि प्रदेश सरकार ने पंचायतों को आर्थिक रूप से सशक्त और आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक क्रांतिकारी कदम उठाते हुए स्टाम्प ड्यूटी से प्राप्त कुल राजस्व का एक प्रतिशत पंचायती राज संस्थाओं को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया है। यह निर्णय राज्य की पंचायत व्यवस्था के मद्देनजर ग्राम पंचायत, पंचायत समिति और जिला परिषद को वित्तीय रूप से मजबूत बनाकर, उन्हें अपने स्तर पर विकास कार्यों के संचालन में और अधिक स्वायत्तता देगा।

उन्होंने बताया कि मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण भारत के सपनों को साकार करने के लिए ठोस रणनीति पर कार्य कर रही है, और यह निर्णय उसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल है। उन्होंने कहा कि इस स्टाम्प ड्यूटी में से ग्राम पंचायत को 0.5 प्रतिशत, पंचायत समिति को 0.25 प्रतिशत और जिला परिषद को 0.25 प्रतिशत हस्तांनातरित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के तहत पंचायती राज संस्थानों को 572.42 करोड़ रुपये की राशि को हस्तांनातरित किया जाने का प्रस्ताव है। इनमें प्रदेश की 5388 ग्राम पंचायतों को 288.16 करोड़ रुपये, 142 पंचायत समितियों को 144.08 करोड़ रुपये तथा 22 जिला परिषदों को 140.18 करोड़ रुपये की राशि प्रदान की जाएगी।

विकास कार्यों में मिलेगा पंचायतों को और अधिक अधिकार

पंचायत मंत्री ने बताया कि इससे पंचायती राज संस्थाओं को विकास कार्यों की योजना बनाने, उन्हें लागू करने और प्राथमिकता के अनुसार संसाधनों का उपयोग करने में और अधिक स्वायत्तता और गति मिलेगी। उन्होंने यह भी कहा कि इससे पहले भी सरकार ने अंतर जिला परिषदों का गठन कर पंचायतों को फंड ट्रांसफर की सुविधा दी थी, जिससे वे विभिन्न विभागों के कार्यों को स्वतंत्र रूप से संचालित कर सकें। श्री पंवार ने कहा कि यह योजना प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के उस विजन का हिस्सा है, जिसमें गांव की पंचायतों को सरकार का मजबूत स्तंभ बनाने की बात कही गई है। उन्होंने कहा कि हाल ही में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस के अवसर पर प्रदेश की पंचायतों को 368 करोड़ रुपये की विकास परियोजनाओं की सौगात दी गई थी। हमारा लक्ष्य स्पष्ट है—हर पंचायत सशक्त हो, हर गांव विकसित हो और हरियाणा समृद्धि की नई ऊंचाइयों को छुए।

संक्षिप्त-समाचार

जय ज्वाला जी सेवा मंडल द्वारा लगाई गई मीठे पानी की छबील

लाडवा। स्थानीय जय ज्वालाजी सेवा मंडल के महासचिव रोहित सिंगला ने बताया की जय ज्वाला जी सेवा मंडल वर्ष भर में अनेकों सामाजिक व धार्मिक कार्य करती है इसी कड़ी में जय ज्वाला जी सेवा मंडल द्वारा आज मीठे पानी की छबील का आयोजन किया गया। महासचिव रोहित सिंगला ने बताया कि संस्था द्वारा आगामी 2 अगस्त 2025 दिन शनिवार को नई अनाज मंडी लाडवा में भव्य जागरण का भी आयोजन किया जाएगा। इस जागरण में पंजाब म्यूजिकल इंडस्ट्री के सुप्रसिद्ध भजन गायक रोशन प्रिंस जी मां के भजनों का गुणगान करेंगे इस अवसर पर प्रधान अंकित गर्ग महासचिव रोहित सिंगला कोषाध्यक्ष नवीन गर्ग सह कोषाध्यक्ष पारस अरोड़ा सचिव राकेश कश्यप अरुण मित्तल तरसेम नरेश शर्मा वंश नमन पारस विकास प्रिंस मानी गर्वित इत्यादि मौजूद रहे।

हिंदू हाई स्कूल ने प्राथमिक गणित पर सी.बी.पी. प्रशिक्षण किया आयोजित

लाडवा। हिंदू हाई स्कूल लाडवा में 14 व 15 जून दो दिवसीय स्तर के शिक्षकों के लिए गणित पर क्षमता निर्माण कार्यक्रम (सी.बी.पी.) प्रशिक्षण सत्र आयोजित किया। विद्यालय की प्रधानाचार्या श्रीमती योगिता आहलूवालिया जी ने रिसोर्स पर्सन और सभी विद्यालय से आए हुए शिक्षकगणों का स्वागत किया प्रशिक्षण का नेतृत्व सम्मानित संसाधन व्यक्तियों रुबीना नाज मैम और गौरव गर्ग सर ने किया। एक गंभीर क्षण में, स्कूल समुदाय ने 12 जून को दुखद एयर इंडिया विमान दुर्घटना में अपनी जान गंवाने वाले दिवंगत आत्माओं को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की। स्कूल ने एक मिनट का मौन रखा, नुकसान पर विचार किया और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की। सी.बी.पी. प्रशिक्षण और श्रद्धांजलि समारोह ने शैक्षणिक उत्कृष्टता और सामाजिक जिम्मेदारी दोनों के लिए स्कूल की प्रतिबद्धता को प्रदर्शित किया।

दो बच्चों की मां ज्वैलरी लेकर प्रेमी संग फरार

पानीपत। पानीपत के एक गांव से विवाहिता अपने पति और दो बच्चों को छोड़कर घर से फरार हो गई। महिला घर से लाखों रुपये कीमत के आभूषण और नकदी भी ले गई। महिला के पति ने मामले की शिकायत पुलिस को दी है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर केस दर्ज कर लापता महिला की तलाश शुरू कर दी है। समालखा थाना पुलिस को दी शिकायत में एक व्यक्ति ने बताया कि उसकी 24 वर्षीय पत्नी जो 14 जून की रात से लापता है। वह घर से करीब 15 तोला सोना और 20 हजार रुपए कैश भी साथ ले गई है। अलमारी की चाबी उसके पास थी। पति ने उसकी हर जगह पर तलाश की।

सरल पोर्टल बना युवाओं के अधिकारों में बाधा, सरकार तुरंत समाधान करे: कुमारी सैलजा

संवाददाता
चंडीगढ़

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी की महासचिव, पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं सिरसा की सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि प्रदेश की भाजपा सरकार का बहुचर्चित सरल पोर्टल अब युवाओं के लिए सुविधा नहीं, बल्कि संकट का कारण बनता जा रहा है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है।

मीडिया को जारी बयान में सांसद कुमारी सैलजा ने कहा है कि हजारों युवाओं ने ओबीसी, अनुसूचित जाति (एससी) और आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग (ईडब्ल्यूएस) के प्रमाण पत्रों के लिए आवेदन किया है, लेकिन या तो पोर्टल बार-बार क्रैश हो रहा है, ओटीपी नहीं आ रहा या फिर प्रमाण पत्रों में जाति की गलत प्रविष्टि हो रही है। यह केवल तकनीकी त्रुटि नहीं, बल्कि योजनाबद्ध तरीके से सामाजिक न्याय से वंचित करने की साजिश प्रतीत होती है। सरकार द्वारा 31 मार्च 2025 के बाद बने प्रमाण पत्रों को ही वैध मानने की शर्त पहले से बने वैध दस्तावेजों को अस्वीकार करने जैसा अन्याय है। इससे हजारों पात्र युवाओं का भविष्य अधर में लटक गया है। इतना ही नहीं जाति प्रमाण की जगह मृत्यु प्रमाण मांगा जाता है तो कभी कभी डाटा अपलोड ही नहीं होता।

सांसद ने सरकार से मांग की है कि सरल पोर्टल को तुरंत तकनीकी रूप से स्थिर और उपयोगी बनाया जाए, 31 मार्च 2025 के बाद की अनिवार्यता को हटाया जाए और पूर्व में बने वैध प्रमाण पत्रों को मान्यता दी जाए, जो जाति प्रमाण पत्र गलत छप रहे हैं, उन्हें तत्परता से संशोधित कर फिर से जारी किया जाए, अंतिम तिथि को आगे बढ़ाना केवल दिखावा न हो, बल्कि उसके पहले पोर्टल की सभी खामियाँ दूर की जाए, सामाजिक न्याय के साथ कोई समझौता स्वीकार नहीं होगा। सांसद ने चेतावनी देते हुए कहा कि वे युवाओं और अभिभावकों के साथ इस संघर्ष में मजबूती से खड़ी हैं और इस मुद्दे को संसद से लेकर सड़क तक उठाऊँगी।

बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट करने के आरोपी को किया शामिल तफ्तीश

अनिल गोयल
लाडवा

जिला पुलिस ने बिजली का मीटर लगाने आए बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी को शामिल तफ्तीश करके गिरफ्तार किया है। थाना लाडवा पुलिस की टीम ने बिजली विभाग के कर्मचारी के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोपी प्रेम चन्द वासी निवारसी जिला कुरुक्षेत्र को मामले में शामिल तफ्तीश करके गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

जानकारी देते हुए पुलिस प्रवक्ता ने बताया कि 22 अप्रैल 25 को थाना लाडवा मे दी अपनी शिकायत मे अशोक कुमार ने बताया कि वह यूएचबीवीएन सब डिवीजन लाडवा में जेई के पद पर कार्यरत है। दिनांक 11 अप्रैल 25 को उनके कार्यालय में नया कनेक्शन लगवाने के लिए आवेदन प्राप्त हुआ था। आवेदन पर मीटर लगाने हेतू वह अपनी टीम के साथ मीटर लगाने पहुंचे तो प्रेम चंद व अनुराग ने उनको मीटर नही लगाने दिया। इसके बाद दिनांक 22 अप्रैल 25 को वह अपनी टीम व थाना लाडवा पुलिस के साथ मीटर लगाने के लिए गया। मीटर लग जाने के बाद पुलिस टीम वापस आ गई तथा वह केबल लगाने के लिए वह रुक गया। पुलिस टीम के जाने के बाद प्रेम व अनुराग अपने कुछ साथियों के साथ मिलकर उनके साथ गाली गलौज करने लगा। जब उसने उनका विरोध किया तो उन सबने उसके ऊपर हमला कर दिया तथा बिजली का मीटर तोड़ दिया। जिसकी शिकायत पर थाना लाडवा में मामला दर्ज करके जांच की गई।

दिनांक 14 जून 25 को मामले की आगामी जांच करते हुए थाना लाडवा प्रभारी निरीक्षक सुनील वत्स के मार्गनिर्देश में सहायक उप निरीक्षक सुरेन्द्र कुमार की टीम ने बिजली का मीटर लगाने आए कर्मचारी के साथ मारपीट करने व जान से मारने की धमकी देने के आरोप में प्रेम चन्द वासी निवारसी जिला कुरुक्षेत्र को मामले में शामिल तफ्तीश करके गिरफ्तार कर लिया। आरोपी की माननीय उच्च न्यायालय से अग्रिम जमानत मंजूर होने पर रिहा कर दिया।

संकल्प से सिद्धि अभियान ने बदली देश की तस्वीर:अरविंद शर्मा

एजेंसी (हि.स.)
सोनीपत

सहकारिता, कारागार, निर्वाचन, विरासत एवं पर्यटन मंत्री डॉ अरविंद शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संकल्प से सिद्धि अभियान ने देश की तस्वीर बदल दी है।

भाजपा ने पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय और डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी की राष्ट्र एकता की भावना को केंद्र में रखकर जनसेवा की ऐतिहासिक नीतियां लागू कीं। रविवार को गोहाना में भाजपा जिला इकाई द्वारा आयोजित प्रोफेशनल मीट में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के नेतृत्व में बनी तीसरी भाजपा सरकार ने जनता के लिए 217 संकल्प लिए, जिनमें से 28 पूरे हो चुके हैं, और 90 संकल्प इसी वर्ष पूरे होंगे।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने कोरोना काल में गरीब कल्याण अन्न योजना शुरू कर हर पात्र व्यक्ति को प्रति माह 5 किलो अनाज देना सुनिश्चित किया, जो अब 2028 तक बढ़ा दी गई है। हरियाणा में 48 लाख लाभार्थी इससे लाभान्वित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत हर घर स्वच्छ जल पहुंचाने का केंद्र सरकार का लक्ष्य हरियाणा ने 2022 तक पूरा कर लिया। प्रधानमंत्री आवास योजना में 74 हजार मकानों में से 43,925 बन चुके हैं, शेष निमार्णाधीन हैं।

मछली पालन

हरियाणा में मत्स्य पालन को नई उड़ान

हरियाणा में मत्स्य पालन की तरफ तेजी से बढ़ रहा रुझान: श्याम सिंह राणा

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के कृषि एवं किसान कल्याण तथा मत्स्य मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि हरियाणा में लोगों का मत्स्य पालन की तरफ रुझान तेजी से बढ़ता जा रहा है। वर्तमान में खारे पानी वाली राज्य की करीब 5900 एकड़ भूमि को झींगा और मत्स्य पालन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है जबकि वर्ष 2014-15 में मात्र 70 एकड़ में मछली पालन होता था।

राणा मध्यप्रदेश के इंदौर में हुए ₹अंतदेर्शीय मात्स्यिकी और जल कृषि सम्मलेन 2025₹ में सम्बोधित कर रहे थे।

इस सम्मलेन में कमिश्नर श्रीमती अमनीत पी. कुमार, मत्स्य विभाग के निदेशक श्रीपाल राठी, जिला मत्स्य अधिकारी सिरसा श्री जगदीश चन्द्र एवं जिला सिरसा के दो झींगा उत्पादक मत्स्य किसान गुरप्रीत सिंह एवं माया देवी ने भाग लिया। मत्स्य पालन मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने कहा कि हरियाणा कृषि के साथ-साथ मत्स्य पालन के क्षेत्र में भी तेजी से उभरता हुआ राज्य बन गया है। मत्स्य पालन प्रदेश में न केवल रोजगार का साधन बन रहा है, बल्कि किसानों की आमदनी बढ़ाने में भी बड़ी भूमिका निभा रहा है। हरियाणा देश के इनलैंड (भूमि से घिरे) राज्यों में मछली उत्पादन के मामले में प्रति हेक्टेयर दूसरे स्थान पर है।

उन्होंने कहा कि मत्स्य विभाग का मुख्य उद्देश्य प्रदेश के अधिक से अधिक जलक्षेत्रों को मछली पालन के अंतर्गत लाना, प्राकृतिक जल स्त्रोतों में मछलियों का संरक्षण करना, किसानों को उच्च गुणवत्ता का बीज व तकनीकी सहायता देना और मछली विपणन व्यवस्था को मजबूत कर युवाओं को स्वरोजगार से जोड़ना है।

श्री श्याम सिंह राणा ने बताया कि भारत सरकार की प्रधानमंत्री मत्स्य सम्पदा योजना के तहत हरियाणा में अब तक 2719 लाभार्थियों को 203 करोड़ रुपये की वित्तीय सहायता दी जा चुकी है। इस योजना में महिलाओं की भागीदारी विशेष रूप से उल्लेखनीय रही है। सरकार ह्लखपति दीदीह्व योजना के माध्यम से ग्रामीण महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही है।

उन्होंने बताया कि राज्य की करीब 5900 एकड़ खारे पानी वाली भूमि को झींगा और मत्स्य पालन के लिए उपयोग में लाया जा रहा है। वर्ष 2014-15 में 70 एकड़ में शुरू हुए सफेद झींगा पालन को अब 15 जिलों में किसानों द्वारा किया जा रहा है। वर्ष 2024-25 में 5,900 एकड़ में झींगा पालन कर 15,468 टन उत्पादन हुआ। कृषि मंत्री ने बताया कि वर्ष 2024-25 में 52,392 एकड़ भूमि मत्स्य पालन के अंतर्गत लाई गई, जिससे 2.16 लाख मीट्रिक टन मछली उत्पादन हुआ। उन्होंने बताया कि सरकार ने भी मछली पालन के लिए बजट में बढ़ोतरी की है। विभाग का बजट वर्ष 2014-15 में 6.99 करोड़ था, जो अब चालू वर्ष में 214.76 करोड़ रुपये हो गया है।

उन्होंने यह भी बताया कि सिरसा को जल कृषि क्लस्टर घोषित किया गया है, जिसकी परियोजना रिपोर्ट भारत सरकार को भेजी जा रही है। वहीं भिवानी के गांव गरवा में 24.5 एकड़ में एक्वा पार्क बनाया जा रहा है, जिसका शिलान्यास इस वर्ष के अंत तक किया जाएगा। सिरसा में भी उत्कृष्टता केंद्र स्थापित करने की योजना है, इसके लिए जल्द ही भूमि का चयन कर लिया जाएगा।

कृषि एवं किसान कल्याण तथा मत्स्य मंत्री श्री श्याम सिंह राणा ने जानकारी दी कि सरकार ने सौर ऊर्जा सब्सिडी की सीमा 10 किलोवाट से बढ़ाकर 30 किलोवाट कर दी है, जिसमें 9 लाख रुपये तक की सहायता मिलेगी। अमृत सरोवर योजना के तहत 2244 तालाबों में से 444 तालाबों की नीलामी हो चुकी है, जिन्हें मत्स्य पालन के लिए उपयोग में लाया जाएगा। तीन मोबाइल जल परीक्षण वैन किसानों को उनके तालाबों पर जांच सुविधा हेतु दी जाएगी।

उन्होंने बताया कि हरियाणा सरकार ने केंद्र से अनुरोध किया है कि झींगा पालन के लिए सब्सिडी को 14 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर से बढाकर 25 लाख रुपये प्रति हेक्टेयर की जाए और सोलर सिस्टम व तालाब सुधार को भी इस स्कीम में शामिल किया जाए, ताकि किसान लाभान्वित हो सकें और उनकी आय दोगुनी हो।

संपादकीय

चुनावों में पारदर्शिता और निष्पक्षता लाने वाले 3 बड़े सुधार: भारत के लोकतंत्र को मिलेगा नया आधार

यह सच है कि भारत विश्व का सबसे बड़ा लोकतंत्र है, जहाँ 96.88 करोड़ से अधिक मतदाता संविधान के तहत अपने प्रतिनिधियों का चयन करते हैं। लेकिन यह व्यापक चुनावी प्रक्रिया समय के साथ कई चुनौतियों से घिर गई है—जिनमें धनबल, अपराधीकरण, फर्जी मतदान, और असमान प्रचार तंत्र प्रमुख हैं। पारदर्शिता की कमी और संस्थागत खामियों ने चुनावी निष्पक्षता पर गंभीर सवाल खड़े किए हैं। अतः यह आवश्यक हो गया है कि कुछ बुनियादी और व्यापक सुधार किए जाएं, जिससे भारत का लोकतंत्र और अधिक मजबूत, भरोसेमंद और प्रतिनिधित्वपूर्ण बन सके। आइये समझते हैं भारत में चुनाव संचालन की वर्तमान व्यवस्था के बारे में। भारत में चुनावों को नियंत्रित करने वाले मुख्य प्रावधानों शामिल है:-विधान का अनुच्छेद 324-यह भारत के चुनाव आयोग को देश के चुनावों का संचालन, पर्यवेक्षण और नियंत्रण करने का अधिकार देता है। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1950 और 1951-पहला अधिनियम मतदाता सूची और निर्वाचन क्षेत्रों के निर्धारण को निर्देशित करता है, जबकि दूसरा चुनावी प्रक्रिया, उम्मीदवारों की योग्यता और चुनाव विवादों का निर्धारण करता है। मतदाता पंजीकरण नियम, 1960-यह नियम मतदाता सूची की शुद्धता और सुधार की प्रक्रिया तय करता है, जिससे मतदाता डेटा की एकरूपता बनी रहती है।

परिसीमन अधिनियम, 2002- यह कानून जनसंख्या के अनुसार निर्वाचन क्षेत्रों की सीमा तय करता है, जिससे जनसांख्यिकीय प्रतिनिधित्व सुनिश्चित होता है।आदर्श आचार संहिता- यह एक नैतिक संहिता है, जो चुनाव के दौरान राजनीतिक दलों के आचरण को नियंत्रित करती है।

एरोनेट प्रणाली- चुनाव आयोग की यह डिजिटल व्यवस्था पूरे देश की मतदाता सूची को केंद्रीकृत और मानकीकृत करती है।अब बात करते हैं प्रमुख चुनावी समस्यओं की। वी वी पैट सत्यापन की सीमाएं-वर्तमान में केवल पाँच मशीनों का मिलान किया जाता है, जिससे पारदर्शिता पर प्रश्न उठते हैं। मतदाता सूची में विसंगतियाँ-फर्जी नाम और डुप्लिकेट एपिक नंबर के चलते मतदान की शुचिता पर संकट बना रहता है। आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन-स्टार प्रचारकों द्वारा भड़काऊ भाषण और सांप्रदायिक टिप्पणियाँ बार-बार देखी जाती हैं, लेकिन कार्रवाई कम होती है। राजनीतिक दलों का अनियंत्रित खर्च- जहां उम्मीदवारों पर खर्च सीमा तय है, वहीं दलों पर कोई प्रभावी सीमा नहीं है। 2024 चुनाव में ही रु 1.35 लाख करोड़ से अधिक खर्च हुआ। राजनीति का अपराधीकरण-2024 में 46% सांसदों पर आपराधिक मामले दर्ज थे। इससे लोकतांत्रिक वैधता कमजोर होती है। डिजिटल दुष्प्रचार और डीपफेक- सोशल मीडिया पर फर्जी खबरों और डीपफेक वीडियो से मतदाताओं को गुमराह किया जाता है। एकाधिक सीटों से चुनाव लड़ना- इससे उपचुनावों की आवश्यकता उत्पन्न होती है और सार्वजनिक संसाधनों की बबार्दी होती है। राजनीतिक दलों में आंतरिक लोकतंत्र की कमी-पार्टियों में पारदर्शी चुनाव और नेतृत्व की समय-सीमा नहीं होती, जिससे जवाबदेही प्रभावित होती है। तीन प्रमुख सुधार जो लोकतंत्र को दे सकते हैं नया आधार:वी वी पैट सत्यापन की वैज्ञानिक प्रणाली- वी वी पैट मिलान को क्षेत्रीय और नमूना-आधारित बनाना आवश्यक है। यदि किसी क्षेत्र में ईवीएम और वी वी पैट में अंतर पाया जाए, तो वहां की सभी मशीनों की मैन्युअल गिनती अनिवार्य होनी चाहिए। इससे मतदाता विश्वास बढ़ेगा और तकनीकी भरोसे को बल मिलेगा। राजनीतिक दलों के चुनावी खर्च पर नियंत्रण- उम्मीदवारों की तरह राजनीतिक दलों के लिए भी खर्च की अधिकतम सीमा तय होनी चाहिए। इसके साथ ही आर टी आई के तहत दलों को लाने से उनके वित्तीय लेन-देन में पारदर्शिता बढ़ेगी। साथ ही 'एक राष्ट्र, एक चुनाव' जैसी अवधारणाओं को लागू करने से बार-बार के चुनावों की लागत को भी कम किया जा सकता है। अपराधीकरण पर कड़ी कार्रवाई- सुप्रीम कोर्ट द्वारा अनिवार्य प्रकटीकरण के अलावा, उम्मीदवारों पर मुकदमे लंबित होने की स्थिति में तेजी से निर्णय के लिये फास्ट ट्रैक कोर्ट बनाए जाने चाहिए। जिन पर गंभीर आरोप तय हो जाएं, उन्हें चुनाव लड़ने से रोकने के लिये कड़े प्रावधान लागू करने होंगे।

अन्य जरूरी सुधार:- टोटलाइजर मशीनों का प्रयोग: जिससे मतदाता की गोपनीयता बनी रहे और मतदान केंद्र-वार धमकियों को रोका जा सके। **एपिक नंबर को आधार से जोड़ना:** जिससे डुप्लिकेट प्रविष्टियाँ हटाई जा सकें, लेकिन डेटा सुरक्षा के मजबूत उपायों के साथ। **स्टार प्रचारक का दर्जा रद्द करना:** आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन पर बार-बार माफी देने के बजाय कड़े कदम जरूरी हैं। **उम्मीदवारों के लिए निर्वाचन क्षेत्र बदलने पर प्रतिबंध:** सीट बदलने की सीमा तय करने से क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व मजबूत होगा। **आर टी आई और आयकर अधिनियम के तहत राजनीतिक दल:** जिससे जनता को जानकारी मिले कि पैसा कहां से आया और कैसे खर्च हुआ। **स्वीप कार्यक्रम का विस्तार:** जिसमें नैतिक मतदान, फर्जी समाचार और डिजिटल साक्षरता को शामिल किया जाए। **राजनीतिक अभियानों का राज्य वित्तपोषण:** जिससे पैसे की ताकत का प्रभाव घटे और समान अवसर बढ़ें। अंत में कह सकते हैं कि भारत का लोकतंत्र तभी सशक्त और विश्वसनीय बनेगा जब चुनावी प्रणाली में पारदर्शिता, जवाबदेही और निष्पक्षता का पूरी तरह पालन हो। मतदाता को उसके वोट की ताकत का भरोसा हो, यही किसी लोकतंत्र की असली परीक्षा होती है। इसके लिये केवल चुनाव आयोग नहीं, बल्कि न्यायपालिका, राजनीतिक दल, मीडिया और नागरिक समाज—सभी को मिलकर प्रणालीगत खामियों को दूर करने में अपना सक्रिय योगदान देना होगा। तीन सुधार—वी वी पैट सत्यापन की पारदर्शिता, दलों के खर्च पर नियंत्रण, और अपराधीकरण पर कड़ा रुख—अगर ईमानदारी से लागू किए जाएं, तो भारत न केवल सबसे बड़ा बल्कि सबसे विश्वसनीय लोकतंत्र बन सकता है।

आज का राशिफल

मेष: आज व्यवसायिक निर्णयों में सावधानी बरतनी होगी, किसी निवेश में जल्दबाजी न करें। अनुभवी लोगों से मार्गदर्शन मिल सकता है जो आपकी स्थिति सुधार सकता है। पारिवारिक वातावरण को शांत बनाए रखने का प्रयास करें क्योंकि तनाव की आशंका है।

वृषभ: कार्यक्षेत्र में तकनीकी दिक्कतों के चलते रुकावटें आ सकती हैं। साझेदारी में काम कर रहे जातकों को लाभ के बंटवारे को लेकर चिंता सताएगी। निर्णय लेने में दूसरों की राय से बचें, इससे उलझन बढ़ सकती है। जीवनसाथी के साथ समय बिताने की इच्छा प्रबल रहेगी, लेकिन पिता के साथ वैचारिक मतभेद भी हो सकते हैं।

मिथुन: आज किसी भी लोहे के उपकरण का प्रयोग सावधानी से करें। जीवनसाथी के साथ किसी बात को लेकर तीखी बहस संभव है। कार्यक्षेत्र में मेहनत अधिक करनी पड़ सकती है, परन्तु इसका सकारात्मक प्रभाव दीर्घकालिक होगा। किसी भी समस्या पर जल्दबाजी में प्रतिक्रिया न दें, संयम से निर्णय लें।

कर्क: आज आपको कार्यक्षेत्र में प्रतिष्ठा और सम्मान मिलेगा। व्यापार विस्तार की योजना बनाएंगे, जो भविष्य के लिए लाभदायक सिद्ध हो सकती है। निजी जीवन में दिखावा करने से बचें, पारिवारिक सदस्य आपकी बातों से आहत हो सकते हैं। समझदार लोगों से सलाह लेना बेहतर रहेगा।

सिंह: दिन कुछ उदासीन रह सकता है। हालांकि सरकारी कार्यों में अटके काम पूरे हो सकते हैं। मित्रों और रिश्तेदारों से सामान्य बातचीत बनी रहेगी। ध्यान रहे कि आपकी बातों का गलत अर्थ न निकले, क्योंकि बिना सोचे समझे बोले गए शब्द नुकसान पहुंचा सकते हैं।

कन्या: दिन पहले की अपेक्षा थोड़ा बेहतर रहेगा, लेकिन व्यवसाय में इच्छित परिणाम नहीं मिल पाएंगे। कार्य को टालने की आदत से बुजुर्ग नाराज हो सकते हैं। पैरों में दर्द या सूजन की समस्या हो सकती है। आप कुछ नया सीखने के लिए प्रेरित हो सकते हैं, जो आगे चलकर लाभ देगा।

तुला: काम में मन न लगने के कारण प्रोडक्टिविटी प्रभावित होगी। घर की जिम्मेदारियों से भी आप थोड़ा कटे-कटे रह सकते हैं। व्यवसाय में महत्वपूर्ण डील अचानक रद्द हो सकती है। सलाह देने से बचें, क्योंकि लोग आपकी बातों को गलत तरीके से ले सकते हैं। माता के स्वास्थ्य को लेकर चिंता बनी रहेगी।

वृश्चिक: सामाजिक गतिविधियों में आपकी भागीदारी बढ़ेगी और लोग आपसे जुड़ना चाहेंगे। कार्यक्षेत्र में आपकी स्थिति मजबूत होगी। जीवनशैली को बेहतर बनाने के लिए खर्च अधिक हो सकता है। आय के नए स्रोत तलाशने की कोशिश करें। जीवनसाथी से खुलकर बात करें, शाम को मन थोड़ा अस्थिर रह सकता है।

धनु: आज आप मानसिक रूप से थोड़े असमंजस में रह सकते हैं। पहले कही गई बातों को लेकर आलोचना झेलनी पड़ सकती है। निजी संबंधों में थोड़ी कड़वाहट महसूस हो सकती है। दूसरों के प्रति सम्मान बनाए रखें, यही आपका सबसे बड़ा हथियार साबित होगा।

मकर: सरकारी नौकरी कर रहे लोगों को पदोन्नति मिल सकती है। घरेलू विवाद सुलझने के संकेत हैं। व्यवसाय में शानदार सफलता मिल सकती है, विशेषकर निर्यात से जुड़े कार्यों में। प्रेम संबंधों में मिठास बढ़ेगी और दाम्पत्य जीवन में सुकून मिलेगा।

कुंभ: आज आप भावनात्मक रूप से थोड़े अस्थिर हो सकते हैं। पुरानी यादें आपको व्याकुल कर सकती हैं। खानपान पर ध्यान दें और मौसम परिवर्तन के चलते स्वास्थ्य का विशेष ख्याल रखें। खासकर सिरदर्द या आंखों में जलन हो तो लापरवाही न बरतें। घरेलू खर्चों को लेकर परिवार में चर्चा संभव है।

मीन: कार्यक्षेत्र में दबाव कम होगा, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। आपकी रचनात्मकता और प्रतिभा सबको चौंका सकती है। विदेश से शुभ समाचार मिलने की संभावना है। स्वास्थ्य अच्छा रहेगा और प्रेम संबंधों में नई शुरूआत हो सकती है। नवविवाहित दंपति रोमांचक यात्रा की योजना बना सकते हैं।

खेत-किसान: गैरसरकारी संगठनों को भी निभानी होगी बड़ी भूमिका

केन्द्र सरकार द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान के माध्यम से जिस तरह से देश के कोने-कोने में किसानों तक पहुंचने का प्रयास किया गया है और जिस तरह से खेती और उससे जुड़ी किसानों से संबंधित जानकारी को साझा किया गया है यह इस मायने में महत्वपूर्ण हो जाता है कि अन्नदाता की खुशहाली में ही देश की खुशहाली संभव है। सरकार के साथ ही खेती किसानी क्षेत्र में जुड़े गैरसरकारी संगठन भी आगे आते हैं तो अन्नदाता की खुशहाली की और अधिक तेजी से राह प्रशस्त होगी। हालांकि मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठन नवाचारी किसानों के नवाचारों को पहचान दिलाने और किसानों के हित में लगातार प्रयासरत है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि चुनावों के समय सभी राजनीतिक दलों के केन्द्र में किसान ही रहता है और किसानों के लिए लोकलुभावन वादों की बरसात कर दी जाती है पर कभी इस बात को गंभीरता से नहीं समझा गया कि किसान का भला कर्ज माफी से नहीं हो सकता। किसान का भला चंद मिनी किट वितरण से नहीं हो सकता। दरअसल, अन्नदाता और खेती किसानी का भला किसान के खेत को ही प्रयोगशाला बनाने से संभव होगा तो किसानों को उनकी मेहनत का पूरा पैसा दिलाने से संभव होगा। कैसी विडम्बना है कि छोटी से छोटी वस्तु का उत्पादन कर्ता अपनी वस्तु को बेचने का दाम खुद तय करता है वहीं दूसरी और अन्नदाता जो अपने खून पसीने से सबका पेट ही नहीं भरता बल्कि इससे भी अधिक यह कि देश की अर्थ व्यवस्था को गति देने का प्रमुख कारक भी है।

इस सबके बावजूद किसान को अपनी उपज औने-औने भावों में बेचने को मजबूर होना पड़ता है। उसकी मेहनत का फल बिचौलियों को चला जाता है। टमाटर इसका सबसे बड़ा उदाहरण माना जा सकता है जो कभी अन्नदाता को रुलाता है तो कभी आमजन को पर कभी भी किसी मण्डी के आढ़तिये को रुलाते नहीं देखा होगा। यहां तक देखने को मिलता है कि अन्नदाता को लागत तो दूर मण्डी में ले जाने तक के खर्च की राषि भी नहीं मिल पाती है। टमाटर तो एक उदाहरण मात्र है।

इसमें कोई दो राय नहीं कि पिछले 11 साल में किसानों के हित में बड़े और लाभकारी निर्णय किये गये हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि या फसल बीमा जैसी योजनाएं और फसल की बुवाई से पहले ही न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा निश्चित रुप से सराहनीय पहल है। हालिया 15 दिन का विकसित कृषि संकल्प अभियान को भी निश्चित रुप से सराहनीय पहल माना जा सकता है। इस सबके बीच सवाल यह भी उठता है कि देश में बहुत से प्रगतिशील और अपने बल बूते पर खेती के क्षेत्र में नवाचारों को

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा (हि.स.)

फलीभूत कर रहे हैं उनको प्रोत्साहित करने के प्रयास भी होने चाहिए। हालांकि कृषि पत्रकार और मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार के माध्यम से लगातार ऐसे कर्मयोगी किसानों को आगे लाने, प्रोत्साहित करने और उनके प्रयोग को अन्य किसानों के सामने के समग्र प्रयास डॉ. महेन्द्र मधुप जैसे कर्मयोगी द्वारा लगातार किये जा रहे हैं। डॉ. मधुप 2017 से इस मॉडल को किसान वैज्ञानिकों की जीवनशैली में उतारकर, देश-विदेश में उनकी पहचान को विस्तारित करने में जुटे हैं, इसे सकारात्मक पहल माना जा सकता है। देश का मीडिया भी इसे लेकर गंभीर है और यही कारण है कि प्रमुख मीडिया ग्रुप किसानों से संबंधित जानकारियों का समावेश करते हुए नियतकालीन परिषिष्ठ प्रकाशित कर रहे हैं। डॉ. मधुप जैसे ही खेती किसानी के क्षेत्र में कार्य कर रहे गैर सरकारी को भी आगे आना चाहिए और जो तथाकथित किसान हितैषी बने हुए हैं उन्हें भी ऐसे कर्मयोगी किसानों के नवाचारों को प्रमुखता देनी चाहिए।

कोरोना काल का उदाहरण हमारे सामने हैं। जब समूचे विश्व में सब कुछ बंद हो गया तो सबसे बड़ा सहारा कृषि क्षेत्र ही बनकर आया। किसानों की मेहनत से भरे अन्न धन इस संकट के समय में बड़ा सहारा बने। सरकारें अपने नागरिकों को आसानी से खाद्य सामग्री उपलब्ध करा सकी। आज भी देश दुनिया में खाद्य संकट से जूझने में अन्नदाता की मेहनत ही काम आ रही है। कर्जमाफी की यहां इसलिए चर्चा करना जरुरी हो जाता है कि कर्जमाफी की राशि जितनी राशि के कृषि इनपुट यानी कि खाद-बीज कीटनाशक किसानों को उपलब्ध करा दी जाए तो इस राशि का वास्तव में खेती किसानी क्षेत्र में उत्पादकता के रुप में उपयोग हो सकेगा। कर्ज माफी को इस तरह से समझना होगा कि किसान भी यह समझने लगा है कि चुनाव आने पर कर्ज तो माफ होना ही है ऐसे में कर्ज चुकाना ही क्यों। दूसरा यह कि सरकार की कर्ज माफी का बोझ तो उठाना ही पड़ता है पर फिर भी वह ना तो किसानों को ही संतुष्ट कर पाती है और ना ही यह राशि किसानों के काम आ पाती है। ऐसे में सरकार को ब्याज अनुदान या इस तरह के अनुदान पर होने वाले व्यय को किसानों को इनुपट के रुप में उपलब्ध कराने पर गंभीरता से विचार करना चाहिए। इससे एक तो इनपुट खेती में ही काम आयेगा और इनपुट की गुणवत्ता पर ध्यान दिया गया तो खेती किसानी में उत्पादकता बढ़ेगी और इसका लाभ देश को ही प्राप्त होगा। देश में अन्नधन के भण्डार भरेंगे। आयात पर निर्भरता कम होगी और निर्यात को बढ़ावा मिलेगा।

सरकार के 15 दिवसीय संवाद को अच्छी पहल माना जा सकता है और इस तरह के अभियान खरीफ और रबी दोनों ही फसलों की बुवाई से पहले चलाया जाएं तो निश्चित रुप से देश को लाभ होगा। इसके साथ ही इस तरह के अभियान के दौरान खेती क्षेत्र की अनुदान राशि के एक बड़े हिस्से को इनपुट वितरण के रुप में उपयोग होगा तो यह किसानों के लिए वास्तविक लाभकारी होगा। कृषि क्षेत्र से जुड़े मिशन फार्मर साइंटिस्ट परिवार जैसे संगठनों को भी इससे जोड़ा जाना चाहिए। इसके साथ ही क्षेत्र के नवाचारी किसानों को प्रोत्साहित, सम्मानित और उनके अनुभवों को साझा करने के समन्वित प्रयास किये जाने चाहिए। यहां तक कि कृषक भ्रमण कार्यक्रमों में स्थानीय नवाचारी किसानों के खेत को बतौर प्रयोगशाला भ्रमण कराया जाना चाहिए ताकि एक दूसरे के अनुभवों को साझा करने के साथ ही नवाचारी किसानों को भी प्रोत्साहन मिल सकेगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

साहित्य ज्ञानमार्गी दुख की औषधि

दुनिया को सुखी बनाने के काम में अनेक महानुभाव सक्रिय रहे हैं और आज भी हैं। वे आदर के पात्र होते हैं। हम उनकी चर्चा करते हैं। उनकी यश और कीर्ति यत्र सर्वत्र फैलती है। कुछ महानायक जैसे होते हैं और कुछ महापुरुष जैसे। ऐसे व्यक्तित्व बहुत सरल नहीं होते। हम उन्हें आसानी से नहीं समझ सकते। हमारे पास उन्हें समझने और जानने के लिए लेख और भाषण की सामग्री ही होती है।

हृदयनारायण दीक्षित (हि.स.)

खलील जिब्रान लेबनानी विद्रोही नेता थे। उन्होंने विशेष शैली में 12 पुस्तकें लिखीं। 'दि प्रॉफेट' नाम की उनकी किताब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय हुई थी। शेक्सपियर का लेखन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय है। उनके लेखन का द्वंद्व तत्व विचारणीय है। महात्मा गांधी का व्यक्तित्व समझने की दृष्टि से बहुत जटिल है। वे राजनीति में सक्रिय रहते हैं, कोई पद नहीं लेते। लेकिन कांग्रेस के संगठनात्मक चुनाव में भी सक्रिय भूमिका का निर्वाहन करते हैं। अपने आदर्शों के लिए सत्याग्रह करते हैं। गांधी को आसानी से नहीं समझा जा सकता। गांधी का लिखा और बोला साहित्य हमें उनके निकट ले जाता है।

डॉ. बी० आर० आम्बेडकर का लिखा बोला साहित्य पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है। हम उनके साहित्य को पढ़कर, उनके व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ जान जाते हैं। गांधी जी 'हरिजन' और 'यंग इण्डिया' में नियमित लिखते थे। डा. आम्बेडकर का अपना अखबार 'मूकनायक' था। वे उसमें लिखते थे। लोडिया 'मैनकाइंड' में लिखते थे। उनकी लिखी 'भारत माता', 'धरती माता', 'इकोनॉमिक्स बियोंड मार्क्स' और 'इतिहास चक्र' जैसी पुस्तकें उनके व्यक्तित्व की खबर देती हैं। दीनदयाल उपाध्याय 'ऑर्गनाइजर' में पॉलिटिकल डायरी लिखते थे।

असली बात है अभिव्यक्ति का स्रोत। ब्रह्माण्ड सतत विस्तारवान है। वह स्वयं को भिन्न भिन्न रूपों में प्रकट करता रहता है। प्रकृति की परिवर्तनशीलता ब्रह्म अभिव्यक्ति का परिणाम है। ज्ञान की विशेष अवस्था में ज्ञाता और ज्ञान एक हो जाते हैं। प्रकृति अनेक लेखकों की प्रेरणा का स्रोत है। किसी को नदियां पर्वत आनंदित प्रेरित करते हैं, तो किसी किसी को सूर्य चन्द्र आदि प्रकाशमान दिव्यता प्रभावित करती है। सूर्य के प्रभाव में वनस्पतियां प्रकाश संश्लेषण करती हैं। चन्द्रमा विराट ब्रह्माण्ड का 'मन' है।

लेखन प्रायः स्वअंतस की उथल पुथल का परिणाम होता है। शंकराचार्य ऐसे ही अंतरराष्ट्रीय ख्याति के महान दार्शनिक थे। उनके व्यक्तित्व की थाह पाना बहुत कठिन है। उन्होंने भारत की सांस्कृतिक एकता के लिए काम किया। विश्व चिंतन दर्शन में अनूठा हस्तक्षेप किया। सारी दुनिया में भारतीय धर्म दर्शन की पताका फहराई। वे लगातार चलते रहे। बोलते रहे और लगातार लिखते भी रहे। उनका लेखन प्रवचन आश्चर्यचकित करता है। मोटे तौर पर शंकराचार्य के लगभग 200 ग्रंथ बताए जाते हैं। विद्वानों का मत है कि परवर्ती शंकराचार्यों ने भी अनेक महत्वपूर्ण ग्रंथ लिखे, लेकिन आदि शंकराचार्य के लेखन की अपनी तर्कपूर्ण शैली थी। उनकी लेखनी में चमत्कार था।

डॉक्टर जयराम मिश्र ने 'आदि शंकराचार्य जीवन और दर्शन' (पृष्ठ 216) में लिखा है, 'आदि शंकराचार्य द्वारा लिखित ग्रंथों को हम चार भागों में बांट सकते हैं। पहला भाष्य ग्रंथ, दूसरा स्तोत्र ग्रंथ, तीसरा प्रकरण ग्रंथ और चैथा तंत्र ग्रंथ।' आचार्य के लिखे भाष्य ग्रंथों की दो श्रेणियां हैं। पहली प्रस्थानत्रयी का भाष्य और दूसरे अन्य ग्रंथों के भाष्य। प्रस्थानत्रयी में प्रस्थान का अर्थ मार्ग में गति है और त्रयी का अर्थ है तीन। प्रस्थान के तीन मार्ग बताए गए हैं। पहला ब्रह्मसूत्र, दूसरा स्मृति अर्थात भगवद्गीता, तीसरा उपनिषद। यही तीन मार्ग हैं। जयराम मिश्र ने बताया है कि, 'शंकराचार्य ने प्रस्थानत्रयी के तीनों मार्गों पर टीकाएं लिखी हैं।' प्रस्थानत्रयी में ब्रह्मसूत्र भी आता है। शंकराचार्य के ब्रह्मसूत्र पर लिखे भाष्य को विद्वानों द्वारा सराहा गया है। आचार्य ने ब्रह्मसूत्र जैसी संक्षिप्त और जटिल रचना को बड़े सरल और तरल शैली में समझाया है। भाषा में प्रसाद है।

वाचस्पति मिश्र प्रतिष्ठित विद्वान ने शंकर के भाष्य की सराहना की है। इसी तरह श्रीमद्भगवद्गीता के भाष्य में आचार्य शंकर ने गीता की निवृत्तिमूलक और ज्ञानपरक व्याख्या की है। उन्होंने इस भाष्य में यह सिद्ध करने की चेष्टा की है कि ब्रह्मज्ञान की प्राप्ति केवल 'तत्वज्ञान' से ही होती है, ज्ञान और कर्म के समुच्चय से नहीं। गीता पर अनेक भाष्य हैं, लेकिन इस भाष्य में उन्होंने कर्म के सिद्धान्तों का खण्डन किया है।

साहित्य समाज का दर्पण होता है। लेखक की शब्द देह होता है। समाज की महत्वाकांक्षा और स्वप्न साहित्य में ही प्रकट होते हैं। विश्व की सभी संस्कृतियों के इतिहास में लेखन और विचार अभिव्यक्ति का सम्मान रहा है। छापे खाने और लिपि के अविष्कार के बाद विश्व साहित्य के इतिहास में क्रांतिकारी परिवर्तन आए हैं। भारतीय संस्कृति अति प्राचीन है इसलिए साहित्य भी अतिप्राचीन है। यहाँ विपुल साहित्य का सृजन हुआ है। केवल ऋग्वेद में ही साढ़े दस हजार मंत्र हैं। महाभारत के कई संस्करण हैं। इसमें 90 हजार श्लोक बताए जाते हैं। वाल्मीकि की लिखी रामायण में लगभग 25 हजार श्लोक हैं। फिर ब्राह्मण आरण्यक भी वृहदाकार है। यहाँ बृहदारण्यक उपनिषद भी है। ऐसा समृद्ध साहित्य दुनिया की किसी भी संस्कृति में नहीं है।

जीवन जगत रहस्यपूर्ण है। विराट अस्तित्व का बोध जटिल है। अनेक प्रश्न और जिज्ञासाएं हैं। भारतीय चिंतन में प्रायः सभी प्रश्नों पर विचार हुआ है। प्रश्न बेचैनी बढ़ती रहती है, तो हम उत्तर पाने के लिए सक्रिय हो जाते हैं। मैं जिज्ञासु हूँ। अच्छी बात है, लेकिन क्यों हूँ जिज्ञासु? यह प्रश्न स्वयं के विवेचन या आत्मचिंतन से ही जुड़ा है। जान पड़ता है कि जिज्ञासा और प्रश्नाकुलता लेकर ही हम जन्मे हैं। महापुरुषों के लेखन में अनेक जिज्ञासाओं के समाधान हैं। सतत अध्ययन का विकल्प नहीं है। अमेरिकी भाषा विज्ञानी नोम चोम्सकी अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा वाले विद्वान ने अनेक ग्रंथ लिखे हैं। इनमें अमेरिकी समाज के मूल्यों में गिरावट का वर्णन है। पुस्तकों से चोम्सकी की मानसिक बौद्धिक उथल पुथल का सहज अनुमान संभव है।

कुछ आधारभूत प्रश्न हैं। सबके चित्त में उगते हैं। जैसे विराट अस्तित्व किसकी रचना है? क्या स्वयंभू है? सदा से है? क्या इसका कोई सर्जक है? ऋग्वेद के एक ऋषि की जिज्ञासा है कि हम ऐसे किस देव की उपासना करें-कस्मे देवाय हविषा विधेम? ईश्वर इसी जिज्ञासा का विषय है। भौतिकवादी मित्र कहेंगे कि यह प्रत्यक्ष जगत से परे मेटाफिजिकल अधिभौतिक चर्चा है।

आइए भौतिकवादी प्रश्नावली पर विचार करते हैं। ऋग्वेद में सूर्य से प्रश्न है कि आप बिना किसी आधार के कैसे लटके हैं? महाभारत में युधिष्ठिर से प्रश्न है कि जीवन मार्ग क्या है? कः पंथा? उत्तर कुछ बड़ा है, 'वेद वचन ढेर सारे। तर्क से बात नहीं बनती। ऋषि अनेक हैं। धर्म तत्व गूढ़ है। इसलिए महापुरुषों का मार्ग ही श्रेयस्कर है-महाजनो येन गता स पंथः।' शंकराचार्य ने सीधे प्रश्न का सीधा उत्तर दिया, 'ब्रह्म सत्य है। ज्ञान ही एकमेव मार्ग है।' उन्होंने अपनी वैचारिक स्थापना के लिए तमाम पुस्तकें लिखी थीं। साहित्य ज्ञान मार्ग के दुख से छुटकारे का रसायन है।'

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

चीन की नीतियों से तिब्बती संस्कृति संकट में

ओम प्रकाश सिंह (हि.स.)

चीन की कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीसी) की तिब्बत में लागू की जा रही सांस्कृतिक और राजनीतिक नीतियों को लेकर एक नई अमेरिकी रिपोर्ट में गंभीर चिंता जताई गई है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि राष्ट्रपति शी जिनपिंग के शासनकाल में तिब्बती बच्चों को जबरन चीन की संस्कृति और भाषा में ढालने की कोशिश हो रही है, जिससे उनकी पारंपरिक पहचान और धार्मिक स्वतंत्रता को गहरा आघात पहुंच रहा है।

रिपोर्ट के मुताबिक चीन सरकार ने तिब्बती बच्चों को कम उम्र में ही उनके परिवारों और समुदायों से अलग करके आवासीय बोर्डिंग स्कूलों में भेजना शुरू कर दिया है, जहां उन्हें सिर्फ मंदारिन भाषा सिखाई जा रही है और तिब्बती भाषा, संस्कृति और बौद्ध परंपराओं से दूर रखा जा रहा है। लगभग दस लाख तिब्बती बच्चे अब इन सरकारी स्कूलों में पढ़ रहे हैं, जहां उनका संपर्क पारंपरिक तिब्बती शिक्षा और धार्मिक वातावरण से कट जाता है। रिपोर्ट कहती है कि यह सिर्फ भाषा की शिक्षा नहीं है, बल्कि यह तिब्बती पहचान को मिटाने की एक संगठित कोशिश है।

रिपोर्ट के अनुसार, धार्मिक मामलों पर निगरानी रखने वाले अधिकारियों द्वारा बौद्ध भिक्षुओं और ननों पर कड़ा नियंत्रण रखा जा रहा है। उन्हें सरकार की अनुमति के बिना धार्मिक शिक्षा देने की मनाही है। यहां तक कि बच्चों को मठों में प्रवेश करने या धार्मिक गतिविधियों में भाग लेने से भी रोका जा रहा है। कई मठों पर निगरानी कैमरे लगाए गए हैं, और भिक्षुओं को अपनी धार्मिक निष्ठा के बजाय चीन के प्रति 'देशभक्ति' दिखाने के लिए मजबूर किया जाता है।

शी जिनपिंग द्वारा बार-बार 'राष्ट्रीय एकता' और 'चीनी राष्ट्र की एकता' की बात की जाती है, लेकिन आलोचकों का कहना है कि इसके नाम पर सांस्कृतिक विविधता को खत्म किया जा रहा है। तिब्बत, शिनजियांग और इनर मंगोलिया जैसे क्षेत्रों में स्थानीय भाषाओं और परंपराओं को दबाकर चीनी पहचान को थोपने का प्रयास किया जा रहा है। तिब्बती के साथ-साथ उइगर मुसलमानों और मंगोलियन सभ्यता और संस्कृति के लोगों को भी इसी तरह से थोपी गई नीतियों से दबाया जा रहा है। रिपोर्ट में यह भी उल्लेख किया गया है कि 2014 से अब तक शी जिनपिंग ने बार-बार यह दोहराया है कि सभी जातीय समूहों को एक साझा राष्ट्रीय पहचान के तहत आना चाहिए। इस विचारधारा के तहत स्थानीय पहचान और विविधता को कम किया जा रहा है।

भारत में मौजूद निर्वासित तिब्बती सरकार (सेंट्रल तिब्बती एडमिनिस्ट्रेशन) ने इस अमेरिकी रिपोर्ट का समर्थन करते हुए कहा है कि तिब्बती बच्चों को जबरन मंदारिन सिखाकर और उनकी मातृभाषा को हटाकर चीन उनकी सांस्कृतिक जड़ों को नष्ट करना चाहता है। भारत के धर्मशाला स्थित प्रशासन ने यह भी कहा कि तिब्बती बच्चों को जो शिक्षा दी जा रही है, वह न केवल उनकी भाषाई पहचान मिटा रही है, बल्कि उनके धार्मिक और नैतिक मूल्यों को भी तोड़ रही है।

यूएन ह्यूमन राइट्स कमीशन और एमनेस्टी इंटरनेशनल जैसे संगठनों ने चीन के इस रवैये की पहले भी आलोचना की है। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार, तिब्बत में धार्मिक स्वतंत्रता पर गंभीर प्रतिबंध लगाए जा रहे हैं और सरकार द्वारा नियंत्रित शिक्षा प्रणाली में बच्चों को 'देशभक्त नागरिक' के रूप में ढाला जा रहा है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, तिब्बत स्वायत्त क्षेत्र और उसके बाहर रहने वाले तिब्बती बच्चों के लिए हजारों आवासीय स्कूल संचालित किए जा रहे हैं। इन स्कूलों का मकसद बताया जाता है कि यह आधुनिक शिक्षा और जीवन कौशल प्रदान करते हैं, लेकिन आलोचक कहते हैं कि ये स्कूल एक तरह से 'री-एजुकेशन कैंप' हैं, जहां बच्चों को चीनी संस्कृति में ढालने का प्रयास होता है। रिपोर्ट में कहा गया है कि स्कूलों में न केवल मंदारिन को मुख्य भाषा बनाया गया है, बल्कि पाठ्यक्रम भी इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि उसमें तिब्बती इतिहास, धर्म या संस्कृति के लिए कोई स्थान नहीं है।

तिब्बत में धार्मिक गतिविधियों, साहित्य, सोशल मीडिया और यहां तक कि पारिवारिक समारोहों तक पर सरकार की सख्त निगरानी है। किसी भी असहमति को 'अलगाववाद' या 'राष्ट्रविरोधी गतिविधि' मानकर दंडित किया जा सकता है। कई मामलों में भिक्षुओं और धार्मिक नेताओं को हिरासत में लिया गया है या उन्हें जबरन 'देशभक्त प्रशिक्षण कार्यक्रमों' में भाग लेने के लिए मजबूर किया गया है। यह प्रशिक्षण उन्हें उनकी संस्कृति से काटने का एक जरिया है।

अमेरिकी रिपोर्ट में बताया गया है कि तिब्बत में शिक्षकों को विशेष रूप से प्रशिक्षण दिया जा रहा है कि वे बच्चों को 'राष्ट्रीय एकता' और 'देशभक्ति' का पाठ पढ़ाएं। शिक्षकों पर दबाव डाला जाता है कि वे बच्चों की वैचारिक सोच को चीन के अनुसार ढालें। इस प्रक्रिया में बच्चों को न केवल उनके धार्मिक विश्वासों से अलग किया जाता है, बल्कि पारिवारिक और सांस्कृतिक मूल्यों से भी दूर किया जा रहा है।

विशेषज्ञों का मानना है कि अगर यह प्रक्रिया जारी रही तो अगली पीढ़ी के तिब्बती युवा अपनी भाषा, धर्म और संस्कृति से पूरी तरह कट जाएंगे। इससे न केवल उनकी पहचान पर संकट मंडराएगा, बल्कि तिब्बती समुदाय की सामाजिक संरचना और आत्मसम्मान पर भी गंभीर प्रभाव पड़ेगा। एक तिब्बती मानवाधिकार कार्यकर्ता के शब्दों में, हमारी संस्कृति को मिटाने की यह प्रक्रिया गुप्त नहीं, बल्कि खुलेआम हो रही है-स्कूलों, मठों, और हर सार्वजनिक स्थान पर।

हालांकि अमेरिका और कुछ यूरोपीय देश तिब्बती मुद्दों पर चीन से सवाल करते रहे हैं, लेकिन चीन की आर्थिक और राजनीतिक ताकत के कारण कोई भी देश निर्णायक हस्तक्षेप नहीं कर पा रहा है। तिब्बती नेताओं और मानवाधिकार कार्यकताओं ने अंतरराष्ट्रीय समुदाय से अपील की है कि वे केवल बयानबाजी न करें, बल्कि चीन पर दबाव बनाने के लिए ठोस कदम उठाएं।

दरअसल राष्ट्रपति शी जिनपिंग की 'राष्ट्रीय एकता' की नीति ने तिब्बत की सांस्कृतिक स्वतंत्रता पर गहरा असर डाला है। बच्चों को जबरन मंदारिन सिखाने से लेकर धार्मिक स्थलों पर निगरानी तक, हर कदम तिब्बती पहचान को कमजोर करने की दिशा में उठाया जा रहा है। यदि यह स्थिति यूं ही बनी रही, तो आने वाले वर्षों में तिब्बती भाषा, धर्म और संस्कृति को संरक्षित रखना बेहद कठिन हो जाएगा। वहां रहने वाले उइगर मुसलमानों, मंगोलियन और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की सभ्यता संस्कृति की भी यही दुर्दशा होनी है। यह केवल एक सांस्कृतिक संकट नहीं, बल्कि एक पूरे समुदाय के अस्तित्व से जुड़ा सवाल बन चुका है।

(लेखक, हिन्दुस्थान समाचार से संबद्ध हैं।)

पंजाब का इंडस्ट्री इंटीग्रेटिड बी. टेक प्रोग्राम बना आकर्षण का केंद्र: बैंस

शुरूआती दौर में 7 विद्यार्थियों ने लिया दाखिला; पाठ्यक्रम में दाखिले 15 अगस्त तक खुले: हरजोत बैंस

संवाददाता
चंडीगढ़

राज्य में तकनीकी शिक्षा के नये युग की शुरूआत करते हुए पंजाब सरकार की तरफ से महाराजा रणजीत सिंह पंजाब टैकनिकल यूनिवर्सिटी (एम. आर. एस. पी. टी. यू.), बठिंडा में शुरू किये गए देश के पहले बी. टेक इन मकैनिकल इंजीनियरिंग (इंडस्ट्री इंटीग्रेटिड) प्रोग्राम को भरपूर समर्थन मिल रहा है।

पंजाब के तकनीकी शिक्षा और औद्योगिक प्रशिक्षण मंत्री स. हरजोत सिंह बैंस की तरफ से मई 2025 में शुरू किया गया देश का अपनी किस्म का पहला इंडस्ट्री इंटीग्रेटिड यह प्रोग्राम अकादमिक शिक्षा को उद्योगों के साथ जोड़ने के लिए तैयार किया गया है जिससे विद्यार्थियों को व्यावहारिक तजुर्बे और औद्योगिक हुनर के साथ लैस करके रोजगार के समर्थ बनाया जा सके।

स. हरजोत सिंह बैंस ने कहा कि काउंसलिंग के शुरूआती दौर में सात सीटें पहले ही भरीं जा चुकीं हैं जब कि इस प्रोग्राम के लिए इस साल केवल 30 सीटें हैं। इस प्रोग्राम का दाखिला 15 अगस्त, 2025 तक खुला रहेगा जिससे इंजीनियरिंग की पढ़ाई करने के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए दाखिला लेने का मौका है।

उन्होंने बताया कि एम. आर. एस. पी. टी. यू. और विकटूरा टैकनालौजीस प्रायवेट लिमटिड (वी. टी. पी. एल.), फरीदाबाद के दरमियान रणनीतिक सहयोग के साथ ही करवाया जा रहा यह चार वर्षीय प्रोग्राम एम. आर. एस. पी. टी. यू. में पाँच समैस्टरों के अकादमिक कोर्सवर्क और वी. टी. पी. एल. में तीन समैस्टरों के औद्योगिक प्रशिक्षण के एक नवीनताकारी माडल के द्वारा उद्योग और अकादमिक क्षेत्र के बीच अंतर को पूर्ण के लिए तैयार किया गया है।

प्रोग्राम की नवीन पहुँच को उजागर करते हुए तकनीकी शिक्षा मंत्री ने बताया कि औद्योगिक प्रशिक्षण के स्थान को एम. आर. एस. पी. टी. यू. के एक डीमड कैंपस के तौर पर मान्यता दी गई है जिससे विद्यार्थियों की अनुभवी शिक्षा के सहज एकीकरण और मान्यता को यकीनी बनाया जा सके। विकटूरा टैकनालौजीस की तरफ से एम. आर. एस. पी. टी. यू. कैंपस में तकरीबन 1. 5 करोड़ रुपए के निवेश के साथ एक अति-आधुनिक आटोमेशन लैब भी स्थापित की जा रही है जिससे व्यावहारिक प्रशिक्षण को और मजबूत किया जा सके।

स. बैंस ने कहा कि यह प्रोग्राम एक मजबूत वित्तीय सहायता पैकेज भी पेश करता है, जो आर्थिक तौर पर कमजोर वर्ग के होनहार विद्यार्थियों के लिए 50 फीसद तक ट्यूशन में सहायता प्रदान करता है। इसके इलावा, औद्योगिक प्रशिक्षण ले रहे विद्यार्थियों को मुफ़्त रेहायश, यातायात और महीनावार वजीफा की सुविधा मिलेगी जिससे यह यकीनी बनाया जा सके कि विद्यार्थी वित्तीय बोझ से बिना अपने पेशेवर विकास पर ध्यान केंद्रित कर सकें।

जिक्रयोग्य है कि विकटूरा टैकनालोजीस के सी. एस. आर. मुखी अजय कुमार सोमवंशी के नेतृत्व वाली एक टीम ने हाल ही में यूनिवर्सिटी कैंपस का दौरा करके रजिस्ट्रार डा. गुरिन्दर पाल सिंह बराड़ और प्रोग्राम मैटर डा. सन्दीप कांसल के साथ इस प्रोग्राम के संचालन पहलूओं को अंतिम रूप देने के लिए विचार- विमर्श किया। उन्होंने कहा कि इच्छुक विद्यार्थी इस प्रोग्राम के बारे और जानकारी के लिए एम. आर. एस. पी. टी. यू. कैंपस जा सकते हैं या अधिकारत वैबसाईट पर आनलाइन जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

पंजाब के सरकारी स्कूलों ने रचा नया कीर्तिमान; 474 विद्यार्थियों ने नीट परीक्षा में हासिल की सफलता

संवाददाता
चंडीगढ़

- प्रतिस्पर्धी परीक्षाओं में विद्यार्थियों का उत्कृष्ट प्रदर्शन मान सरकार की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण: बैंस
- शिक्षा मंत्री ने नीट परीक्षा पास करने वाले विद्यार्थियों को उज्जवल भविष्य के लिए दी शुभकामनाएं

पंजाब के स्कूल शिक्षा मंत्री स हरजोत सिंह बैंस ने बताया कि राज्य के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों ने एक बार फिर अपनी शैक्षणिक प्रतिभा का लोहा मनवाया है।

हाल ही में आयोजित राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) जैसी कठिन प्रतिस्पर्धी परीक्षा में प्रदेश के 474 विद्यार्थियों ने सफलता प्राप्त कर नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

नीट परीक्षा में उत्तीर्ण विद्यार्थियों को बधाई देते हुए स बैंस ने कहा कि यह उपलब्धि विद्यार्थियों की मेहनत, लगन और उनके शिक्षकों की समर्पित सेवाओं का परिणाम है। उन्होंने कहा कि वह सभी विद्यार्थियों को मेडिकल क्षेत्र में उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं।

पंजाब के सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों की शानदार उपलब्धियों को उजागर करते हुए शिक्षा मंत्री ने बताया कि इस वर्ष सरकारी स्कूलों के 265 विद्यार्थियों ने जेईई (मेन) परीक्षा में और 44 विद्यार्थियों ने जेईई (एडवांस्ड) परीक्षा में सफलता प्राप्त की है। उन्होंने कहा कि इस तरह के उल्लेखनीय प्रदर्शन सरकार की उस नीति का परिणाम हैं, जो गुणवत्तापूर्ण शिक्षा पर विशेष ध्यान केंद्रित करती है। यह सफलता इस बात का प्रमाण है कि पंजाब के सरकारी स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थी किसी से कम नहीं हैं और वे राष्ट्रीय स्तर की कठिनतम परीक्षाओं में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर सकते हैं।

स बैंस ने कहा कि मुख्यमंत्री स भगवंत सिंह मान के नेतृत्व में पंजाब सरकार विद्यार्थियों को उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनुकूल वातावरण प्रदान करने हेतु पूरी तरह प्रतिबद्ध है। सरकार एक ऐसे शैक्षणिक इकोसिस्टम के निर्माण के लिए सतत प्रयत्नशील है, जो विद्यार्थियों की प्रतिभा को पहचान सके, उन्हें प्रोत्साहित करे और उन्हें वैश्विक स्तर की गुणवत्तापूर्ण शिक्षा व संसाधनों तक पहुँच प्रदान कर सके, जिससे वे अपने सपनों को साकार कर सकें।

महाराजा रणजीत सिंह प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के छह कैडेट भारतीय सेना और वायु सेना में कमीशंड अधिकारी बने

संवाददाता
चंडीगढ़

पंजाब का गौरव बढ़ाते हुए, मोहाली स्थित महाराजा रणजीत सिंह आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट के छह पूर्व कैडेट भारतीय सेना और भारतीय वायु सेना में कमीशंड अधिकारी बन गए हैं।इस इंस्टीट्यूट के तीन कैडेट - मोहाली से गौरव सिंह, बठिंडा से निखिल बांसल और होशियारपुर से समय सैनी - को देहरादून स्थित इंडियन मिलिट्री एके-डमी (आई.एम.ए.) में 156वें रेगुलर कोर्स के हिस्से के रूप में भारतीय सेना में कमीशन मिला है। इस अवसर पर पासिंग आउट परेड का निरीक्षण श्रीलंका के सेना कमांडर और आई.एम.ए. के पास आउट लेफ्टिनेंट जनरल बी.के.जी.एम. लासंथा रोड्रिगो द्वारा किया गया। इसके अतिरिक्त, इस इंस्टीट्यूट के तीन अन्य कैडेट - बठिंडा से यश नैलवाल, मोहाली से कनिष्क चौहान और रोपड़ से अभिनव मिश्रा - को हैदराबाद के डुंडीगल स्थित एयर फोर्स एकेडमी (ए.एफ.ए.) में 215वें कोर्स की कंबाइंड पासिंग आउट परेड के दौरान भारतीय वायु सेना में कमीशन मिला है। इस परेड का निरीक्षण सेनाध्यक्ष जनरल उपेंद्र द्विवेदी, पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम. द्वारा किया गया।नव-कमीशंड अधिकारियों को हार्दिक बधाई देते हुए, पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने उन्हें अपने कर्तव्य के प्रति पूरी लगन से काम करने और पंजाब तथा देश का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार राज्य के युवाओं के सशस्त्र बलों में कमीशंड अधिकारी के रूप में करियर बनाने के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है।

इंस्टीट्यूट के निदेशक मेजर जनरल अजय एच. चौहान, वी.एस.एम. (सेवानिवृत्त) ने कैडेटों को बधाई देते हुए उन्हें रक्षा सेवाओं के आदर्शों पर खरा उतरने और देश, राज्य तथा इंस्टीट्यूट का गौरव बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि इन छह कैडेटों की नियुक्ति के साथ, अब तक कुल 178 कैडेट सशस्त्र बलों में कमीशंड अधिकारी बन चुके हैं। उन्होंने यह भी बताया कि 15 कैडेटों को विभिन्न प्रशिक्षण अकादमियों के लिए जॉइनिंग लेटर मिल चुके हैं, जबकि 11 अन्य कैडेट अपने जॉइनिंग लेटर का इंतजार कर रहे हैं।

डेराबस्सी लायंस क्लब के प्रधान नितिन जिंदल को मल्टीपल बेस्ट प्रेसिडेंट अवार्ड से सम्मानित किया

संवाददाता
डेराबस्सी

डेराबस्सी लायंस क्लब के वार्षिक उत्सव ह्य देव-2025 ह्य के दौरान लायन नितिन जिंदल को बेस्ट मल्टीपल प्रेसिडेंट अवार्ड 2025 से सम्मानित किया और लायंस क्लब डेराबस्सी को मल्टीपल बेस्ट क्लब के अवार्ड से सम्मानित किया गया। लायंस क्लब डेराबस्सी द्वारा वार्षिक उत्सव देव 2025 का आयोजन किया गया जिसमे डिस्ट्रिक्ट गवर्नर 321-एफ रविन्द्र सगर ने मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत की और प्रधान नितिन जिंदल को मल्टीपल के बेस्ट प्रेसिडेंट अवार्ड से सम्मानित किया।

मल्टीपल में लगभग 1200 क्लब्स आते हैं जिसमें डिस्ट्रिक्ट गवर्नर और उनके सहयोगियों द्वारा जिंदल को शाल और समृति चिन्ह दिया गया ।वर्ष 2024-2025 के दौरान कुल 1555 प्रोजेक्ट्स किए गए जोकी पूरे विश्व में किसी एक क्लब द्वारा किये सर्वाधिक प्रोजेक्ट्स हैं ।इन प्रोजेक्ट में 24 लोगों ने नेत्रदान किया और 16 रक्तदान शिविर में 1289 यूनिट रक्त एकत्रित, 125 से ज्यादा आंखों के चेकअप कैंप, 64 शुगर जांच व अवेयरनेस कैंप, 15 स्टूडेंट की वार्षिक फीस , जरूरतमंदों को राशन, 1500 से ज्यादा बच्चों को स्टेशनरी, 23 जरूरतमंद औरतों को सिलाई मशीन, तुलसी के पौधे व कंबल वितरण, 22 कूलर, 11 गीजर 300 हेलमेट और लगभग 80 शख्सियतों को सम्मानित किया गया । इस अवसर पर डिस्ट्रिक्ट गवर्नर रविन्द्र सगर ,फर्स्ट डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अमृतपाल सिंह झंडू , सेकंड डिस्ट्रिक्ट गवर्नर अजय गोयल ,आने वाले साल के सेकंड डिस्ट्रिक्ट गवर्नर नरेश गोयल,डिस्ट्रिक्ट कॉर्डिनेटर सतपाल जिंदल ,वरिष्ठ लायन के.के.वर्मा ,डिस्ट्रिक्ट सेक्रेटरी जतिंदर वर्मा ,रीजन चेयरमैन कृष्ण पाल शर्मा ,डेराबस्सी के चार्टर्ड प्रेसिडेंट विजय मित्तल,जोन चेयरपर्सन अमनदीप गुलाटी और सोनिया अरोड़ा सहित डेराबस्सी क्लब अमरीश भल्ला,केवल गोयल ,बरखा राम ,विकास सूरी ,रवीना सूरी ,जग्गी, रमेश राणा ,प्रेम सिंह ,जस्मेर कुरांवाला,अतुल चौबे ,हरीश गोयल , जतिंदर पारिख ,करम सिंह ,केशव ,माधव ,सेजल ,किरपाल सिंह ,पवन पम्मा ,राम कुमार ,अशोक गोयल, एसके मित्तल ,ऋषि जिंदल ,सुरिंदर जैन,सुशील धीमान आदि मौजूद थे ।

आप की ग्यारहवीं टीम विधायक रंधावा के नेतृत्व में लुधियाना से चुनाव प्रचार के लिए रवाना

संवाददाता
लालडू

आप ने लुधियाना में होने वाले उपचुनाव में लुधियाना पश्चिम के संजीव अरोड़ा को अपना उम्मीदवार घोषित किया है। उनके चुनाव प्रचार के लिए लुधियाना पश्चिम से बड़ी संख्या में सरपंच और कार्यकर्ता विधायक डेरा बस्सी कुलजीत सिंह रंधावा के नेतृत्व में चुनाव प्रचार के लिए रवाना हुए। उन्होंने कहा कि पंजाब में आम आदमी पार्टी विकास के तहत पंजाब को नंबर वन बनाने और हर परिवार को जीरो बिजली बिल, मुफ्त बस यात्रा और नशे के खिलाफ जंग जैसे अभियानों के तहत पंजाब को नंबर वन बनाने की कोशिश कर रही है।

उन्होंने कहा कि हमें पूरी उम्मीद है कि लुधियाना पश्चिम के लोग आप उम्मीदवार संजीव अरोड़ा को बहुमत दिलवाएंगे।

माई भागो इंस्टीट्यूट की तीन कैडेट भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन प्राप्त कीं

संवाददाता
चंडीगढ़

अपनी शानदार उपलब्धियों को जारी रखते हुए, पंजाब सरकार के माई भागो आर्म्ड फोर्सेज प्रिपरेटरी इंस्टीट्यूट (ए.एफ.पी.आई.) फॉर गर्ल्स, एस.ए.एस. नगर (मोहाली) की तीन पूर्व कैडेट - हरनूर सिंह, कृति एस बिष्ट और अलीशा - को एयर फोर्स एकेडमी, डुंडीगल (हैदराबाद) से सफलतापूर्वक पास आउट होने पर भारतीय वायु सेना में फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन प्राप्त हुआ है। उन्हें एक प्रभावशाली पासिंग आउट परेड में कमीशन दिया गया, जिसका निरीक्षण वायु सेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल अमर प्रीत सिंह, पी.वी.एस.एम., ए.वी.एस.एम. द्वारा किया गया। फ्लाइंग ऑफिसर हरनूर सिंह पठानकोट के रहने वाले श्री विक्रम सिंह बैंस की बेटी हैं, जो एक सरकारी स्कूल में प्रिंसिपल हैं। फ्लाइंग ऑफिसर कृति एस. बिष्ट के पिता श्री शक्ति शरण सिंह पी.ए.सी.एल., नंगल में वरिष्ठ इंजीनियर हैं। फ्लाइंग ऑफिसर अलीशा के पिता श्री सुनील दत्त, जो जालंधर से संबंध रखते हैं, एक निजी स्कूल में शिक्षक हैं। इन महिला कैडेटों को उनकी उत्कृष्ट और अलीशा को शिक्षा शाखा में कमीशन मिला है, जबकि फ्लाइंग ऑफिसर कृति एस बिष्ट को वायु सेना की प्रशासन शाखा में फ्लाइट कंट्रोलर के रूप में कमीशन मिला है ।फ्लाइंग ऑफिसर हरनूर सिंह उपलब्धि पर बधाई देते हुए, पंजाब के रोजगार सृजन, कौशल विकास और प्रशिक्षण मंत्री श्री अमन अरोड़ा ने कहा कि उनकी सफलता पंजाब की अन्य बेटियों को रक्षा सेवाओं में करियर बनाने के लिए प्रेरित करेगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के नेतृत्व वाली राज्य सरकार उन लड़कियों के सपनों को साकार करने के लिए प्रतिबद्ध है जो रक्षा सेवाओं में कमीशंड अधिकारी के रूप में शामिल होने का लक्ष्य रखती हैं। यह उल्लेखनीय है कि पंजाब सरकार ने जुलाई, 2023 में माई भागो इंस्टीट्यूट में लड़कियों के लिए एन.डी.ए. प्रिपरेटरी विंग भी स्थापित किया था, जिसका दूसरा बैच इस समय प्रशिक्षण ले रहा है। माई भागो इंस्टीट्यूट के निदेशक मेजर जनरल जसबीर सिंह संधू, ए.वी.एस.एम. (सेवानिवृत्त) ने इन तीनों कैडेटों को फ्लाइंग ऑफिसर के रूप में कमीशन मिलने पर खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि यह उपलब्धि राज्य सरकार के सशस्त्र बलों में अधिक लड़कियों को शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने के प्रयासों को और बढ़ावा देगी।

पंजाब ने नशा विरोधी कार्रवाई तेज करते हुए लुधियाना में दो नशा तस्करों के घर किए ध्वस्त

मान सरकार द्वारा नशा विरोधी जंग के दौरान सख्त कार्रवाई: नशा तस्करों की अवैध संपत्तियों पर एक-एक करके चलाया बुलडोजर

संवाददाता
चंडीगढ़/लुधियाना

मुख्यमंत्री भगवंत सिंह मान के दिशा-निर्देशों पर शुरू की गई नशा विरोधी मुहिम 'युद्ध नशों विरुद्ध' के दौरान पंजाब सरकार द्वारा नशा तस्करी और अवैध कमाई के खिलाफ अपनाई गई जीरो सहनशीलता नीति के तहत, आज लुधियाना में दो बदनाम नशा तस्करों की संपत्तियों को ध्वस्त कर दिया गया है। यह ऑपरेशन नगर निगम लुधियाना के अधिकारियों के नेतृत्व में लुधियाना कलेक्टर पुलिस के सहयोग से चलाया गया।

स्पेशल डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस (स्पेशल डीजीपी) कानून और व्यवस्था अर्पित शुक्ला ने बताया कि यह आपरेशन पंजाब सरकार द्वारा नार्को नेटवर्कों के खिलाफ की जा रही सख्त कार्रवाई का हिस्सा था, जिसमें अपराधियों को पकड़ने के साथ-साथ उनकी अवैध रूप से प्राप्त संपत्तियों को भी ध्वस्त किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि इन दोनों संपत्तियों को ध्वस्त करने के साथ, 1 मार्च, 2025 से अब तक नशा तस्करों द्वारा अवैध कमाई से बनाई गईं 126 संपत्तियां ध्वस्त की गई हैं।

पहले आपरेशन के दौरान, लुधियाना के अमरपुरा, गली नंबर 2 में स्थित बदनाम नशा तस्कर गुरपाल के घर पर बुलडोजर चलाया गया। यह ऑपरेशन पुलिस कमिश्नर (सीपी) लुधियाना स्वप्न शर्मा, डिप्टी कमिश्नर ऑफ पुलिस (डीसीपी) इन्वेस्टिगेशन हरपाल सिंह, एडिशनल डीसीपी जॉन-1 समी वर्मा और सीनियर टाउन प्लानर (एटीपी) जॉन-बी कुलजीत सिंह मांगट की अगुवाई में भारी पुलिस तैनाती के तहत चलाया गया। विवरण साझा करते हुए सीपी स्वप्न शर्मा ने कहा कि दोषी गुरपाल, जिसका घर ध्वस्त किया गया है, अपराधी पृच्छभूमि वाला अभियुक्त है और उसके खिलाफ लुधियाना के विभिन्न थानों में एनडीपीएस एक्ट के तहत 9 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उन्होंने कहा कि इलाके में नशीले पदार्थ बेचने के लिए बदनाम उक्त दोषी 2014 से नशीले पदार्थों की तस्करी कर रहा है। उन्होंने कहा कि पंजाब पुलिस द्वारा नशे के खिलाफ चलाए गए निर्णायक युद्ध के चलते अपराधी हिमाचल प्रदेश भाग गया है।

दूसरे आपरेशन के दौरान, लुधियाना के लोहारां गांव के हीरो सुमन नगर में गली नंबर 9 में स्थित महिला नशा तस्कर राजिंदर कौर उर्फ. रोजी के घर को बुलडोजर के साथ ध्वस्त कर दिया गया है। यह ऑपरेशन सीपी लुधियाना स्वप्न शर्मा, डीसीपी इन्वेस्टिगेशन हरपाल सिंह, एडिसीपी जोन-2 करणवीर सिंह, नायब तहसीलदार साहनेवाल हरकिरत सिंह और सीनियर टाउन प्लानर (एटीपी) जोन- सी नवनीत सिंह की अगुवाई में भारी पुलिस तैनाती के तहत चलाया गया। इस ऑपरेशन के बारे में जानकारी साझा करते हुए सीपी स्वप्न शर्मा ने बताया कि कुछ वर्षों पहले इस क्षेत्र में रहने आई दोषी राजिंदर कौर उर्फ.रोजी ने धीरे-धीरे अपना घर बना लिया था। उन्होंने बताया कि उसके खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत दो आपराधिक मामले दर्ज हैं और वह इस समय जेल में बंद है।

सीपी ने कहा कि दोनों ऑपरेशनों को सभी नियमों और कानूनों का पालन करते हुए अंजाम दिया गया है। उन्होंने कहा कि दोनों ऑपरेशनों को दोनों क्षेत्रों के निवासी के सहयोग से सुचारू रूप से संपन्न किया गया है।

गुरु हरगोबिंद साहिब जी का प्रकाश पर्व श्रद्धा के साथ मनाया गया

संवाददाता
डेराबस्सी

गुरुद्वारा श्री गुरु अंगद साहिब, अनाज मंडी डेराबस्सी में श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी की जयंती श्रद्धा, भावना और बड़े उत्साह के साथ मनाई गई। समारोह के दौरान रागी भाई अमृतपाल सिंह और कथावाचक भाई संदीप सिंह (दमदमी टकसाल, जत्था मेहता) द्वारा गुरबाणी कीर्तन और साखियों से संगत को निहाल किया गया।

इस पावन अवसर पर संत करतार सिंह जी भिंडरां वाले की पोती बीबी सतवंत कौर विशेष रूप से पहुंचीं। उन्होंने संगत को छठी पातशाह श्री गुरु हरगोबिंद साहिब जी के जीवन, बाणी से परिपूर्ण जीवन तथा जून 1984 के घल्लूघारा के बारे में भी संवेदनशील जानकारी दी। इसके अलावा बाबा किक्कर सिंह (दमदमी टकसाल जत्था मेहता, नाभा साहिब जीरकपुर) अपने जत्थे के साथ पहुंचे तथा अपनी गुरमत से परिपूर्ण वाणी से संगत को निहाल किया।

इस समागम को संपन्न कराने में श्री गुरु अंगद साहिब गुरुद्वारा कमेटी के सदस्य भाई हरप्रीत सिंह अमलाला, अमरपाल सिंह डेराबस्सी, मलकीत सिंह महमदपुर, जगदीश सिंह ब्रह्मपुरा, सुरमुख सिंह परागपुर, सरदार नरिंदर सिंह धनौनी, मलविंदर सिंह बावा, सेठी करकौर, जग्गू जनेतपुर तथा समस्त संगत ने सहयोग दिया। इस अवसर पर गुरु का लंगर भी बरताया गया।

पहले पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था: योगी आदित्यनाथ

पुलिस बल कानून-व्यवस्था का ही नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा

एजेंसी (हि.स.)
लखनऊ

फोटोः हि.स.

वर्दीधारी ट्रेनिंग में जितना पसीना बहाएंगे, जीवन में उतना ही कम खून बहेगा। महाकुम्भ में पुलिस की भूमिका एक मिसाल थी। यहां आने वाले हर इंसान ने पुलिस के व्यवहार की प्रशंसा की। अगर हम वहां कर सकते हैं, तो हर जगह कर सकते हैं। पुलिस बल केवल कानून-व्यवस्था का नहीं, बल्कि सामाजिक विश्वास का प्रतीक बन रहा है। यूपी पुलिस में 60,244 पुलिसकर्मियों की भर्ती एवं नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम ऐसे समय में हो रहा है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के देश सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 11 वर्ष के कार्यकाल ने नए भारत के रूप में प्रत्येक भारतीय के जीवन में परिवर्तन लाने का काम किया है। यह बातें मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रविवार को डिफेंस एक्सपो ग्राउंड में केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह द्वारा 60,244 नवनियुक्त पुलिस कार्मिकों के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम में कही।

री मिलना असंभव था

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 60,244 नव-नियुक्त पुलिसकर्मियों का नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम देश के सबसे बड़े सिविल पुलिस बल में अब तक का सबसे बड़ा नियुक्ति कार्यक्रम है। उन्होंने कहा कि यह महज एक प्रशासनिक कार्यक्रम नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के 'स्मार्ट पुलिसिंग' विजन को साकार करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम है। वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश में पुलिस भर्ती में भाई-भतीजावाद और भ्रष्टाचार हावी था। पैसे और सिफारिश के बिना नौकरी मिलना असंभव था, लेकिन अब यह सब बीते जमाने की बात हो चुकी है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछले 8 वर्षों में प्रदेश के युवाओं को साढ़े आठ लाख से अधिक सरकारी नौकरियां दी गईं है। वहीं अकेले यूपी पुलिस में करीब सवा दो लाख भर्तियां की गई हैं। उन्होंने कहा कि इस भर्ती में गरीब से गरीब परिवार का बेटा भी शामिल हुआ है। अब वह भी सिपाही बनकर प्रदेश की जनता की सेवा में योगदान दे पाएगा। सीएम योगी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'स्मार्ट पुलिसिंग' के सूत्र स्ट्रिक्ट एंड सेंसटिव, मॉर्डन एंड मोबाइल, अलर्ट एवं अकाउंटिबल, रिलायबल एंड रिस्पॉन्सिबल और टैक्नो सैवी एंड ट्रेंड का हवाला देते हुए कहा कि उत्तर प्रदेश ने इन सिद्धांतों को जमीनी हकीकत बना दिया है।

कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष चौधरी भूपेंद्र सिंह, उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य, ब्रजेश पाठक, केशव प्रसाद मौर्य, मंत्री सुरेश खन्ना, स्वतंत्र देव, सूर्य प्रताप शाही, बेबी रानी मौर्य, आशीष पटेल, ओम प्रकाश राजभर, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, डीजीपी राजीव कृष्ण, प्रमुख सचिव गृह संजय प्रसाद आदि मौजूद रहे।

इन 15 नवनियुक्त पुलिसकर्मियों को केंद्रीय मंत्री ने दिये नियुक्ति पत्र

संतकबीर नगर के सत्यम नायक, खीरी के प्रेम सागर, फरुर्खाबाद की शालिनी शाक्या, बलिया के उपेंद्र कुमार यादव, बरेली की शिल्पा सिंह, कानपुर देहात के बीनू बाबू, महोबा के योगेंद्र सिंह, उन्नाव के शिवांश पटेल, वाराणसी के मनीष त्रिपाठी, लखनऊ की रोशन जहां, कानुपर नगर के आजाद कुशवाहा, गोरखपुर की मिथिलेश भट्ट, रायबरेली की सोनी रावत, मऊ की नेहा गोंड, बागपत के सचिन सैनी को मंत्र से नियुक्ति पत्र दिया गया।

मुख्यमंत्री ने केंद्रीय सामूहिक रसोई घर प्रोजेक्ट और 'हरे कृष्ण सांस्कृतिक केंद्र' की रखी आधारशिला

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
डिब्रूगढ़ (असम)

मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने रविवार को डिब्रूगढ़ के खामटी घाट में बनने वाले केंद्रीय सामूहिक रसोई घर परियोजना (सेंट्रलाइज्ड कम्यूनिटी किचन) और 'हरे कृष्ण सांस्कृतिक केंद्र' की आधारशिला रखी। मुख्यमंत्री ने परियोजना के निर्माण स्थल का भूमि पूजन भी किया। इस कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ केंद्रीय मंत्री सबार्नंद सोनोवाल भी शामिल हुए।

कार्यक्रम के मद्देनजर आयोजित सार्वजनिक सभा में असम सरकार के मंत्री बिमल बोरा, योगेन महन, प्रशांत फुकन, पियुष हजारिका, विधायक चक्रधर गोगोई, तरंग गोगोई, विनोद हजारिका आदि मौजूद रहे। अक्षय पात्र फाउंडेशन के जरिए नियंत्रित होने वाला यह केंद्रीय सामूहिक रसोई घर प्रोजेक्ट डिब्रूगढ़ जिले के कई हजार प्राथमिक और माध्यमिक विद्यालय के छात्र-छात्राओं को उत्कृष्ट और पोषक मिड-डे मील प्रदान करने में सक्षम होगा।

गुवाहाटी के कामरूप, जोरहाट आदि कई जिलों में पहले ही ऐसे सामूहिक रसोई घर की स्थापना के बाद आज डिब्रूगढ़ दिहिंग खामटी घाट पर इस सामूहिक रसोई घर की आधारशिला रखी गई। सरकार 11 बीघा जमीन पर 25 करोड़ रुपये खर्च कर इसका निर्माण कराएगी और समयानुसार इसे इस्कॉन द्वारा कृष्ण फाउंडेशन को सौंपा जाएगा। इस रसोईघर के माध्यम से निकट भविष्य में जिले के कुछ समुदायों के प्रत्येक प्राथमिक और माध्यमिक स्कूलों के छात्रों के लिए मध्याह्न भोजन की व्यवस्था की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि इस योजना के क्रियान्वयन के बावजूद पूर्व के विद्यालयों में कार्यरत किसी भी रसोइया की नौकरी समाप्त नहीं होगी। वे लोग अब से रसोइयों के बजाय भोजन वितरक के रूप में जाने जाएंगे।

नगर में योग्य पशु सर्जन की नियुक्ति एवं ज्वाइंट डायरेक्टर के विरुद्ध कार्रवाई हेतु करेंगे पहल : किरण देव

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
जगदलपुर

बस्तर जिले के पशु प्रेमियों और जागरूक नागरिकों ने स्थानीय पशु चिकित्सालय में व्याप्त अव्यवस्थाओं और सर्जरी कार्य हेतु सर्जन की अनुपलब्धता को लेकर नागरिकों ने आज रविवार को जगदलपुर विधायक किरण देव से मुलाकात की

नागरिकों ने किरण देव को बताया कि पशु चिकित्सा सेवाओं में लगातार हो रही अनियमितताओं और समय पर उचित उपचार नहीं मिलने के कारण कई मूक पशुओं की असमय मृत्यु हो रही है। इस संबंध में स्थानीय नागरिकों द्वारा कई बार जिला पशु चिकित्सालय एवं ज्वाइंट डायरेक्टर को शिकायत दी गई, परंतु हर बार मामले को अनदेखा कर दिया गया। यह स्थिति न केवल विभागीय लापरवाही को दशार्ती है, बल्कि पशु अधिकारों के प्रति असंवेदनशीलता का परिचायक भी है। किरण देव ने इस विषय को गम्भीरता से लेते हुए नागरिकों को शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया है। उन्होंने कहा कि वे संबंधित विभाग से चर्चा कर नगर में योग्य पशु सर्जन की नियुक्ति एवं ज्वाइंट डायरेक्टर के विरुद्ध कार्रवाई हेतु पहल करेंगे।

आकाशीय बिजली गिरने से एक महिल सहित दो की मौत, दो गंभीर

बिजनौर। जिले में अलग-अलग जगहों पर रविवार की सुबह अचानक बदले मौसम के साथ तेज बारिश और आकाशीय बिजली गिरने से खेत पर काम कर रही एक महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई। वहीं देवर और भाभी घायल हो गए, उनका उपचार जारी है। स्योहारा क्षेत्र के गांव मुकरपुरी निवासी सविता देवी (40) रविवार सुबह 6 बजे गांव के बाहर अपने खेत पर चारा लेने गयी थी। इसी बीच तेज गर्जना के साथ बारिश शुरू हो गयी। कुछ ही देर में महिला के ऊपर आकाशीय बिजली गिर गयी। सूचना मिलने पर पहुंचे परिजनों ने धामपुर स्थित एक अस्पताल में भर्ती कराया, जहां उसकी मौत हो गयी। आठ वर्ष पूर्व महिला के पति की बीमारी के चलते मौत हो गयी थी। मृतक महिला के चार बच्चे हैं। इसी तरह नूरपुर के गांव नंगली निवासी किसान रामानंद कश्यप (56) आज सुबह खेत जोतने गया था। इस दौरान आकाशीय बिजली की चपेट में आकर उसकी मौत हो गई।

ईरान-इजराइल तनाव चरम पर: इजराइली हमले जारी, खामेनेई के शीर्ष सलाहकार का निधन

एजेंसी (हि.स.)
तेहरान/यरुशलम

फोटोः हि.स.

ईरान और इजराइल में बढ़ते सैन्य तनाव के बीच हालात और गंभीर हो गए हैं। इजराइली सेना ने शनिवार को पुष्टि की कि वह ईरान की सतह से सतह पर मार करने वाली मिसाइल साइटों पर हमले कर रही है और यह अभियान जारी रहेगा। इजराइल रक्षा बल (आईडीएफ) ने कहा कि ईरान के पास अभी भी एक ऐसा शस्त्रागार है, जो इजराइल को गंभीर नुकसान पहुंचा सकता है। सेना ने कहा, 'हम ईरान पर हमला कर रहे हैं, और यह संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। इजराइल के लिए खतरा बनने वाली हर वस्तु या स्थिति को पूरी तरह नेस्तनाबूद किया जाएगा।'

इस बीच, ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई के वरिष्ठ सलाहकार अली शमखानी की एक अस्पताल में मृत्यु हो गई। ईरानी मीडिया के अनुसार, उनकी मौत इजराइली हवाई हमलों के एक दिन बाद हुई, हालांकि मृत्यु का स्पष्ट कारण सामने नहीं आया है। शमखानी लंबे समय तक ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमुख रहे और सऊदी अरब के साथ चीन की मध्यस्थता में हुई ऐतिहासिक सुलह वार्ता में महत्वपूर्ण भूमिका निभा चुके थे।

विवाद के बीच, ओमान ने एक और झटका दिया है। मस्कट में प्रस्तावित अमेरिका-ईरान परमाणु वार्ता का ताजा दौर रद्द कर दिया गया है। ओमान के विदेश मंत्री बद्र अलबुसैदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर लिखा, 'रविवार को होने वाली वार्ता अब नहीं होगी। हालांकि, हम मानते हैं कि संवाद और कूटनीति ही स्थायी समाधान है।'

उधर, इजराइली लड़ाकू विमानों द्वारा कथित रूप से इराकी हवाई क्षेत्र के उपयोग पर बगदाद में आक्रोश फैल गया है। इराक ने द्विपक्षीय समझौतों और अंतरराष्ट्रीय कानून का हवाला देते हुए अमेरिका से ईरान के खिलाफ हमले करने के लिए इजराइली विमानों को इराकी हवाई क्षेत्र का उल्लंघन करने से रोकने का आह्वान किया है।

संक्षिप्त-समाचार

मिनेसोटा में 'नो किंग्स' रैलियां रद्द, दो विधायकों पर हमले के बाद प्रशासन सतर्क

सेंट पॉल (मिनेसोटा)। मिनेसोटा में 'नो किंग्स' आंदोलन के तहत शनिवार को होने वाली सभी रैलियां उस वक्त रद्द कर दी गईं जब दो डेमोक्रेटिक सांसदों और उनके जीवनसाथियों पर जानलेवा हमला हुआ। राज्य पुलिस की ओर से सुरक्षा कारणों से लोगों से प्रदर्शन में शामिल न होने की अपील की गई थी। राज्य पेट्रोल की कर्नल क्रिस्टिना बोगोयेविक ने कहा कि 'अत्यधिक सतर्कता के दृष्टिकोण से' लोगों को रैलियों से दूर रहने की सलाह दी गई। उन्होंने बताया कि भले ही पुलिस के पास इस बात के कोई प्रत्यक्ष प्रमाण नहीं हैं कि प्रदर्शन लक्षित हो सकते हैं, लेकिन संदिग्ध की कार से 'नो किंग्स' से जुड़े फ्लायर बरामद हुए हैं। शनिवार तड़के ब्रुकलिन पार्क स्थित अपने घर में मिनेसोटा की पूर्व हाउस स्पीकर मेलिसा हॉर्टमैन और उनके पति की गोली मारकर हत्या कर दी गई। वहीं, एक अन्य राज्य सीनेटर जॉन हॉफमैन और उनकी पत्नी पर भी चैंपलिन स्थित उनके घर में गोलियां चलाई गईं, जिससे वे दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने इन घटनाओं को राजनीतिक रूप से प्रेरित बताया है। 'नो किंग्स' अभियान के आयोजकों ने राज्यभर में प्रस्तावित सभी प्रदर्शन तत्काल प्रभाव से रद्द कर दिए हैं। उन्होंने कहा कि यह फैसला पुलिस की सिफारिश और आम नागरिकों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए लिया गया है।

भारी बारिश के कारण नेपाल के 35 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी

काठमांडू। नेपाल के मौसम विभाग ने 35 जिलों में बाढ़ का अलर्ट जारी किया है। राजधानी काठमांडू सहित देशभर में बीती रात से हो रही लगातार बारिश के बाद मौसम विभाग ने येलो अलर्ट जारी करते हुए लोगों से सतर्क रहने की अपील की है। मौसम विभाग के मुताबिक नेपाल के धनकुटा, भोजपुर, उदयपुर, सिंधुली, खोटांग, ललितपुर, भक्तपुर, काभ्रे, लमजुंग, कास्की, पर्वत, बागलुंग, कैलाली और कंचनपुर में अगले 24 घंटे में भारी बारिश के साथ ही नदियों में बाढ़ आने की संभावना है। इन जिलों में रहने वाले लोगों से सतर्कता बरतने की अपील की गई है। इसी तरह अछाम, मोरंग, सुनसरी, धनुषा, काठमांडू, ओखलढुङ्गा, मकवानपुर, गुल्मी, पाल्पा, गोरखा, तनहुं, सल्यान, म्याग्दी, बझांग, डोटी, डडेलधुरा, बांके और बर्दिया सहित आसपास के जिलों में नदियों का जलस्तर खतरे के निशान से ऊपर आने के कारण सतर्कता बरतने की अपील की गई है। अगले 24 घंटे में नेपाल की प्रमुख नदियां कोसी, नारायणी, कर्णाली, महाकाली में जलस्तर के खतरे के निशान से ऊपर आने की चेतावनी भी दी गई है। इन नदियों के आसपास के जिलों में तटीय इलाके में रहने वाले लोगों को सावधानी बरतने और सुरक्षित स्थान पर जाने का सुझाव दिया गया है।

काली मंदिर के पास से गोमांस बरामद, जांच में जुटी पुलिस

ग्वालपारा (असम)। निचले असम के धुबड़ी जिला में हनुमान मंदिर में लगातार दो दिनों तक गोमांस मिलने की घटना के बाद रविवार को एक बार फिर से निचले असम के ही ग्वालपारा जिले के एक काली मंदिर परिसर के पास गोमांस मिला है। इस बार ग्वालपारा जिलांतर्गत लक्षीपुर शहर के खाकिलामारी दास पारा स्थित एक काली मंदिर परिसर के पास से गोमांस बरामद हुआ है। स्थानीय लोगों से सूचना मिलते ही घटना स्थल पर लक्षीपुर पुलिस की टीम पहुंची और गोमांस बरामद कर पूरे मामले की जांच शुरू कर दी है। इस घटना के चलते पूरे लक्षीपुर क्षेत्र में तनाव की स्थिति बन गयी है। इस बीच, असम पावर डिस्ट्रीब्यूशन कापोर्रेशन लिमिटेड (एपीडीसीएल) के संचालक डॉ. प्रकाश कश्यप ने भी घटना स्थल पर पहुंचकर स्थिति की जानकारी ली। उन्होंने इस पूरे मामले की तीव्र गति से जांच कर दोषियों को पकड़ने और उचित सजा देने की पुलिस और जिला प्रशासन से मांग की है। उल्लेखनीय है कि बकरीद के दूसरे दिन से निचले असम के मुख्य रूप से धुबड़ी के बाद अब ग्वालपारा जिले में धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने की अपराधी तत्वों द्वारा कोशिश की जा रही है। घटना की गंभीरता को देखते हुए मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत बिस्व सरमा ने बीते गुरुवार को धुबड़ी जिले का दौरा कर अपराधी तत्वों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। मुख्यमंत्री के निर्देश पर धुबड़ी जिले में 38 से अधिक आपराधिक तत्वों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है।

भाई ने ली भाई की जान, एक घायल, आरोपित गिरफ्तार

नलबाड़ी (असम)। नलबाड़ी जिले के कमारकुची इलाके में एक भाई ने सगे भाई की हत्या कर दी। खूनी संघर्ष में एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया है, जिसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। भाई के द्वारा भाई की हत्या किये जाने के बाद से इलाके में सनसनी फैल गयी है। मृतक की पहचान विष्णु तालुकदार के रूप में की गयी है। जबकि, विष्णु का पुत्र गंभीर रूप से घायल हो गया। कमारकुची पुलिस ने बताया है कि इस घटना की जांच की जा रही है। पुलिस ने विष्णु की हत्या के आरोपित भाई होमेन तालुकदार को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार कमारकुची के रायटकुची निवासी दोनों भाइयों में किसी बात को लेकर झगड़ा हुआ। विष्णु के पुत्र ने पिता को बचाने की कोशिश की तो होमेन ने अपने भाई और भतीजे पर धारदार हथियार से हमला कर दिया, जिसके चलते विष्णु की मौत हो गयी, जबकि भतीजा गंभीर रूप से घायल हो गया, जिसका अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस आगे की कार्रवाई कर रही है।

पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर सड़क हादसे में पांच की मौत, एक घायल

अमेठी। उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले के शुकुल बाजार थाना क्षेत्र अंतर्गत पूर्वांचल एक्सप्रेसवे पर रविवार सुबह एक एंबुलेंस आगे जा रही एक गाड़ी से टकरा गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार पांच लोगों की मौत हो गई और एक घायल हुआ है। शुकुल बाजार के थानाध्यक्ष अभिनेष कुमार ने बताया कि पूर्वांचल एक्सप्रेसवे के 59.7 किलोमीटर पर आज सुबह करीब 5:30 बजे पिकअप वाहन में पीछे से आई तेज रफ्तार एंबुलेंस घुस गई। इस हादसे में एंबुलेंस सवार छह लोगों में से चालक सहित पांच लोगों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई है। मृतकों की पहचान सरफराज निवासी नालहर हरियाणा, आबिद पुत्र हामिद फिरोजपुर, हरियाणा, राजकुमार शर्मा उर्फ सतीश पुत्र अशोक शर्मा एवं रवि शर्मा पुत्र बलराम शर्मा निवासीगण रामभद्रपुर थाना कल्याणपुर जिला समस्तीपुर बिहार और पांचवां फुलो शर्मा रवि टोला थाना हथौड़ी जिला समस्तीपुर बिहार के रहने वाले शामिल हैं।

नेपाल भारत के रास्ते बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात करेगा

एजेंसी (हि.स.)
काठमांडू

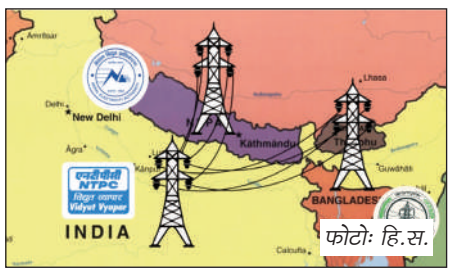

फोटोः हि.स.

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के तहत आज 15 जून से भारत के रास्ते नेपाल ने बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली के निर्यात करने का काम शुरू किया है।

पिछले वर्ष हुए इस समझौते के बाद 15 नवंबर को आखिरी दिन बिजली निर्यात का सफल परीक्षण किया गया था। आज 15 जून को इसकी औपचारिक शुरूआत की गई है। नेपाल विद्युत प्राधिकरण की तरफ से दी गई जानकारी के मुताबिक आज मध्य रात 12:00 बजे से बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की शुरूआत की गई।

नेपाल विद्युत प्राधिकरण के कार्यकारी निदेशक हितेंद्र शाक्य के मुताबिक 15 नवंबर तक प्रतिदिन बांग्लादेश को 40 मेगावाट बिजली निर्यात की जाएगी। भारत के रास्ते यह बिजली बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्र तक निर्यात की जा रही है।

नेपाल से निर्यात की गई बिजली बिहार के मुजफ्फरपुर से होते हुए बांग्लादेश के बहरामपुर भेडमारा 400 ट्रांसमिशन लाइन के जरिए भेजा जा रहा है। नेपाल के ऊर्जा मंत्री दीपक खड़का ने कहा कि अब तक सिर्फ भारत को ही निर्यात की जा रही बिजली अब बांग्लादेश में भी शुरूआत होना नेपाल के ऊर्जा क्षेत्र के लिए महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

नेपाल, भारत और बांग्लादेश के बीच हुए त्रिपक्षीय समझौते के मुताबिक हर वर्ष 15 जून से 15 नवंबर तक नेपाल, भारत के रास्ते बांग्लादेश को बिजली निर्यात कर सकता है। नेपाल से विद्युत खरीद के लिए बांग्लादेश प्रति यूनिट 6.4 सेंट के दर से पैसे भुगतान कर रहा है। भारत के प्रसारण लाइन का प्रयोग करने पर उसे अलग से भुगतान करना पड़ेगा।

नेपाल सरकार ने 2035 तक 28000 मेगावाट बिजली का उत्पादन कर 10000 मेगावाट बिजली भारत को, 5000 मेगावाट बिजली बांग्लादेश तथा 3000 मेगावाट बिजली नेपाल में खपत के लिए प्रयोग में लाने का लक्ष्य रखा है।

समेकित जांच चौकी पर 11 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार

नवादा। बिहार-झारखंड की सीमा पर स्थित समेकित जांच चौकी नवादा जिले के रजौली में रविवार को उत्पाद विभाग की टीम ने शराब तस्करी के प्रयास को विफल करते हुए एक युवक को 11 बोतल अंग्रेजी शराब के साथ गिरफ्तार किया। उत्पाद अधीक्षक अरुण कुमार मिश्रा ने जानकारी दी कि अवर निरीक्षक राजीव कुमार पटेल के नेतृत्व में की गई वाहन जांच के दौरान एक यात्री बस से समस्तीपुर जिले के पूसा थाना क्षेत्र निवासी कैलाश प्रसाद महतो के 26 वर्षीय पुत्र विक्रम कुमार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी में आरोपी के पास से निम्न ब्रांड की शराब बरामद की गई।गोल्फर शॉट बैरल एजेड व्हिस्की (750 एमएल)2 बोतल,लाइन डैडी ओरिजिनल डार्क रम (750 एमएल)2 बोतल,व्हाइट एंड ब्लू प्रीमियम व्हिस्की (750 एमएल)2 बोतल,अफ्टर डार्क फाइन ग्रेन व्हिस्की (750 एमएल) 4 बोतल,पॉल जॉन इंडियन सिंगल माल्ट व्हिस्की (750 एमएल) 1 बोतल। गिरफ्तार युवक के खिलाफ उत्पाद अधिनियम के अंतर्गत प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान की तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर इमरजेंसी लैंडिंग

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ब्रिटिश नौसेना के लड़ाकू विमान एफ-35 ने शनिवार रात ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर आपातकालीन लैंडिंग की है। भारतीय वायु सेना ने उड़ान सुरक्षा कारणों से तत्काल सहायता पहुंचाई और आगे भी सभी मदद दी जा रही है। विमान रविवार को भी तिरुवनंतपुरम में ही है, इसलिए वायु सेना सभी एजेंसियों के साथ समन्वय कर रही है। विमान में ईंधन भरने की प्रक्रिया शुरू करने के लिए केंद्र सरकार से मंजूरी मिलने का इंतजार है।

भारतीय वायु सेना के अधिकारी ने बताया कि यूके नौसेना के एफ-35 लड़ाकू विमान ने इस क्षेत्र में संचालित एक ब्रिटिश विमानवाहक पोत से उड़ान भरी और रात करीब 9.30 बजे तिरुवनंतपुरम अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर सुरक्षित रूप से उतरा। जेट की सुरक्षित लैंडिंग सुनिश्चित करने के लिए हवाई अड्डे के अधिकारियों ने आपातकाल का ऐलान किया था। पायलट ने ईंधन कम होने की सूचना दी और उतरने की अनुमति मांगी। ईंधन कम होने के कारण तिरुवनंतपुरम

उत्तराखंड में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं पर सख्त मुख्यमंत्री धामी, एसओपी बनाने के दिए निर्देश

एजेंसी (हि.स.)
देहरादून

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने राज्य में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं को गंभीरता से लिया है। उन्होंने हेलीकॉप्टर संचालन को लेकर कड़े निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में हेली सेवाओं के संचालन के लिए सख्त एसओपी तैयार की जाए, जिसमें हेलीकॉप्टर की तकनीकी स्थिति की पूर्ण जांच और उड़ान से पूर्व मौसम की सटीक जानकारी लेना अनिवार्य किया जाए।

मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को निर्देशित किया है कि तकनीकी विशेषज्ञों की एक समिति का गठन किया जाए, जो हेली संचालन की सभी तकनीकी व सुरक्षा पहलुओं की गहन समीक्षा कर एसओपी तैयार करेगी। यह समिति यह सुनिश्चित करेगी कि हेली सेवाओं का संचालन पूरी तरह से सुरक्षित, पारदर्शी और निर्धारित मानकों के अनुसार हो। यह भी निर्देश दिए हैं कि राज्य में पूर्व में हुई हेलीकॉप्टर दुर्घटनाओं की जांच के लिए गठित उच्च स्तरीय समिति पूर्व आज के हेली क्रैश की भी गहनता से जांच कर अपनी रिपोर्ट देगी। यह समिति प्रत्येक घटना के कारणों की गहराई से जांच करेगी और दोषी व्यक्तियों या संस्थाओं की पहचान कर उनके विरुद्ध सख्त कार्रवाई की संस्तुति करेगी।

मुख्यमंत्री धामी ने कहा कि राज्य में हेली सेवाओं का महत्व तीर्थाटन, आपदा प्रबंधन और आपातकालीन सेवाओं के लिए अत्यधिक है, इसलिए इनमें सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी। उल्लेखनीय है कि आज (रविवार) सुबह केदारनाथ से गुप्तकाशी लौट रहा हेलिकॉप्टर गौरीकुंड के ऊपरी तरफ गौरी माई खर्क में क्रैश हो गया। इस हादसे में पायलट समेत सात लोगों की मौत हो गई।

निरीक्षण

मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड इरैडिएशन सेंटर का निरीक्षण किया

मुख्यमंत्री ने औद्योगिक क्षेत्र सिकंदरपुर, बिहटा की विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का किया निरीक्षण

एजेंसी (हि.स.)
पटना

फोटोः हि.स.

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने रविवार को बिहटा के सिकंदरपुर औद्योगिक क्षेत्र स्थित विभिन्न औद्योगिक इकाईयों का निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सबसे पहले आरके शर्ट्स यूनिट के निर्माण केन्द्र का निरीक्षण किया। साथ ही यहां तैयार किये जा रहे विभिन्न किस्म के शर्ट्स के निर्माण कार्यों को देखा और कार्यरत महिलाओं से बातचीत कर पूरी व्यवस्था की जानकारी ली। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने डीवी रंजन बैग कलस्टर द्वारा तैयार की जा रही बैग की निर्माण इकाई को देखा। इस दौरान वहां कार्यरत लोगों ने मुख्यमंत्री को बैग के निर्माण की पूरी प्रक्रिया तथा निर्मित बैग को दिखाया। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने अत्याधुनिक इंटीग्रेटेड इरैडिएशन सेंटर का निरीक्षण किया। इस दौरान पैकेज हाउस, कोल्ड स्टोरेज का जायजा लिया और वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली।

निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री ने कहा कि बहुत खुशी की बात है कि इस इंडस्ट्रीयल एरिया में कई औद्योगिक इकाइयां उत्पादों का निर्माण कर रही हैं। राज्य के युवक-युवतियों को रोजगार उपलब्ध कराने तथा उनमें उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री उद्यमी योजना की शुरूआत की गई है जिसके तहत यहां सभी वर्गों के लोग उद्यम की ओर आकर्षित हो रहे हैं और अपना रोजगार शुरू कर रहे हैं। राज्य में उद्योग के लिए अनुकूल माहौल है और राज्य सरकार उद्यमियों को हर प्रकार की सुविधा मुहैया करा रही है।हम युवाओं को रोजगार के लिए प्रोत्साहित कर रहे हैं और उन्हें सुविधाएं उपलब्ध करा रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि आरके शर्ट्स यूनिट में वर्तमान में 180 से अधिक स्थानीय युवक-युवतियां कार्यरत हैं, जो मशीन संचालन, डिजाइनिंग, सिलाई एवं पैकेजिंग जैसे कौशल कार्यों में संलग्न हैं। भविष्य में यह यूनिट लगभग 1200 कर्मियों को रोजगार देगी। आरके शर्ट्स प्राइवेट लिमिटेड को 2024 में शर्ट निर्माण हेतु 37,056 वर्ग फुट में फैला शेड नंबर बी-1 आवंटित किया गया था। अप्रैल 2025 से इस यूनिट में उत्पादन प्रारंभ हो चुका है।

डीवी रंजन बैग क्लस्टर हस्तनिर्मित, कैनवास, एवं कॉर्पोरेट गिफ्टिंग बैग्स के निर्माण में संलग्न है। यह इकाई महिला नेतृत्व वाले उद्यम का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां 80 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी महिलाएं हैं। इन महिलाओं को स्वयं सहायता समूहों एवं स्थानीय एनजीओ के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

हॉकी के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने इतिहास में दर्ज कराया अपना नाम

हॉकी आइकन मनप्रीत 400वीं बार भारत की जर्सी पहनकर मैदान पर उतरे

एजेंसी (हि.स.)
एंटवर्प

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज खिलाड़ी मनप्रीत सिंह रविवार को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैदान पर उतरते ही अपना नाम इतिहास में दर्ज कर लिया है। बेल्जियम के एंटवर्प में खेले जा रहे एफआईएच हॉकी प्रो लीग 2024-25 मुकाबले में हॉकी आइकन मनप्रीत 400वीं बार भारत की जर्सी पहनकर मैदान में उतरे और अपना नाम उन दिग्गजों की विशिष्ट सूची में शामिल कर लिया, जिन्होंने अटूट स्थिरता और दिल से विश्व मंच पर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई है।

पंजाब के 33 वर्षीय मिडफील्डर मनप्रीत सिंह अब पूर्व कप्तान और वर्तमान हॉकी इंडिया के अध्यक्ष डॉ. दिलीप टिर्की (412 कैप) से पीछे दूसरे सबसे ज्यादा मैच खेलने वाले भारतीय पुरुष खिलाड़ी हैं।

इस उपलब्धि पर भावुक मनप्रीत ने कहा कि मुझे अभी भी याद है कि मुझे अपने डेब्यू मैच में कैसा महसूस हुआ था। 400 मैच में यहां खड़े होना, मेरी कल्पना से परे है। यह उपलब्धिहर उस कोच के साथ साझा करता हूं जिसने मुझे आगे बढ़ाया, हर उस साथी खिलाड़ी के साथ जिसने मेरा साथ दिया और हर उस प्रशंसक के साथ जिसने मुझ पर तब विश्वास किया, जब मुझे इसकी सबसे ज्यादा जरूरत थी। मैं अभी भी सीख रहा हूं, अभी भी बढ़ रहा हूं और मैं आज भी उसी जोश के साथ खेलता हूं जैसा कि मैं 19 साल की उम्र में खेलता था।

फोटोः हि.स.

हॉकी इंडिया के अध्यक्ष और ऑल-टाइम कैप्स सूची में मनप्रीत से आगे एकमात्र भारतीय खिलाड़ी डॉ. दिलीप टिर्की ने इस उपलब्धि की सराहना की और कहा कि बहुत कम एथलीट इस स्तर की स्थिरता और धीरज हासिल करते हैं। मनप्रीत अपने सबसे परिवर्तनकारी दशक में भारतीय हॉकी की रीढ़ रहे हैं। उनकी फिटनेस, नेतृत्व और दबाव में संयम उन्हें सबसे अलग बनाता है। हमें उन्हें इस विरासत को इतनी शालीनता से आगे बढ़ाते हुए देखकर गर्व होता है।

हॉकी इंडिया के महासचिव भोला नाथ सिंह ने कहा कि 400 कैप्स केवल एक संख्या नहीं है- यह खेल के प्रति त्याग, अनुशासन और समर्पण पर बनी विरासत है। मनप्रीत ने भारत की जर्सी पहनने में पेशेवरता और गर्व का मानक स्थापित किया है। वह भारतीय हॉकी के सच्चे राजदूत और रोल मॉडल रहे हैं।

मनप्रीत द्वारा हासिल की गई उपलब्धियों की झलक

- 4 एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी खिताब (2013, 2018, 2023, 2024)।
- 2 एशियाई खेलों के स्वर्ण पदक (2014, 2023)।
- 2 ओलंपिक कांस्य पदक (2020, 2024)।
- 2 राष्ट्रमंडल खेलों के रजत पदक (2014, 2022)।
- 2014-15 और 2016-17 एफआईएच विश्व लीग और 2018 में हॉकी चैंपियंस ट्रॉफी में पोडियम स्थान हासिल किया।

प्राप्त सम्मान

- अर्जुन पुरस्कार-2018।
- एफआईएच पुरुष खिलाड़ी ऑफ द ईयर-2019।
- मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार- 2021।
- हॉकी इंडिया बलबीर सिंह सीनियर प्लेयर ऑफ द ईयर-2019।
- हॉकी इंडिया अजीत पाल सिंह अवॉर्ड फॉर मिडफील्डर ऑफ द ईयर-2014, 2021।

युवा अक्षत रघुवंशी की बल्लेबाजी के फैन हुए वेंकटेश अय्यर, बांधे तारीफों के पुल

एजेंसी (हि.स.)
ग्वालियर

मध्य प्रदेश टी20 लीग (एमपीएल) 2025 के पांचवें मुकाबले में इंदौर पिंक पैंथर्स ने जबलपुर रॉयल लायंस को 6 रन से हराकर सीजन की शानदार शुरूआत की। मैच के बाद टीम के कप्तान वेंकटेश अय्यर ने युवा बल्लेबाज अक्षत रघुवंशी की जमकर तारीफ की।

अय्यर ने कहा कि आज का असली हीरो अक्षत है। जिस तरह से उसने पूरे मैदान में शॉट्स लगाए, वह काबिले-तारीफ है। 21 साल की उम्र में मैंने इससे बेहतर टैलेंट नहीं देखा। मैं उसकी तरक्की के लिए दुआ करता हूं, भविष्य में वह बहुत आगे जाएगा।

अक्षत रघुवंशी ने मैच में 46 गेंदों पर 76 रनों की शानदार पारी खेली, जिसमें 7 चौके और 5 छक्के शामिल थे। उनकी इस पारी ने इंदौर को 20 ओवर में सात विकेट पर 183 रन तक पहुंचाया। जवाब में जबलपुर की टीम 20 ओवर में आठ विकेट खोकर 177 रन बना सकी। सलामी बल्लेबाज सिद्धार्थ पाटीदार ने 40, धर्मेश पटेल ने 55 रन और राहुल बाथम ने 58 रन बनाए। इनके अलावा अन्यकोई बल्लेबाज प्रभाव नहीं छोड़ सका इंदौर पिंक पैंथर्स की ओर से स्पिनर मिहिर हिरवानी ने 3 विकेट लिए। कप्तान वेंकटेश अय्यर ने भी गेंदबाजी में योगदान देते दो विकेट लिए। कुलवंत खेजरोलिया और पी. निरवानी ने एक-एक विकेट लिए।

फोटोः हि.स.

अय्यर ने आगे कहा, मेरे लिए आज की सबसे बड़ी बात मेरी गेंदबाजी थी। काफी समय बाद गेंद डाली, अनुभव अच्छा रहा। टूर्नामेंट की अहमियत पर अय्यर ने कहा कि एमपीएल मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए बहुत बड़ा प्लेटफॉर्म है। पिछली बार भी यहां से खिलाड़ी आईपीएल तक पहुंचे। ये सिर्फ एक मौका नहीं, बल्कि ज़िंदगी बदलने वाला मंच है। एमपीएल को इस बेहतरीन टूर्नामेंट के आयोजन का पूरा श्रेय जाता है। यह सिर्फ युवाओं के लिए नहीं, हमारे जैसे खिलाड़ियों के लिए भी एक अच्छा अभ्यास का मौका है। अंत में उन्होंने कहा, मैं नजर नहीं लगाना चाहता, लेकिन अक्षत और अर्पित से मुझे बहुत उम्मीदें हैं।

राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए मुरादाबाद के चार खिलाड़ी झारखंड के लिए रवाना

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
मुरादाबाद

जनपद मुरादाबाद के चार रोल बॉल खिलाड़ी 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता के लिए रविवार को झारखंड के लिए रवाना हो गए। जिला रोल बॉल संघ के सचिव शाहवेज अली ने रविवार को बताया कि मुरादाबाद के शिवओम सैनी, गोविंद गौर, सचिन सैनी और खेतान सैनी 16 जून से 21 जून तक झारखंड के रांची के स्टेडियम में आयोजित होने वाली राष्ट्रीय स्तर रोल बॉल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करेंगे। शाहवेज अली ने आगे बताया कि 5 वीं फेडरेशन कप राष्ट्रीय रोल बॉल प्रतियोगिता में देशभर से टॉप 10 राज्यों की टीमें प्रतिभाग करेंगी, जिसमे उत्तर प्रदेश,महाराष्ट्र, राजस्थान, केरल, कर्नाटक, झारखंड, जम्मू कश्मीर, पंजाब, उड़ीसा, चंडीगढ़ की टीमें शामिल है। इस अवसर पर जिला रोलबॉल संघ के अध्यक्ष गौरव गुप्ता, डॉ विनोद कुमार, डॉ जी कुमार, डॉ अजय शर्मा, डॉ गरिमा शर्मा ने खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं और बेहतर प्रदर्शन करने की कामना की।

निशांत देव ने पेशेवर मुक्केबाजी मुकाबले में जोस्यू सिल्वा पर शानदार जीत दर्ज की

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाज निशांत देव ने न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित मैडिसन स्क्वायर गार्डन थिएटर में सुपर वेल्टरवेट वर्ग में मैक्सिको के जोस्यू सिल्वा पर सर्वसम्मत जीत के साथ पेशेवर सर्किट पर अपनी शानदार शुरूआत जारी रखी। चौबीस वर्षीय निशांत देव ने छह दौर की प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन किया जिसमें तीनों जज ने उनके पक्ष में 60-54 अंक दिए। भारतीय मुक्केबाज का यह दूसरा पेशेवर मुकाबला था जिसमें उन्होंने दबदबे वाली जीत दर्ज की। यह मुकाबला रिचर्डसन हिचिन्स और जॉर्ज कंबोसोस जूनियर के बीच हुए हाई प्रोफाइल मुकाबले के अंडरकार्ड (मुख्य मुकाबले के साथ होने वाला मुकाबला) के रूप में खेल गया। निशांत नॉकआउट करने में असमर्थ रहे लेकिन उन्होंने मुक्कों के अपने बेहतरीन चयन से प्रभावित किया। जीत के बाद निशांत ने कहा, मैं सिर्फ नॉकआउट के लिए नहीं जाता बल्कि अपने कौशल को बेहतर बनाने की कोशिश करता हूं। मैंने सीखा है कि मुझे रिंग में अच्छा प्रदर्शन करना है और मुकाबला जीतना है।

स्टीव स्मिथ ने उंगली में लगी चोट से कुछ हफ्तों में उबरने की जताई उम्मीद

एजेंसी (हि.स.)
नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज स्टीव स्मिथ को उम्मीद है कि वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ विश्व टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) फाइनल के दौरान उंगली में लगी चोट से कुछ हफ्तों में उबर जाएंगे। स्मिथ को फाइनल मैच के तीसरे दिन फिल्डिंग के दौरान कैच पकड़ते समय यह चोट लगी थी।

आईसीसी ने स्मिथ के हवाले से लिखा कि मैं अब आठ सप्ताह तक स्प्लिंट में रहूंगा और शायद कुछ सप्ताह में खेल सकूंगा। उन्होंने कहा कि यह मेरी कार्यक्षमता और मेरी क्षमता पर निर्भर करेगा। स्मिथ ने कहा कि मैं हेलमेट पहने काफी करीब खड़ा था। हमारी योजना करीब खड़े होने की थी। मैं मिचेल स्टार्क की गेंदबाजी के एंगल के कारण गेंद को देख नहीं पाया। यह मुश्किल था, गेंद मेरे हाथ में ठीक से नहीं आई। सौभाग्य से

फोटोः हि.स.

हाथ में कोई फ्रैक्चर नहीं था।

स्मिथ लॉर्ड्स (लंदन) में खेले गए डब्ल्यूटीसी फाइनल के तीसरे दिन दक्षिण अफ्रीका टीम के कप्तान टेंबा बावुमा का स्लिप में कैच पकड़ने की कोशिश में चोटिल हुए थे। स्मिथ हेलमेट पहनकर काफी आगे खड़े थे। गेंदबाज मिचेल स्टार्क की तेज आती गेंद बावुमा के बल्ले का किनारा लेते हुए स्लिप में तेजी से स्मिथ के पास पहुंची। गेंद उनके हाथ से टकरा कर छटक गयी और वह दर्द में कराहते हुए दिखे। मैदान पर चिकित्सा मिलने के बाद वह बाहर चले गए।

36 वर्षीय खिलाड़ी भाग्यशाली रहे कि उन्हें सर्जरी से बचना पड़ा और वेस्टइंडीज के खिलाफ दौरे पर ऑस्ट्रेलिया की आगामी तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में खेलने का मौका है। यह सीरीज इसी महीने 25 जून से शुरू हो रही है। उल्लेखनीय है कि दक्षिण अफ्रीका ने शनिवार को ऑस्ट्रेलिया को हराकर आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2025 का खिताब जीता। फाइनल में ऑस्ट्रेलिया ने पहली पारी में 212 रन बनाए थे। इसके जवाब में दक्षिण अफ्रीका की टीम पहली पारी में 138 रन पर ढेर हो गई। दूसरी पारी में ऑस्ट्रेलिया ने 207 रनों का स्कोर बनाया और दक्षिण अफ्रीका के सामने 282 रनों का लक्ष्य रखा। इस लक्ष्य को दक्षिण अफ्रीका की टीम ने चौथे दिन 5 विकेट खोकर हासिल कर लिया। सलामी बल्लेबाज एडन मारक्रम ने शानदार 136 रनों की शतकीय पारी खेली। कप्तान टेम्बा बावुमा ने 66 रन बनाए।

भारत को प्रो लीग में मिली लगातार छठी हार, ऑस्ट्रेलिया ने 2-3 से शिकस्त दी

फोटोः हि.स.

एजेंसी (हि.स.)
एंटवर्प (बेल्जियम)

भारतीय पुरुष हॉकी टीम का एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में खराब प्रदर्शन जारी रहा और रविवार को उसे ऑस्ट्रेलिया से 2-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारत पहले ही नीदरलैंड और अर्जेंटीना से मैच हार चुका है। यह सभी मुकाबले हालांकि करीबी रहे थे।

अपना 400वां मैच खेलने वाले पूर्व भारतीय कप्तान मनप्रीत सिंह अपनी टीम को प्रेरित करने में असफल रहे। भारत के लिए संजय (तीसरे मिनट) और दिलप्रीत सिंह (36वें मिनट) ने गोल किए, जबकि ऑस्ट्रेलिया के लिए टिम ब्रैंड (चौथे), ब्लैक गोवर्स (पांचवें) और कूपर बर्न्स (18वें मिनट) ने गोल किए।।ारत ने सकारात्मक शुरूआत करते हुए दबदबा बनाया और मैच के तीसरे मिनट में ही संजय के गोल से बढ़त हासिल कर ली। संजय ने शुरूआती पेनल्टी कॉर्नर के रिबाउंड पर गोल किया। टीम की यह खुशी हालांकि ज्यादा देर तक नहीं टिक पाई क्योंकि एक मिनट के बाद ही ऑस्ट्रेलिया ने बराबरी का गोल दाग दिया।

पुरी के जगन्नाथ मंदिर के बारे में महत्तवपूर्ण जानकारी

भारत के ओडिशा राज्य के पवित्र शहर पुरी में स्थित पुरी जगन्नाथ मंदिर भगवान विष्णु के एक रूप भगवान जगन्नाथ को समर्पित एक पूजनीय हिंदू मंदिर है। अपने समृद्ध इतिहास, अनोखे अनुष्ठानों और वास्तुकला की भव्यता के लिए जाना जाने वाला यह मंदिर दुनिया भर से भक्तों को आकर्षित करता है। जगन्नाथ मंदिर भारतीय उपमहाद्वीप की गहन आध्यात्मिक मान्यताओं और सांस्कृतिक विरासत का एक प्रमाण है।

मंदिर के बारे में

श्री जगन्नाथ मंदिर, भगवान विष्णु के एक रूप जगन्नाथ को समर्पित एक महत्वपूर्ण हिंदू मंदिर है, जो भारत के पूर्वी तट पर ओडिशा राज्य के पुरी में स्थित है। अवंती के राजा इंद्रद्युम्न ने शुरू में मुख्य मंदिर का निर्माण करवाया था। पूर्वी गंगा राजवंश के पहले शासक अनंतवर्मन चोडगंगा द्वारा शुरू किए गए परिसर के भीतर पहले से मौजूद मंदिरों के स्थल पर 10वीं शताब्दी में पुनर्निर्माण शुरू हुआ। विभिन्न अफवाहों के बावजूद, उनका समर्थन करने वाला कोई ठोस सबूत नहीं है। वैष्णव परंपरा में 108 अभिमान क्षेत्रों में से एक के रूप में इस मंदिर का विशेष स्थान है।

मंदिर का इतिहास

श्री जगन्नाथ मंदिर पुरी का इतिहास सदियों पुराना है, जिसमें मिथक, किंवदंती और ऐतिहासिक विवरण आपस में जुड़े हुए हैं। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान जगन्नाथ अपने भाई-बहनों भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा के साथ वैकुंठ के आध्यात्मिक क्षेत्र से पुरी में अवतरित हुए थे। यह दिव्य कथा हिंदू संस्कृति में मंदिर के महत्वपूर्ण महत्व को स्थापित करती है।

शुरू में, मंदिर का निर्माण एक साधारण लकड़ी के मंदिर के रूप में किया गया था, लेकिन बाद के शासकों और भक्तों ने इसके विस्तार और वृद्धि के लिए खुद को समर्पित कर दिया। सदियों से, मंदिर में कई जीर्णोद्धार और पुनर्निर्माण हुए, जिनमें से प्रत्येक ने इसके इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ा। जगन्नाथ मंदिर के इतिहास का एक उल्लेखनीय पहलू यह है कि इसने कई आक्रमणों और प्राकृतिक आपदाओं का सामना करते हुए अपनी दृढ़ता दिखाई, और प्रत्येक चुनौती के साथ यह और अधिक मजबूत और अधिक पूजनीय होता गया।

पुरी जगन्नाथ मंदिर की वास्तुकला

- पुरी जगन्नाथ मंदिर, भारत के ओडिशा राज्य के पुरी में स्थित है, जो कलिंग स्थापत्य शैली का अनुसरण करता है।
- यह मंदिर भगवान विष्णु के एक रूप भगवान जगन्नाथ तथा उनके भाई-बहन भगवान बलभद्र और देवी सुभद्रा को समर्पित है।
- मुख्य मंदिर संरचना में एक गर्भगृह (गर्भगृह), एक मंडप, और एक ऊंचा शिखर (शिखर) है जो गर्भगृह से ऊपर उठता है।
- मंदिर परिसर एक ऊंची किलेबंद दीवार से घिरा हुआ है, जिसमें चार द्वार हैं, जिनमें से प्रत्येक अलग-अलग दिशाओं की ओर खुलता है।
- परिसर के केंद्र में मुख्य मंदिर है, जिसे विमान या देउला के नाम से जाना जाता है, जिसमें देवताओं की प्रतिमाएं स्थापित हैं।
- मंदिर का निर्माण बलुआ पत्थर और लैटेराइट से किया गया है, जिसमें हिंदू पौराणिक कथाओं के विभिन्न दृश्यों को दर्शाने वाली जटिल नक्काशी की गई है।
- जगन्नाथ मंदिर की ऊंचाई लगभग 65 मीटर (214 फीट) है।
- मुख्य मंदिर छोटी संरचनाओं से घिरा हुआ है जिन्हें गोपुरम कहा जाता है, जो आंतरिक गर्भगृह के प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करते हैं।
- मुख्य शिखर के ऊपर लगा झंडा प्रतिदिन बदला जाता है, जो अंदर देवता की उपस्थिति का संकेत देता है।

पुरी जगन्नाथ मंदिर के देवता

- पुरी जगन्नाथ मंदिर भगवान विष्णु के अवतार भगवान जगन्नाथ को समर्पित है, तथा इसमें कई अन्य देवी-देवताओं की भी प्रतिमाएं स्थापित हैं।
- मंदिर के मुख्य देवता भगवान जगन्नाथ, उनके भाई बलभद्र और उनकी बहन सुभद्रा हैं। उनकी सामूहिक रूप से पूजा की जाती है और उन्हें लोकप्रिय रूप से 'पवित्र त्रिमूर्ति' या 'जगन्नाथ त्रय' के रूप में जाना जाता है।
- भगवान जगन्नाथ को एक गहरे रंग की लकड़ी की मूर्ति के रूप में दर्शाया गया है, जिसकी बड़ी गोल आँखें और मुस्कुराता हुआ चेहरा है। बलभद्र को एक लंबे, मांसल व्यक्ति के रूप में दर्शाया गया है, जबकि सुभद्रा को एक छोटी मूर्ति के रूप में दर्शाया गया है, जिसका स्वरूप स्त्री जैसा है।
- विशिष्ट अनुष्ठानों और त्योहारों के अनुसार देवताओं को विस्तृत वस्त्र, आभूषण और फूल मालाओं से सुसज्जित किया जाता है।
- ओडिशा के पुरी जगन्नाथ मंदिर में भगवान जगन्नाथ की पूजा धार्मिक परंपराओं में गहराई से निहित है। यह दुनिया भर के भक्तों के लिए एक महत्वपूर्ण तीर्थस्थल है।
- रथ यात्रा या रथ महोत्सव, विश्व भर से लाखों तीर्थयात्रियों को आकर्षित करता है, जिसमें पुरी की सड़कों पर भव्य रथों पर देवताओं की औपचारिक शोभायात्रा निकाली जाती है।

अविवाहित प्रेमी जोड़ों का जगन्नाथ मंदिर में प्रवेश है वर्जित

ओडिशा के जगन्नाथ पुरी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के भक्तों का सबसे बड़ा और पवित्र उत्सव रथ यात्रा इस वर्ष 27 जून 2025 से शुरू हो रहा है। आषाढ़ शुक्ल पक्ष की द्वितीया तिथि से प्रारंभ होने वाली यह यात्रा हर साल लाखों श्रद्धालुओं को पुरी की ओर खींच लाती है। देश-विदेश से भक्त इस भव्य आयोजन में भाग लेने आते हैं, जहां भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और सुभद्रा के रथ पूरे विधि-विधान के साथ नगर भ्रमण पर निकलते हैं। पुरी का यह मंदिर सिर्फ श्रद्धा और आस्था का केंद्र नहीं है, बल्कि यह कई ऐसे रहस्यों से जुड़ा है जिन्हें आज तक विज्ञान भी स्पष्ट रूप से समझा नहीं सका है। इन्हीं परंपराओं में एक यह भी है कि अविवाहित प्रेमी जोड़ों को मंदिर परिसर में प्रवेश की अनुमति नहीं दी जाती। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, यह नियम मंदिर की पवित्रता और मयार्दा को बनाए रखने के लिए है। ऐसा माना जाता है कि मंदिर परिसर विवाहपूर्व संबंधों को स्वीकार नहीं करता, और यहां केवल पारंपरिक और वैवाहिक आस्थावान भक्तों को दर्शन की अनुमति दी जाती है।

रहस्यों से भरा है जगन्नाथ पुरी मंदिर

ओडिशा का जगन्नाथ पुरी मंदिर सिर्फ एक तीर्थस्थल नहीं, बल्कि रहस्यों और चमत्कारों का घर है। यह मंदिर न केवल भगवान श्रीकृष्ण, बलभद्र और सुभद्रा की रथ यात्रा के लिए विश्वप्रसिद्ध है, बल्कि यहां ऐसी अनेक घटनाएं होती हैं जिन्हें विज्ञान आज तक नहीं समझा पाया है। पुरी समुद्र के किनारे स्थित है, लेकिन जैसे ही कोई भक्त मंदिर के मुख्य परिसर में प्रवेश करता है, समुद्र की लहरों की आवाज पूरी तरह से बंद हो जाती है। मंदिर से बाहर आते ही वही आवाज फिर स्पष्ट रूप से सुनाई देती है। यह बात न केवल आश्चर्यजनक है, बल्कि अब तक वैज्ञानिक रूप से इसका कोई ठोस कारण भी नहीं मिल पाया है।

मंदिर की परछाईं नहीं बनती, प्रसाद नहीं होता खत्म

जगन्नाथ मंदिर की एक और रहस्यमयी बात यह है कि दिन के किसी भी समय, चाहे सूरज किसी भी दिशा में हो, मंदिर की परछाईं जमीन पर नहीं पड़ती। यह असंभव-सा लगता है लेकिन वास्तविकता है, जिसे आज तक कोई वैज्ञानिक ढंग से सिद्ध नहीं कर पाया।

मंदिर परिसर में स्थित अन्न रसोई को दुनिया की सबसे बड़ी रसोई कहा जाता है। यहां हर दिन हजारों भक्तों के लिए भोजन तैयार होता है। विशेष बात यह है कि चाहे जितनी भी भीड़ हो, आज तक ऐसा कभी नहीं हुआ कि कोई भक्त प्रसाद से वंचित रह गया हो। यहां भोजन बनाने का पारंपरिक तरीका और इसकी योजना भी एक चमत्कार जैसा ही है।

अखिल भारतीय महापौर परिषद की 115वीं कार्यकारी परिषद की बैठक आयोजित

'जब तक पावर नहीं मिलेगी, तब तक जनता की पूरी तरह से सेवा करना असंभव'

संवाददाता
पंचकूला

- दो दिवसीय ऑल इंडिया मेयर्स काउंसिल सम्मेलन में देशभर से आए मेयरों ने एकमत होकर कार्यकाल पांच साल करने और अधिक पावरें देने पर दिया जोर

दो दिवसीय ऑल इंडिया मेयर्स काउंसिल सम्मेलन में देशभर से आए मेयरों ने एकमत होकर मेयरों का कार्यकाल पांच साल करने और उन्हें अधिक पावर देने पर जोर दिया। मेयरों ने कहा कि जब तक उन्हें पावर नहीं मिलेगी, तब तक जनता की पूरी तरह से सेवा करना असंभव है। यह सम्मेलन पंचकूला के मेयर कुलभूषण गोयल ने अमरावती एन्क्लेव में आयोजित किया। कुलभूषण गोयल ने ऑल इंडिया मेयर्स काउंसिल की राष्ट्रीय अध्यक्ष माधुरी अतुल पटेल व अन्य मेयरों का स्वागत किया। कुलभूषण गोयल ने कहा कि आज सबसे पहले हरियाणा के सभी मेयरों की मीटिंग हुई, जिसमें मेयरों की पावर बढ़ाने और अधिकारियों से काम करवाने की पावर दिलाने पर चर्चा हुई। सोमवार को ये प्रस्ताव हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के समक्ष रखे जाएंगे।

कुलभूषण गोयल ने कहा कि सोमवार को इस बात पर चर्चा होगी कि शहरों को साफ रखने के लिए क्या-क्या तकनीक अपनाई जा रही है। मुख्यमंत्री से मार्गदर्शन मिलेगा। ओपन हाउस मीटिंग होगी, जिसमें कोई भी मेयर अपनी बात रख सकता है। प्रदेश स्तर पर महापौर के अधिकारों और जनहित में विकास कार्य करवाने में आने वाली बाधाओं पर चर्चा होगी, शहरों में बढ़ती जनसंख्या और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन पर चर्चा होगी, ग्रेटर नोएडा में परिषद के कार्यालय के निर्माण पर चर्चा होगी, महापौरों के प्रशिक्षण पर चर्चा होगी। बैठक में वर्ष 2024-25 की ऑडिट रिपोर्ट पर चर्चा होगी।

देश के शहरी निकायों की दिशा और दशा तय करने के लिए पंचकूला में आयोजित अखिल भारतीय महापौर परिषद की 115वीं कार्यकारी परिषद की बैठक की कार्यसमिति के कार्यों के बारे में पत्रकारों से जानकारी साझा की गई। बैठक की मेजबानी पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल कर रहे हैं। दो दिवसीय इस राष्ट्रीय सम्मेलन में देशभर से 45 से अधिक महापौर भाग ले रहे हैं, जिसमें शहरी शासन के ज्वलंत मुद्दों पर चर्चा की जाएगी। प्रेस कॉन्फ्रेंस में देवास सम्मेलन की समीक्षा, नई कार्यकारिणी का परिचय, प्रदेश स्तरीय संगठन का गठन, महापौरों के अधिकार और विकास कार्यों की चुनौतियों, शहरी आबादी के दबाव और सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन जैसे विषयों पर गंभीर चर्चा के बारे में पत्रकारों से जानकारी साझा की गई। इस अवसर पर इंदौर के महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने देश के सबसे स्वच्छ शहर इंदौर में स्वच्छता कार्यों सहित किए जा रहे विकास कार्यों के बारे में व्यापक जानकारी साझा की। पूर्व मंत्री और अखिल भारतीय महापौर परिषद के महासचिव उमाशंकर गुप्ता ने कहा कि दो दिवसीय महापौर सम्मेलन में विभिन्न विषयों पर चर्चा की जा रही है।

इस अवसर पर बुरहानपुर की मेयर माधुरी अतुल पटेल, राष्ट्रीय महासचिव उमाशंकर गुप्ता, कानपुर की मेयर प्रमिला पांडे, अयोध्या के मेयर महंत गिरीशपति त्रिपाठी, बिलासपुर की मेयर पूजा विधानी जी, फरीदाबाद के मेयर प्रवीण जोशी, हलद्वानी के मेयर गजराज सिंह बिष्ट, अलीगढ़ के मेयर प्रशांत सिंघल, लखनऊ की मेयर सुषमा खर्कवाल, करनाल की मेयर रेनू बाला गुप्ता, यमुनानगर की मेयर सुमन बहमनी, गुरुग्राम की मेयर राजरानी मल्होत्रा, रोहतक के मेयर राम अवतार वाल्मिकी, अंबाला की मेयर शैलजा सचदेवा और मेयर अन्य शहरों के लोग उपस्थित थे।

चंडीगढ़ निवासियों ने भारी तादाद में सत्य पाल जैन को 73वें जन्मदिवस पर बधाई दी

संवाददाता
चंडीगढ़

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय, पंजाब विधानसभा के अध्यक्ष कुलतार सिंह संधवां, भाजपा अध्यक्ष जितेन्द्र मल्होत्रा, पूर्व महापौर देवेश मौदगिल, पंजाब विश्वविद्यालय की उपकुलपति रेणु विज सहित सैंकड़ों महानुभावों ने रविवार को चंडीगढ़ के पूर्व सांसद एवं भारत सरकार के अपर महासालिसिटर सत्य पाल जैन को उनके जन्म दिवस के अवसर पर उनके निवास स्थान पर जाकर बधाई एवं शुभकामानायें दी तथा उनकी दीर्धआयु एवं उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने शॉल पहनाकर तथा फूलों के गुलदस्तें भेंट करके जैन को सम्मानित किया।

पंजाब के राज्यपाल गुलाब चन्द कटारिया ने अपने राजस्थान के दौरे पर जाने से पहले जैन को बधाई दी। हरियाणा के मुख्य मंत्री नायब सिंह सैनी, सांसद सतनाम सिंह संधू, सांसद हर्ष महाजन सहित काफी महानुभावों ने जैन को फोन पर जन्मदिवस की बधाई दी। सत्य पाल जैन ने आज अपना 73वां जन्मदिवस बड़ी सादगी के साथ अपने घर पर ही मनाया। सैकड़ों की तादाद में शहर के विभिन्न भागों से आये लोगों ने उन्हें बधाई दी। इस अवसर पर मिठाईयां भी बांटी गई और लोगों का मुंह मीठा भी करवाया गया।

जैन ने प्रातः अपने घर में अपने पूरे परिवार सहित पूजा अर्चना की तथा पूजा अर्चना के बाद ही जन्मदिवस के कार्यक्रम की शुरूआत की। लोगों के भारी जनसमूह को देखकर जैन कई बार भावुक भी हुये। उन्होंने कहा कि जनता का यह प्यार और स्नेह ही उनकी असली पूंजी है। यह उल्लेखनीय है कि जैन जाने माने संविधान विषेषज्ञ है तथा भारतीय जनता पार्टी के कई प्रमुख नेताओं की अदालतों में पैरवी कर चुके हैं। वे दो बार चंडीगढ़ से लोकसभा के सदस्य चुने गये तथा पिछले 48 वर्षों से लगातार पंजाब विश्वविद्यालय की सीनेट के सदस्य हैं। पिछले 10 वर्षों से वह चंडीगढ़ में भारत सरकार के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल के पद पर कार्यरत हैं।

जैन का जीवन संघर्ष, सेवा और सिद्धांतों का प्रतीक हैः मल्होत्रा

संवाददाता
चंडीगढ़

भारतीय जनता पार्टी, चंडीगढ़ के प्रदेश अध्यक्ष जितेन्द्र पाल मल्होत्रा ने आज वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व सांसद सत्यपाल जैन से उनके निवास स्थान पर भेंट की और उन्हें 73वें जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर जितेन्द्र पाल मल्होत्रा ने कहा कि सत्यपाल जैन का राजनीतिक जीवन युवाओं के लिए एक प्रेरणास्त्रोत है। उन्होंने देश की न्यायपालिका, संसद और सामाजिक सेवा तीनों ही क्षेत्रों में अनुकरणीय योगदान दिया है। वे न केवल एक कुशल अधिवक्ता और प्रभावशाली सांसद रहे हैं, बल्कि भारतीय जनता पार्टी के संगठनात्मक ढांचे को सशक्त बनाने में भी उनका अहम योगदान रहा है। सत्यपाल जैन का जीवन संघर्ष, सेवा और सिद्धांतों का प्रतीक है। उन्होंने चंडीगढ़ में भाजपा को मजबूत आधार देने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। उनका मार्गदर्शन कार्यकर्ताओं को सदैव ऊर्जा और दिशा देता है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि वे दीर्घायु हों और सदैव स्वस्थ, सक्रिय और प्रेरणादायी बने रहें। जन्मदिन के अवसर पर भाजपा कार्यकर्ताओं, शुभचिंतकों और समाज के विभिन्न वर्गों ने भी उन्हें शुभकामनाएं दीं। सोशल मीडिया पर भी अनेक कार्यकर्ताओं ने उन्हें उनके जीवन, कार्यशैली और मूल्य आधारित राजनीति के लिए धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम के दौरान पार्टी के अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी भी मौजूद रहे। माहौल आत्मीयता और सम्मान से परिपूर्ण रहा।

श्री माता मनसा देवी पर चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू

पंचकूला। श्री माता मनसा देवी श्राइन बोर्ड की मुख्य प्रशासक एवं उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के मंदिरों में चोला अर्पित करने की ऑनलाइन बुकिंग प्रक्रिया शुरू हो गई है। उन्होंने बताया कि 16 जून से 5 जुलाई के दौरान चोला अर्पित करने की प्रक्रिया शुरू की जाएगी। उन्होंने बताया कि श्री माता मनसा देवी पूजास्थल बोर्ड के श्री माता मनसा देवी मुख्य मंदिर, पटियाला मन्दिर व सती मंदिर पंचकूला, श्री काली माता मंदिर कालका व श्री चण्डीमाता मंदिर, चण्डी मंदिर में देवी को चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाईन बुकिंग प्रक्रिया के माध्यम से माता को दिनांक 16 जून से 5 जुलाई की अवधि के दौरान चोला अर्पित करने के लिये ऑनलाइन बुकिंग 11 जून प्रातः 10 बजे से 'पहले आओ पहले पाओ' के आधार पर शुरू कर दी है। उन्होंने बताया कि सभी इच्छुक श्रद्धालु लाभ उठाने के लिए पूजास्थल बोर्ड की वैबसाईट www.mansadevi.org.in पर रजिस्ट्रेशन कर प्रक्रिया में सम्मिलित हो सकते है।

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला ने किया वॉकथॉन का आयोजन

संवाददाता
पंचकूला

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस 2025 के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय आयुर्वेद संस्थान, पंचकूला द्वारा सेक्टर-5 स्थित यवनिका पार्क में आज प्रातः वॉकथॉन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का आयोजन माननीय कुलपति प्रोफेसर संजीव शर्मा के मार्गदर्शन में किया गया।

यह वॉकथॉन प्रातः 6:00 बजे से 8:00 बजे तक आयोजित हुआ, जिसमें पंचकूला के नागरिकों, विद्यार्थियों, अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। कार्यक्रम में एसडीएम श्री चंद्रकांत कटारिया मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे, जिन्होंने वॉकथॉन को फ्लैग-ऑफ कर शुभारंभ किया।

अन्य विशिष्ट अतिथियों में प्रो. संजीव शर्मा (कुलपति), डॉ. शैलजा छाबड़ा (प्राचार्य, पी.जी. गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर 1, पंचकूला), मुख्य कार्यकारी अभियंता श्री वीरेन्द्र सिंह, प्रोफेसर सतीश गन्धर्व (डीन इंचार्ज), डॉ. गौरव गर्ग (डीएमएस समन्वयक) सहित कई गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

सहायक प्रोफेसर डॉ. रितेश ने मंच संचालन को कुशलतापूर्वक संभाला और कार्यक्रम का नेतृत्व वॉकथॉन समिति ने किया। मुख्य अतिथि एवं कुलपति महोदय ने योग को दैनिक जीवन का अभिन्न अंग बनाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि नियमित योगाभ्यास तनावमुक्त जीवन की ओर ले जाता है एवं मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अत्यंत आवश्यक है।

इस आयोजन में संस्थान के लगभग 350 प्रतिभागियों ने भाग लिया। प्रतिभागियों के लिए खफ्फ फार्मास्यूटिकल्स द्वारा रिफ्रेशमेंट और कोटेकल फार्मास्यूटिकल्स द्वारा कैप्स की व्यवस्था की गई थी।

कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में योग एवं आयुर्वेद के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा नागरिकों को स्वस्थ एवं संतुलित जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा। कार्यक्रम का आयोजन वॉकथॉन समिति द्वारा सफलतापूर्वक किया गया।

संक्षिप्त-समाचार

डॉ. अनीश गर्ग को श्री हिंदू तख्त के प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी

चंडीगढ़। श्री हिंदू तख्त की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक रविवार को चंडीगढ़ में हुई जिसमें संस्था के राष्ट्रीय अध्यक्ष परवीन कुमार ने संस्थापक महामंडलेश्वर प्रकाशानंद एवं कृष्णानंद जी की उपस्थिति में शहर के प्रसिद्ध समाजसेवी एवं ओजस्वी कवि डॉ. अनीश गर्ग को राष्ट्रीय प्रवक्ता नियुक्त किया। इस अवसर पर उन्हें शाल एवं नियुक्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। संस्था के राष्ट्रीय महासचिव प्रीतम सिंह ने बताया कि डॉ. अनीश गर्ग एक प्रतिष्ठित एवं प्रभावशाली व्यक्ति हैं और इनकी राष्ट्र भावना और धर्म के प्रति आस्था को देखते हुए इन्हें इस अति महत्वपूर्ण पद के लिए नियुक्त किया गया। डॉ अनीश गर्ग जाने-माने वीर रस के राष्ट्रीय कवि हैं और संस्कार भारती, चंडीगढ़, करॉफड एवं आचार्य कुल आदि संस्थाओं में महत्वपूर्ण पदों पर हैं। उनकी सहभागिता से संगठन की मजबूती और बढ़ेगी। डॉ. अनीश गर्ग ने आश्वासन दिया कि वो धर्म के प्रचार प्रसार और वैदिक प्रथाओं को प्रखर करने के लिए हर संभव प्रयास करेंगे और इसके साथ ही जबरन धर्म परिवर्तन, लव जिहाद और सोशल मीडिया पर सनातन धर्म की महिमा को धूमिल करने वालों के विरुद्ध कड़ा संज्ञान लेंगे। उन्होंने राष्ट्रीय अध्यक्ष परवीण कुमार का आभार व्यक्त किया।

मां के दर पर नवाया शीश, सुखना लेक पर की बोटिंग

पंचकूला। देश भर से पंचकूला में ऑल इंडिया मेयर कॉन्फ्रेंस में भाग लेने पहुंचे मेयरों ने रविवार को भारत के ऐतिहासिक माता मनसा देवी मंदिर में दर्शन किए और पूजा अर्चना की। मेयरों ने कहा कि पंचकूला एक धार्मिक नगरी के तौर पर विकसित हो रही है और माता मनसा देवी का पौराणिक इतिहास है। हम जब अपने क्षेत्रों से चले थे, तो दिल में तमन्ना थी की मां मनसा देवी के दर्शन करेंगे और पंचकूला के महापौर कुलभूषण गोयल ने उनकी इस तमन्ना को पूरा कर दिया। इसके बाद महापौरों ने रॉक गार्डन चंडीगढ़ का भी दौरा किया। यहां पर अलग-अलग कलाकृतियां देखकर उनका मन काफी प्रसन्न हुआ। चंडीगढ़ की महापौर हरप्रीत कौर बबला ने देशभर के महापौरों का यहां पर पहुंचने पर स्वागत किया और कुलभूषण गोयल को आल इंडिया मेयर कांफ्रेंस आयोजित करने पर बधाई दी। इसके बाद महापौरों ने सुखना झील पर भी घूमने का अवसर मिला। महापौरों ने वोटिंग काफी आनंद उठाया।

11वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर अधिक से अधिक लोग भाग लें : उपायुक्त मोनिका गुप्ता

पंचकूला। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने कहा कि आगामी 21 जून को 11वां अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस समारोह जिला में योग प्रोटोकॉल की पालना करते हुए गरिमामयी ढंग से मनाया जाएगा। इस अवसर पर अधिक से अधिक लोग अपनी भागीदारी सुनिश्चित करें। लोगों की सहभागिता सुनिश्चित करने के लिए आयुष विभाग ने विशेष ऑनलाइन पंजीकरण पोर्टल और टोल-फ्री नंबर +91-9501131800 जारी किया है। टोल फ्री नंबर पर कॉल करके अधिक जानकारी दी जा सकती है। उपायुक्त मोनिका गुप्ता ने बताया कि आयुष विभाग के www.internationalyogadayhry.in विशेष पोर्टल के माध्यम से पंजीकरण प्रक्रिया जारी है। इस पोर्टल पर जाकर पंजीकरण किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी योग दिवस पर लोगों की अभूतपूर्व भागीदारी रहेगी और जन-जन तक योग का संदेश पहुंचेगा।

एसएसओसी ने कनाडा में छिपे आतंकी अर्श डल्ला के दो गुर्गों को किया गिरफ्तार

- अदालत में पेश कर चार दिन का मिला पुलिस रिमांड

संवाददाता
मोहाली

पंजाब पुलिस के स्टेट स्पेशल ऑपरेशन सेल (एसएसओसी) ने कनाडा में छिपे आतंकी अर्श डल्ला के दो गुर्गों को गिरफ्तार करने में बडी सफलता हासिल किया है। पुलिस का दावा है कि आरोपी टारगेट किलिंग की तैयारी में थे, लेकिन उससे पहले ही पुलिस ने उन पर कार्रवाई कर दी।

गौरतलब है कि एसएसओसी मोहाली ने अर्श डल्ला गिरोह के दो गुर्गों को गिरफ्तार कर आरोपियों के पास से जिंगा कंपनी की एक विदेशी पिस्तौल और नौ जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। इतना ही नहीं गिरफ्तार आरोपियों को मोहाली अदालत में पेश कर चार दिन की पुलिस हिरासत में भेज दिया गया है। प्राप्त जानकारी के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों की पहचान कवलजीत निवासी धर्मकोट और नवदीप सिंह उर्फ हनी निवासी बुधवाल के रूप में हुई है।

उक्त आरोपी अर्श डल्ला के इशारे पर पंजाब में प्रतिद्वंद्वी गिरोहों के गुर्गों की टारगेट किलिंग और हत्याएं करते थे और किसी बडी वारदात के पिफराक में थे, लेकिन इससे पहले वो कुछ कर पाते कि मोहाली पुलिस के हाथ चढ गए। पुलिस के मुताबिक आरोपित अर्श डल्ला के इशारे पर पंजाब में जबरन वसूली का रैकेट भी चलाते थे। अब पुलिस रिमांड हासिल होने के बाद उम्मीद जताई जा रही है कि गिरफ्तार किए गए आरोपितयों से कई तरह के अहम जानकारी निकल कर सामने आएगी।

श्री हरि सिमरन सेवा समिति की छबील में अनेक गणमान्यों ने भी की सेवा

चंडीगढ़। श्री हरि सिमरन सेवा समिति, चंडीगढ़ ने अपने स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में सेक्टर 46-ए में छब्बील का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि पूर्व सांसद एवं भारत सरकार के एडीशनल सॉलिसिटर जनरल सत्यपाल जैन ने उद्घाटन करने के पश्चात लोगों को मीठा पानी भी वितरित किया। उनके साथ-साथ अनेक गण्यमान्य समाजसेवियों एरिया पार्षद गुरप्रीत गापी, वरिष्ठ भाजपा नेता भूपिंदर शर्मा, पीजीआई के वरिष्ठ चिकित्सक डॉ अनिरुद्ध उनियाल, हिंदू पर्व महासभा के अध्यक्ष बीएल अरोड़ा, अनामिका वालिया, मणिनिर्मल, रविंदर मलिक, एलडी शर्मा, मुकेश शास्त्री, रूबी गुप्ता, बबीता सैनी, सुरेंद्र कोठारी, कांति देवी, राज रानी, मोहन, प्रीति जिंदल, नैंसी, दीपा मेहता, कीर्ति, मानसी रावत, तरूणा, एपी शर्मा, धीरज कुमार, रोहन, दीपाली, प्रेम निवास व बादल ने भी सेवा कार्य में हाथ बंटाया। जैन ने लोगों के कल्याण के लिए लगातार विभिन्न सामाजिक एवं धार्मिक समारोहों के आयोजन में समिति की भूमिका की सराहना की।

श्रद्धा और भक्ति से गूंजा पंचकूला, श्री साईं श्रद्धा भजन संध्या का हुआ भव्य आयोजन

संवाददाता
पंचकूला

इंद्रधनुष ऑडिटोरियम, सेक्टर-5, पंचकूला में शाम श्रद्धा और भक्ति के रंगों में रंग गई, जब श्री साईं सेवा संगठन द्वारा आयोजित 'श्री साईं श्रद्धा भजन संध्या ने सैकड़ों श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक ऊर्जा से सराबोर कर दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ शाम 6 बजे विधिपूर्वक साईं बाबा की पूजा-अर्चना से हुआ। यह भक्ति संध्या रात्रि 9 बजे तक चली, जिसमें प्रमुख भजन गायक मोहित गुप्ता ने एक से बढ़कर एक भजन प्रस्तुत कर श्रोताओं को भावविभोर कर दिया। मंच का संचालन दिल्ली से आए शंकर अनुरागी ने प्रभावशाली शैली में किया।

भजनों की शुरूआत 'जय गणेश जय महादेव' से हुई, जिसके बाद 'दीवाना तेरा आया बाबा तेरी शिर्डी में', 'चरणों में अपने रहने दे मुझको', 'ना तो शिर्डी की गलियां सोती हैं', 'बम भोले बम भोले बम बम बम', 'चलो बुलावा आया है माता ने बुलाया है', 'अरे द्वारपालों कन्हैया से कह दो', 'शिर्डी वाले साईं बाबा', 'भर दो झोली मेरी साईं बाबा', 'साईं तेरे नच दे मलंग वेख लै' और 'हम बाबा वाले हैं' जैसे भावपूर्ण भजनों ने समां बाँध दिया।

साईं भजन संध्या के सफल आयोजन में सुरेंद्र गुप्ता, अमित भंडारी, प्राग सतीजा, नवीन चंदर, मेहुल कपूर, हरप्रीत सिंह, दर्शन लाल और सौरभ शर्मा, ब्रिज अग्रवाल व के के शर्मा का विशेष योगदान रहा।

'बुजुर्ग हमारे समाज के स्तंभ हैं, जिनके पास अनुभव, ज्ञान और प्रेम का खजाना'

चंडीगढ़ के सेक्टर-15 स्थित वृद्धाश्रम में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' आयोजित

संवाददाता
चंडीगढ़

- राष्ट्रीय हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 15100 और नालसा ऐप के बारे में भी किया जागरूक

हर साल 15 जून को, विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस बुजुर्गों के साथ होने वाले दुर्व्यवहार, उपेक्षा और दुर्व्यवहार के बारे में जागरूकता बढ़ाने के लिए विश्व स्तर पर मनाया जाता है। यह दिन हमारे वरिष्ठ नागरिकों की गरिमा, सुरक्षा और अधिकारों की रक्षा करने की आवश्यकता की एक महत्वपूर्ण याद दिलाता है।

बुजुर्ग हमारे समाज के स्तंभ हैं, जिनके पास अनुभव, ज्ञान और प्रेम का खजाना है। दुर्भाग्य से, उनमें से कई को विभिन्न रूपों में दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है - शारीरिक, भावनात्मक, वित्तीय, या उपेक्षा के माध्यम से - अक्सर अपने ही घरों या समुदायों में। ऐसे कृत्य न केवल उनके अधिकारों का उल्लंघन करते हैं बल्कि उन्हें वह सम्मान भी छीन लेते हैं जिसके वे हकदार हैं।

कार्यकारी अध्यक्ष, राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, यू.टी. चंडीगढ़ के कुशल मार्गदर्शन में 15.06.2025 को चंडीगढ़ के सेक्टर-15 स्थित वृद्धाश्रम में 'विश्व बुजुर्ग दुर्व्यवहार जागरूकता दिवस' मनाया गया।

इस वर्ष का विषय 'आपात स्थितियों में वृद्ध व्यक्तियों पर प्रकाश' पर केंद्रित है, जिसमें संकट के दौरान वृद्ध लोगों की कमजोरियों और समावेशी नीतियों, सहायता प्रणालियों और कानूनी सुरक्षा की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया गया है।

इस अवसर पर, संप्रीत कौर, सदस्य सचिव, एसएलएसए, चंडीगढ़ ने उपस्थित लोगों को राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, चंडीगढ़ की सेवाओं/कार्यप्रणाली के साथ-साथ नालसा (वरिष्ठ नागरिक) योजना, 2016 के बारे में बताया। उन्हें राष्ट्रीय हेल्पलाइन टोल फ्री नंबर 15100 और नालसा ऐप के बारे में भी बताया गया। ईशान डोगरा इस प्राधिकरण के पैनल अधिवक्ता ने श्रोताओं को संबोधित किया और उन्हें वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 के बारे में जागरूक किया। कार्यक्रम का समापन श्रोताओं के साथ प्रश्न-उत्तर सत्र के साथ हुआ और इसका मुख्य उद्देश्य थाः बुजुर्गों के साथ दुर्व्यवहार और उसके संकेतों के बारे में लोगों को शिक्षित करना, दुर्व्यवहार की रिपोर्टिंग और सहायता प्रणालियों तक पहुँच को प्रोत्साहित करना, बुजुर्गों के प्रति सम्मान, सहानुभूति और देखभाल को बढ़ावा देना, और माता-पिता और वरिष्ठ नागरिकों के भरण-पोषण और कल्याण अधिनियम, 2007 को लागू करने के महत्व को सुदृढ़ करना।

माँ की ममता की बात जमाने भर में होती है, पर पिता के अनगिनत बलिदानों की बात कोई नहीं करता : रोहित

संवाददाता
चंडीगढ़

फादर्स डे हर साल जून के तीसरे रविवार को मनाया जाता है जिस दौरान दुनिया भर में लोग एक पिता द्वारा अपने बच्चे के लिए किए गए प्यार और त्याग को याद करते हैं। इस अवसर पर आज सेव इंडियन फॅमिली (एसआईएफ) के चंडीगढ़ चैप्टर के अध्यक्ष रोहित डोगरा की अगुआई में मदर टेरेसा मिशन ऑफ चैरिटी, सेक्टर-23 में बच्चों के साथ हैप्पी फादर्स डे कार्यक्रम आयोजित किया जिसमें केक काटने की रस्म के बाद अनाथालय और अन्य बच्चों को स्नैक्स और गिफ्ट हैम्पर्स बांटे गए।

रोहित डोगरा ने आगे बताया कि फादर्स डे पर उन्होंने एक विशेष पहल के तौर मॉडर्न जेल बुड़ैल में बंद कैदियों, जिसने से कुछ पिता भी हैं, द्वारा तैयार की गई मिठाइयाँ भी बांटी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि हम भारत में कभी-कभी पितृत्व को स्वीकार करना भी भूल जाते हैं। हम पिता और बच्चे के बीच के बंधन को नजरअंदाज कर देते हैं और ऐसा ही कानून और न्यायपालिका भी करते हैं। आज के युग में हर कोई महिला सशक्तिकरण की बात करता दिखता है तथा समाज और मीडिया में महिला दिवस, मदर्स डे आदि को लेकर काफी धूम मची रहती है, लेकिन फादर्स डे पर किसी का ध्यान नहीं जाता है, जो पिता के योगदान और बलिदान की अज्ञानता और समाज में पुरुषों के प्रति बढ़ती नफरत का स्पष्ट संदेश देता है। पिछले कुछ दशकों में भारत में समाज और विशेष रूप से परिवार प्रणाली में व्यापक परिवर्तन आया है और तलाक की दर लगातार बढ़ रही है, जिसके परिणामस्वरूप बहुत से पिता अपने बच्चे को देखने से वंचित हो रहे हैं और समाज पश्चिम की तरह पिता-विहीन समाज की ओर बढ़ रहा है।

रोहित डोगरा ने कहा कि वैवाहिक मामलों में पति जो पिता भी है, को अपराधी माना जाता है, जिसका सीधा असर पति के जीवन और स्वतंत्रता, आत्मसम्मान और पिता के रूप में उसके अधिकारों पर पड़ता है। पिताओं से बच्चे के पालन-पोषण के लिए भरण-पोषण और खर्च का भुगतान करने के लिए कहा जाता है, लेकिन अधिकांश मामलों में पिता को पिता के अधिकारों और बच्चे के माता-पिता दोनों से मिलने के अधिकार से वंचित किया जाता है।